THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 206 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.2 2082 गुरुवार, 23 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत एस-400 के लिए 10 हजार करोड़ रुपये की डील करेगा

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत अपने मौजूदा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रूस से 10,000 करोड़ की मिसाइलें खरीदने वाला है। इसके लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को 23 अक्टूबर को होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में मंजूरी दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बताया गया कि इसने पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया।

नए उस्मानिया अस्पताल का निर्माण दो साल में पूरा होगा : रेवंत रेड्डी

> सीएम ने अस्पताल के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को नए उस्मानिया अस्पताल का निर्माण दो साल के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया है, जिसे राज्य सरकार बहुत अहम मानती है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को अपने आवास पर नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। सीएम ने अधिकारियों को नए हॉस्पिटल की ज़रूरतों के हिसाब से मॉडर्न मेडिकल उपकरण खरीदने और इस बारे में सही प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को मॉडर्न उपकरण लगाने के लिए काफ़ी कमरे, लैब और दूसरे स्ट्रक्चर बनाने का निर्देश दिया। हॉस्पिटल के कंस्ट्रक्शन के काम के साथ-साथ, इसके आस-पास की सड़कों का निर्माण भी किया जाना चाहिए ताकि लोकल लोगों को कोई दिक्कत न हो। सीएम ने आदेश दिया कि हॉस्पिटल के निर्माण के काम में तेज़ी लाने के लिए निर्माण और हेल्थ डिपार्टमेंट, पुलिस, जीएचएमसी, आरएंडबी और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ तुरंत एक कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाई जाए। सीएम ने निर्देश दिया कि यह कमेटी फील्ड लेवल पर जाए और हर दस दिन में बैठक करें ताकि किसी भी समस्या का समाधान हो सके और यह पक्का हो सके कि काम जल्दी हो।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को उस्मानिया में नए हॉस्पिटल की सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट के बारे में पहले से सही प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। सीएम ने आरएंडबी अधिकारियों को हॉस्पिटल से अलग-अलग सड़कों को जोड़ने के लिए तुरंत प्लान तैयार करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद समेत अलग-अलग जिलों में बन रहे हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के लिए हर निर्माण स्थल के लिए एक अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया है।

सीएम ने अधिकारियों को अगले जून तक कंस्ट्रक्शन पूरा करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में सीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी वी. शेषाद्रि और श्रीनिवास राजू, सीएम सेक्रेटरी माणिक राज, डीजीपी शिवधर रेड्डी, अलग-अलग डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारी विकास राज, क्रिस्टिना जोंगथू, इलंबर्ती, मुशर्रफ अली फारूकी, हरिचंदन और दूसरे लोग शामिल हुए।

1000 बूथ स्तरीय अधिकारियों को चुनाव आयोग का नोटिस

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी निर्देशों का पालन न करने के आरोप में करीब 1,000 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संबंधित सभी बीएलओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की बार-बार अपील के बावजूद ईआरओ-नेट पोर्टल पर अपने नाम दर्ज नहीं कराए थे। इसी को आधार बनाते हुए नोटिस जारी किए गए हैं।

अधिकारी ने कहा, नोटिस में कहा गया है कि ऐसा न करना जानबूझकर की गई लापरवाही और कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा है, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के उल्लंघन के बराबर है। इस धारा के तहत निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। नोटिसों में इसका भी जिक्र किया गया है कि चुनावी कामकाज के दौरान बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं और उसके अनुशासनात्मक नियंत्रण के अंतर्गत होते हैं।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में लापरवाही

कच्चे कंक्रीट हैलीपैड पर उतरा हेलीकॉप्टर, पहिए गड्ढे में धंसे

तिरुवनंतपुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में लापरवाही का मामला सामने आया है। दरअसल राष्ट्रपति को सबरीमाला यात्रा पर ले जा रहा वायु सेना का हेलीकॉप्टर बुधवार सुबह प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नए कंक्रीट वाले हेलीपैड पर उतरते समय एक गड्ढे में फंस गया।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक की यह घटना तब हुई, जब राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर की केरल के प्रमदम में लैंडिंग हुई। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया।

राष्ट्रपति के रवाना होने के बाद कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहियों को हैलीपैड पर बने गड्ढों से निकालते दिखाई दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गई थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया। इसके चलते हेलीपैड सूख नहीं पाया और जैसे ही राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर लैंड हुआ तो भारी वजन के चलते वह हेलीपैड में ही धंस गया।

गनीमत रही कि इस वजह से कोई गड़बड़ी नहीं हुई। अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई। अधिकारी ने बताया, 'कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था, इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं झेल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दक्षिणी राज्य के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम तिरुवनंतपुरम पहुंची। बुधवार सुबह वे पथनमथिट्टा जिले के लिए रवाना हुए, जहां वे सबरीमाला मंदिर में दर्शन करेंगी।

कांग्रेस बोली-पीएम छुपाते हैं, ट्रंप उजागर कर देते हैं

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'भारत अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा', अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत और रूस को लेकर बार-बार किए जा रहे इस दावे को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि यह छह दिन में चौथी बार है जब ट्रंप ने भारत की विदेश नीति की घोषणा की है, जबकि प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। पार्टी का कहना है कि अमेरिका बार-बार भारत की नीतियों की जानकारी सार्वजनिक कर रहा है, जबकि भारत सरकार पारदर्शिता नहीं दिखा रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार स्वीकार किया कि ट्रंप ने उन्हें फोन किया और दीवाली की बधाई दी, लेकिन सिर्फ इतना ही बताया, लेकिन मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वो सब बता देते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह भी कहा है कि भारत रूस से तेल खरीद में कटौती कर रहा है और ये बात खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताई है। जयराम रमेश ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बंद होने की जानकारी भी ट्रंप ने पहले दी थी, न कि प्रधानमंत्री ने। बता दें कि बीते दिनों में कई बार ट्रंप भारत के रूस से तेल खरीद के मामले में बेतुका बयानबाजी कर चुके हैं।

केरल के मंदिरों में भ्रष्टाचार-गबन के आरोप

सबरीमाला मामले में केंद्र सरकार से दखल देने की मांग

तिरुवनंतपुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल भाजपा ने राज्य के मंदिरों में कथित भ्रष्टाचार और गबन के आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस पत्र में केरल भाजपा ने केंद्र सरकार से दखल देने की अपील की है। केरल भाजपा ने ये आरोप ऐसे समय लगाए हैं, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों दक्षिण भारत के राज्यों के दौरे पर हैं। केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सबरीमाला श्री धर्म संस्था मंदिर सहित केरल के मंदिरों में कथित भ्रष्टाचार, गबन और उल्लंघन के मामलों में हस्तक्षेप की मांग की।

केरल मंदिर अधिग्रहण विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने मालाबार देवस्वोम बोर्ड को जारी किया नोटिस

> कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति पर रोक

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कासरगोड के त्रिचंबरम स्थित मुलंगेश्वरम शिव मंदिर के लिए कार्यकारी अधिकारी की युक्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत का यह आदेश उन आरोपों के बीच जब केरल सरकार द्वारा नियंत्रित मालाबार देवस्वोम बोर्ड मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की कोशिश की जा रही है।

शीर्ष अदालत तालीपरम्बा क्षेत्र संरक्षण समिति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने 16 अक्टूबर को बोर्ड को नोटिस जारी किया और निर्देश दिया कि अगले आदेश तक, कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जाए। इसका मतलब है कि मंदिर का प्रशासन फिलहाल समिति के हाथों में ही रहेगा। बता दें, तलीपरम्बा क्षेत्र संरक्षण समिति चार दशकों से ज्यादा समय से मंदिर का प्रबंधन करने का दावा करती है।

अधिवक्ता सरथ एस. जनार्दनन के माध्यम से दायर की गई इस अपील में केरल हाई कोर्ट के 18 जून के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें बोर्ड के कदम के खिलाफ समिति की याचिका खारिज कर दी गई थी। समिति ने तर्क दिया कि वह 1979 से मंदिर का प्रशासन संभाल रही है, जब मंदिर के पारंपरिक संरक्षक, चिरक्कल राजपरिवार ने उसे यह कार्यभार सौंपा था। समिति ने अपनी याचिका में कहा, 'इसके बाद, मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया और इसका प्रशासन याचिकाकर्ता द्वारा किया गया, जब से याचिकाकर्ता ने मंदिर का प्रबंधन शुरू किया है, तब से वह बिना किसी शिकायत के मंदिर का उचित और प्रभावी प्रबंधन कर रहा है। याचिकाकर्ता के प्रबंधन में, यह मंदिर केरल के कन्नूर जिले में स्थित त्रिचंबरम मंदिर के निकट सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बन गया है।' यह विवाद 2010 का है, जब मालाबार देवस्वोम बोर्ड ने मंदिर का प्रशासन चिरक्कल कोविलकम मंदिरों की देखरेख करने वाले एक कार्यकारी अधिकारी को सौंपने का फैसला किया था। समिति और स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद यह कदम रोक दिया गया था।

याचिका के अनुसार, नए अधिकारी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की सहायता से मंदिर का प्रशासन अपने हाथ में लेने आए थे, लेकिन समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक दिया। याचिका में कहा गया है कि कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देश के आधार पर मंदिर को अपने नियंत्रण में लेने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। हालांकि, जब उनसे हाई कोर्ट का आदेश दिखाने को कहा गया, तो कार्यपालक अधिकारी उसे दिखाने में विफल रहे और पुलिसकर्मियों को भी गड़बड़ी का एहसास हुआ और वे मौके से चले गए। समिति ने एक अन्य उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित विष्णु मंदिर, जिसका प्रबंधन पहले एक सार्वजनिक समिति द्वारा किया जाता था। उसको बोर्ड ने अपने नियंत्रण में ले लिया है और अब यह मंदिर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है तथा वहां कोई दैनिक पूजा नहीं होती है।

'ईमानदारी के रखवाले अब बन गए 'शौकपाल'

लोकपाल के लिए बीएमडब्ल्यू कार खरीद पर सियासत-विपक्ष ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था लोकपाल इन दिनों विवादों में चल रहे है। कारण है कि सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद का टेंडर। इसकी कुल कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है।

ऐसे में अब इस मामले में सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दलों के नेताओं ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब लोकपाल नहीं, 'शौकपाल' हो गया है। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब लोकपाल ने 16 अक्तूबर को एक टेंडर जारी किया, जिसमें कहा गया कि उसे बीएमडब्ल्यू तीन सीरीज 330एलआई एम स्पोर्ट (लांग बेसव्हील्स, सफेद रंग) की 7 गाड़ियां चाहिए। हर गाड़ी की कीमत लगभग 69.5 लाख रुपये बताई गई है। ये गाड़ियां लोकपाल के चेयरमैन जस्टिस एएम खानविलकर (सेवानिवृत्त) और छह अन्य सदस्यों के लिए खरीदी जा रही हैं।

एआई कंटेंट पर अब लगेगा 'लेबल'

डीपफेक पर लगाम को लेकर आईटी नियमों में संशोधन का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई-जनरेटेड फर्जी कंटेंट से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आईटी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव पेश किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए इस मसौदे में कहा गया है कि अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एआई या सिंथेटिक कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा ताकि यूजर असली और नकली सामग्री में फर्क कर सकें।

क्या हैं नए नियमों के प्रमुख प्रावधान?

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि कोई कंटेंट एआई या कंप्यूटर-जनित है, तो उस पर लेबल या मार्कर लगाया जाए। यह लेबल विजुअल कंटेंट में कम से कम 10 फीसदी हिस्से पर दिखाई देना चाहिए, जबकि ऑडियो में शुरुआती 10 फीसदी अवधि तक सुनाई देना जरूरी होगा। साथ ही, प्लेटफॉर्म्स को यह भी जांच करनी होगी कि यूजर द्वारा अपलोड किया गया कंटेंट असली है या सिंथेटिक। इसके लिए तकनीकी उपाय अपनाने और यूजर से 'डिक्लेरेशन' लेना अनिवार्य होगा।

डीपफेक से बढ़ रहा खतरा

मंत्रालय ने कहा कि हाल के महीनों में डीपफेक ऑडियो और वीडियो तेजी से वायरल हुए हैं, जिनसे गलत जानकारी फैलाने, राजनीतिक छवि बिगाड़ने, धोखाधड़ी करने और लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के मामले सामने आए हैं। वैश्विक स्तर पर भी डीपफेक तकनीक को लेकर चिंता बढ़ी है, क्योंकि यह तकनीक असली लगने वाले झूठे वीडियो और फोटो बनाकर समाज में भ्रम फैलाने में सक्षम है। आईटी मंत्रालय ने इस ड्राफ्ट पर जनता और विशेषज्ञों से 6 नवंबर 2025 तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं।

'पंजीकृत नहीं तो फंडिंग कैसे?'

बंगलूरू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पंजीकरण और फंडिंग को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। मंत्री प्रियांक खरगे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी. के. हरिप्रसाद ने बुधवार को आरोप लगाया कि आरएसएस खुद को सरकारी नियमों से बचाने के लिए पंजीकृत संगठन नहीं बनाता और अपनी आर्थिक गतिविधियों को सार्वजनिक नहीं करता। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने बेंगलूरू में मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर आरएसएस पंजीकृत संगठन है, तो उसका रजिस्ट्रेशन दस्तावेज सार्वजनिक किया जाए।

धरती के पास एक नहीं अब हैं दो चांद

नासा ने कर दिया कन्फर्म

वॉशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। धरती के पास अब एक नहीं बल्कि दो-दो चांद हैं। जी हां, ये किसी साइंस फिक्शन फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं है, बल्कि हकीकत है। खगोलविदों ने हमारी पृथ्वी के एक नए साथी की पहचान की है, जो अगले 50 वर्षों तक साथ रहेगा।

यह 2025 पीएन7 नामक एक एस्टेरॉयड है जो लगभग 50 वर्षों तक हमारे ग्रह की परिक्रमा करने वाला है। इसे मिनी मून कहा जा रहा है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने साफ किया है कि यह वास्तव में हमारे चंद्रमा जैसा नहीं है। यह एक अर्ध चंद्रमा है, जो सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की लगभग समान कक्षा और गति से घूमता है। इससे यह भ्रम होता है कि यह हमारे ग्रह की परिक्रमा कर रहा है।

2083 तक पृथ्वी के साथ रहेगा 2025 पीएन7

लगभग 19 मीटर व्यास वाले इस क्षुद्रग्रह को अगस्त 2025 में खोजा गया था। यह 2083 के बाद कुछ समय तक पृथ्वी की कक्षा के करीब बना रहेगा और उसके बाद धीरे-धीरे बाहरी अंतरिक्ष में चला जाएगा। यूरो वीकली न्यूज की रिपोर्ट से पता चलता है कि 2025 पीएन7 पिछले कुछ दशकों से पृथ्वी की कक्षा के निकट एक प्रक्षेप पथ (ट्रेजेक्टरी) पर यात्रा कर रहा है। बहुत छोटा होने और धुंधला होने के कारण अब तक इसका पता नहीं चल पाया था। खगोलविदों के आकलन के अनुसार, यह अंतरिक्ष यात्री लगभग 2083 तक पृथ्वी से गुरुत्वाकर्षण के जरिए बंधा रहेगा।

वैज्ञानिक इसके मार्ग पर नजर रख रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह हमारी पृथ्वी के चारों ओर इस अस्थिर परिक्रमा को कब तक करता रहेगा।

बांग्लादेश में सेना के 15 अधिकारियों को भेजा गया जेल

धाका, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी-बीडी) ने बुधवार को 15 सेना के अधिकारियों को जेल भेज दिया। इन सैन्य अधिकारियों पर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान लोगों को गायब करने, हत्या करने और हिरासत में यातना देने का आरोप है। सेना ने 11 अक्तूबर को इन अधिकारियों को हिरासत में लिया था, जब ट्रिब्यूनल ने उनके गिरफ्तारी आदेश दिए थे।

ट्रिब्यूनल के चीफ प्रोसिक्यूटर ताजुल इस्लाम ने कार्यवाही के बाद मीडिया को बताया, ट्रिब्यूनल ने लोगों को गायब करने, हत्या और हिरासत में यातना दिए जाने के संबंध में आज पेश किए गए 15 सैन्य अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि ट्रिब्यूनल ने किसी की भी जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं की। इस्लाम ने कहा कि जमानत याचिकाओं के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया है और अधिकारी पांच नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई से पहले औपचारिक अर्जी दायर कर सकते हैं।

पूर्व पीएम शेख हसीना को भी कोर्ट में पेश करने के आदेश

जस्टिस एम. गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और अन्य फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें अदालत में पेश करने का भी आदेश दिया। इससे पहले 15 अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा के बीच एक हरे रंग की बस में ढाका छावनी से लाया गया, जहां उन्हें आठ अक्टूबर को गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद से सैन्य हिरासत में रखा गया था।

देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हुआ मंथन

> कई राज्यों में किया जाएगा एसआईआर

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की है। इस बैठक में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने और देशव्यापी एसआईआर पर योजना को अंतिम रूप देने पर मंथन हुआ है।

क्या था बैठक का मकसद?

एसआईआर का मुख्य उद्देश्य पुराने और गलत रिकॉर्ड हटाकर मतदाता सूची को अद्यतन करना है। इसमें खासतौर पर अवैध विदेशी प्रवासियों के नामों की पहचान और उन्हें सूची से हटाने पर जोर दिया जाएगा। आयोग इस बार यह अभियान चरणबद्ध तरीके से शुरू करने पर विचार कर रहा है।

किन राज्यों में पहले चलेगा अभियान?

चुनाव आयोग की योजना है कि एसआईआर की शुरुआत उन राज्यों से की जाए जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में असम, केरल, पुद्दुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल शामिल है। इनके अलावा कुछ और राज्यों को भी पहले चरण में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन राज्यों में फिलहाल स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां यह अभियान बाद में शुरू होगा ताकि स्थानीय चुनावी मशीनरी पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

पुरानी मतदाता सूची बनेगी आधार

हर राज्य में पिछली बार हुए एससआई के रिकॉर्ड को इस बार के अभियान का आधार बनाया जाएगा। जैसे, बिहार में आखिरी एसआईआर 2003 में हुआ था और हाल ही में वहां 7.42 करोड़ मतदाताओं की अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की गई। दिल्ली में आखिरी बार गहन पुनरीक्षण 2008 में हुआ था। जबकि उत्तराखंड में 2006 में । वहीं ज्यादातर राज्यों में पिछली एसआईआर 2002 से 2004 के बीच कराई गई थी। अब राज्यों ने मौजूदा मतदाताओं का मिलान उस पुरानी सूची से लगभग पूरा कर लिया है।

हिमाचल में बदला मौसम

लाहौल-स्पीति में बारिश के साथ हुई बर्फबारी, पर्यटकों में खुशी

शिमला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा मनाली के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बर्फबारी से मनाली और लाहौल-स्पीति के पर्यटन से जुड़े हितधारकों के चेहरे खिल उठे हैं, क्योंकि उन्हें पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, 23 अक्टूबर भी राज्य के ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा और कुल्लू जिले के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। वहीं, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में बहुत हल्की बारिश के आसार हैं। हालांकि, 24 से 28 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

महाराष्ट्र में भी गठबंधन पर संकट! कांग्रेस नेता का बयान

'राज ठाकरे की बात छोड़िए, हम उद्धव के साथ भी नहीं'

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक ओर बिहार चुनाव के बीच इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। सीटों पर सहमति न बनने पर हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने अलायंस से अलग होकर अकेले लड़ने का फैसला ले लिया है। माना जा रहा है कि इसका असर झारखंड में इंडिया गठबंधन पर भी पड़ सकता है।

वहीं, अब तीसरे राज्य यानी महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन दल फीका पड़ता दिख रहा है। एक तरफ उद्धव ठाकरे अपने भाई राज ठाकरे को महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तारीफ कांग्रेस यह

गठबंधन ही खत्म करने की योजना बना रही है। दरअसल, महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस नेता भाई जगताप ने ऐलान कर दिया है कि पार्टी चुनावी मैदान में अकेले उतर सकती है।

भाई जगताप ने भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज ठाकरे से हाथ नहीं मिलाएगी और उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन में भी चुनाव नहीं लड़ेगी। भाई जगताप ने स्पष्ट रूप से कह दिया है- उद्धव ठाकरे के साथ तो जा ही नहीं रहे। राज ठाकरे की तो बात ही छोड़िए।

इसके अलावा, राज ठाकरे के महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में शामिल होने की अटकलों के बीच मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने राज ठाकरे की पार्टी का नाम न लेते हुए कहा, संविधान और कानून को ना मानने वालों के साथ हम नहीं जाएंगे। वर्षा गायकवाड़ ने आगे कहा, दिवाली में पटाखे छूट रहे हैं लेकिन कुछ लोग राजनीति में पटाखे फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन पटाखे फूस निकले। हम बम फोड़ने को तैयार हैं और लोग इसका समर्थन करेंगे। वही, राज ठाकरे को लेकर कांग्रेस नेता ने काह कि देश में संविधान को न मानने वालों के साथ हम नहीं जाएंगे।

विधवा से की शादी

फिर देने लगा पहले पति की मौत का ताना, प्रेस से जलाया

जबलपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद, महिलाओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर से सामने आई एक घटना ने फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर महिलाओं को कब तक घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ेगा। दरअसल, यह पूरी घटना माढ़ोताल थाना क्षेत्र के रैंगवां गांव की है जहां 37 वर्षीय शिल्पी तिवारी ने माढ़ोताल थाना पहुंचकर अपने पति अरविंद तिवारी, जेठ आशुतोष तिवारी और जेठानी शांति बाई के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शिल्पी तिवारी ने पुलिस को बताया कि उनकी पहली शादी बढ़ेयाखेड़ा पाटन निवासी महेंद्र तिवारी से हुई थी। लेकिन करीब छह साल पहले उनके पति की मृत्यु हो गई। पहली शादी से उनका 15 वर्षीय एक बेटा है। पति की मौत के बाद उन्होंने जुलाई 2025 में अरविंद तिवारी से दूसरी शादी की। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि ससुराल वाले अक्सर उसे पहले पति की मौत का ताना देते थे। दीपावली की दोपहर जब घर में विवाद हुआ तो पति अरविंद ने झगड़े के दौरान गर्म प्रेस से शिल्पी को जला दिया।

इतना ही नहीं आरोप है कि जेठ आशुतोष और जेठानी शांति बाई ने पति को उकसाया और बाद में तीनों ने मिलकर शिल्पी के साथ मारपीट भी की। माढ़ोताल थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

सौरमंडल में आए दो दुर्लभ मेहमान! एक साथ दिखे दो धूमकेतु, कैसे देख पाएंगे आप?

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली के प्रकाश उत्सव पर भारत के आसमान में भी दुर्लभ नजारे देखने को मिल रहे हैं। देश के आसमान पर दो धूमकेतु का आगमन हो हआ है। इन धूमकेतुओं के नाम सी/2025 ए6 (लेमन) और धूमकेतु सी/2025 आर2 (एसडब्ल्यूएएन) हैं। इन दोनों को अंधेरी जगहों से दूरबीन के माध्यम से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस हफ़्ते किसी भी रात दोनों धूमकेतुओं को देखने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त के लगभग डेढ़ घंटे बाद का होगा।

धूमकेतु एसडब्ल्यूएएन करीब 20 हजार साल के बाद सौर मंडल में वापस लौटा है जबकि धूमकेतु

लेमन को 3175 में देखा जा सकेगा। हजारों वर्षों के बाद सौरमंडल में दाखिल होनेवाले इन धूमकेतुओं को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है। सबसे बड़ी बात ये है कि एक साथ दो बड़े धूमकेतु का देखना अपने आप में दुर्लभ है। दोनों धूमकेतु हाल ही में धरती के करीब से गुजरे हैं। धूमकेतु एसडब्ल्यूएएन सोमवार को और धूमकेतु लेमन को धरती के नजदीक से गुजरा है। एसडब्ल्यूएएन और लेमन में लेमन ज्यादा चमकीला है। हालांकि खुली आंखों से देख पाना बहुत आसान नहीं है। इसकी मौजूदा चमक मैग्नीट्यूड 4.5 है, जो तकनीकी रूप से इसे देखने लायक बनाती है। -1 से 10 के पैमाने पर, 6.5 से कम मैग्नीट्यूड वाली कोई भी खगोलीय वस्तु आंखों से देखी जा सकती है।

इन धूमकेतुओं को दूरबीन या टेलीस्कोप के माध्यम से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इन्हें देखने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त के लगभग डेढ़ घंटे बाद का होगा। यानी शाम करीब 7 बजे के आसपास इन्हें देखा जा सकता है। लेमन उत्तर-पश्चिम आसमान में नक्षत्र में दिखाई देता है जो सप्तऋषि के पास है। यह करीब 7.45 बजे अस्त हो जाता है। धूमकेतु लेमन और एसडब्ल्यूएएन हाल में खोजे गए धूमकेतु हैं। लेमन की खोज 3 जनवरी 2025 को माउंट लेमन सर्वे के हिस्से के रूप में हुई थी।

वहीं एसडब्ल्यूएएन की खोज यूक्रेन के खगोलशास्त्री व्लादिमीर बेजुग्ली ने की थी। ये दोनों धूमकेतु सौर मंडल के बाहर से आए हुए हैं। इसलिए इनकी काफी चर्चा हो रही है। पिछले एक साल में ये आसमान में नजर आनेवाले पहले धूमकेतु हैं।

200 मीटर गहरी खाई में गिरी कार दो युवकों की मौत शरणगांव में हादसा

कुल्लू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के सैंज के शरण गांव के पास एक कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिरने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मंगलवार देर रात को पेश आया। गाड़ी के सवार होकर दोनों युवक रात को अपने घर लौट रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

शव बुधवार को बंजार अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपे जाएंगे। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच में जुटी है।

तकनीकी खराबी के कारण अमेरिका जा रहे एअर इंडिया के विमान को लौटना पड़ा वापस

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से अमेरिका के नेवार्क के लिए उड़ान भरने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई191 को तकनीकी खराबी के कारण बुधवार सुबह मुंबई वापस लौटना पड़ा। बोइंग 777 विमान ने रात करीब 1:50 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन तीन घंटे से ज्यादा हवा में रहने के बाद उसे वापस मुंबई लैंड करना पड़ा। एअर इंडिया ने बयान जारी कर बताया कि फ्लाइट एआई191 के चालक दल ने संदिग्ध तकनीकी समस्या के चलते सावधानी बरतते हुए विमान को मुंबई वापस लाया। विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर चुका है और उसकी जांच की जा रही है।

उड़ानें रद, यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

इस घटना के कारण फ्लाइट एआई191 (मुंबई से नेवार्क) और एआई144 (नेवार्क से मुंबई) दोनों को रद कर दिया गया। एअर इंडिया ने प्रभावित यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की है और उन्हें एअर इंडिया या अन्य एयरलाइंस की वैकल्पिक उड़ानों में री-बुक किया गया है। नेवार्क में फ्लाइट एआई144 के यात्रियों को भी रद होने की सूचना दे दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि इन यात्रियों को जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था दी जा रही है। यात्रियों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

'कुर्सी से तौलिया हटाएं, टेबल छोटा करें'

हरियाणा डीजीपी के अफसरों को कड़े निर्देश, पढ़ें और क्या कहा

पंचकूला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूबे के नए डीजीपी ओपी सिंह ने बुधवार को प्रदेश के सभी आइजी, एसपी, डीएसपी और थाना प्रभारियों को संदेश जारी कर अपने ऑफिस में रखे टेबल को छोटा करने और कुर्सियों से तौलिया हटाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि उनके ऑफिस में आने वाले लोगों के साथ बड़ी सहजता से पेश आना चाहिए। सरकारी ऑफिस लोगों के पैसे से बना है। यह उनकी सहायता और समस्या के समाधान के लिए है। संदेश में डीजीपी ने यह भी कहा कि पुलिस विभाग एक बिजली के तार की तरह जिसमें करंट दौड़ता है। लोगों को आपसे कनेक्शन चाहिए, रोशनी चाहिए।

करंट से झटका बेशक दें, मगर यह झटका उनके लिए होना चाहिए जो लोगों का खून चूसते हैं। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों को पब्लिक डीलिंग की समझ नहीं है, उनको पुलिस थानों और चौकियों से हटाएं। इसके लिए उन्होंने कहा कि बढ़ई से बढ़ई काम करवाना चाहिए। उसको हलवाई का काम नहीं देना चाहिए। डीजीपी ने लेटर में लिखा कि अगर ऑफिस में कोई कॉन्फ्रेंस हाल है तो विजिटर्स को वहीं बैठाएं। अगर नहीं है तो अपने ऑफिस के किसी एक कमरे को विजिटर्स रूम बनाएं। वहां प्रेमचंद, दिनकर और रेणु जैसे साहित्यकारों की किताबें रखें। एक व्यक्ति को नियुक्त करें जो उन्हें चाय-पानी पूछे और परोसे। एक व्यवहार-कुशल पुलिसकर्मी को नियुक्त करें जो उनसे उनके आने के उद्देश्य और समस्या के बारे में बात कर सके।

डीजीपी ने लेटर में लिखा कि पुलिस थानों और अन्य अधिकारियों के कार्यालय में मेट्रो प्रोटोकाल लागू किया जाना चाहिए। गेट से विजिटर्स रूम तक पहुंचने के लिए फुट स्टेप्स या अन्य निशान बनाए जाने चाहिए, ताकि लोगों को विजिटर्स रूम में जाने के लिए भटकना न पड़े। डीएवी पुलिस-पब्लिक स्कूल के इच्छुक छात्रों को विजिटर्स को गेट पर रिसीव करने और उन्हें विजिटर्स रूम तक पहुंचने के लिए मदद करने के काम में लगाएं। डीजीपी ने कहा कि पुलिस थानों, चौकियों और अन्य आफिसों में जब कोई व्यक्ति फरियाद लेकर आता है तो उसकी बात को बहुत ही ध्यान और धैर्य के साथ सुना जाए।

भारत लाया जाएगा भगोड़ा मेहुल चौकसी

बेल्जियम की अदालत ने दी मंजूरी; किडनैपिंग का दावा खारिज

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हीरा कारोबारी और पीएनबी घोटाले के आरोपी मेहुल चौकसी को लेकर बड़ा फैसला बेल्जियम की एंटवर्प कोर्ट ने दिया है। अदालत ने चौकसी की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए भारत सरकार के एक्सट्राडिशन यानी प्रत्यर्पण की मांग को मंजूरी दे दी है। यानी अब चौकसी को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है।

एंटवर्प कोर्ट ने साफ कहा कि मेहुल चौकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं है इसलिए उस पर वहां की नागरिक सुरक्षा से जुड़ी शर्तें लागू नहीं होती। कोर्ट ने माना कि चौकसी एक विदेशी नागरिक है और उनके खिलाफ भारत सरकार द्वारा भेजे गए दस्तावेजों में गंभीर अपराधों का जिक्र है। इन सभी अपराधों के लिए भारत में सजा हो सकती है इसलिए बेल्जियम कोर्ट ने इन्हें प्रत्यर्पण योग्य माना है। मेहुल चौकसी लगातार ये दावा रहा है कि उसे एंटीगा से अगवा कर बेलीज या डोमिनिका ले जाया गया था ताकि भारत उन्हें पकड़ सके, लेकिन अदालत ने इस दावे को गलत और बिना सबूत का बताया।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि जो दस्तावेज चौकसी ने सबूत के तौर पर पेश किए। उनमें कहीं भी ये साबित नहीं होता कि उसकी किडनैपिंग भारतीय एजेंसियों के कहने पर हुई थी। कोर्ट ने कहा कि 2022 में जो इंटरपोल की सीसीएफ कमेटी का फैसला था, वो भी बहुत सावधानी से और शर्तों के साथ लिखा गया था।।इसलिए उससे कोई ठोस नतीजा नहीं निकाला जा सकता। कोर्ट ने भारत की जेल व्यवस्था पर भरोसा जताया। अदालत ने भारत सरकार की ओर से आए उन दस्तावेजों का भी जिक्र किया जिनमें कहा गया था कि मेहुल चौकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में रखा जाएगा। वो बैरक नंबर 12 में रहेगा, जहां दो सेल और प्राइवेट बाथरूम है। उसे केवल मेडिकल या कोर्ट पेशी के लिए बाहर ले जाया जाएगा। जेल में उसके रहने और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि चौकसी की ओर से जो आरोप लगाए गए हैं कि भारत की जेलों में टॉर्चर या खराब हालात है वो सिर्फ रिपोर्ट्स और प्रेस आर्टिकल्स पर आधारित है, जिनका उनकी निजी स्थिति से कोई सीधा संबंध नहीं है।

चौकसी की टीम ने भारत पर लगाए आरोप

चौकसी की टीम ने ये भी कहा कि भारत में उन्हें फेयर ट्रायल नहीं मिलेगा, क्योंकि वहां की न्याय व्यवस्था स्वतंत्र नहीं है। इस पर अदालत ने कहा, ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं दिया गया जिससे ये साबित हो कि भारतीय अदालतें स्वतंत्र नहीं हैं या चौकसी को राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया जा रहा है। कोर्ट ने ये भी कहा कि मीडिया रिपोर्टिंग या खबरों में नाम आने से ये साबित नहीं होता कि उसको "निर्दोषता की धारणा" यानी निर्दोष मानने के अधिकार का हनन हुआ है।

मेहुल चौकसी ने अपनी सेहत को लेकर जताई चिंता

मेहुल चौकसी ने अपनी सेहत को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि भारत की जेलों में उन्हें ठीक इलाज नहीं मिलेगा, लेकिन अदालत ने कहा कि उन्होंने कोई ऐसा मेडिकल रिकॉर्ड या रिपोर्ट नहीं दी जिससे ये साबित हो सके कि उन्हें गंभीर या असाध्य बीमारी है।

बता दें कि मेहुल चौकसी, गुजरात की गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के मालिक और नीरव मोदी के मामा हैं। दोनों पर मिलकर पंजाब नेशनल बैंक से करीब 13,500 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। 2018 में मामला सामने आने के बाद चौकसी भारत से भाग गया था और बाद में एंटीगा की नागरिकता ले ली।

भारत सरकार लगातार उसके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। अब जब एंटवर्प कोर्ट ने भारत की एक्सट्राडिशन रिक्वेस्ट को मंजूरी दे दी है तो अगला कदम बेल्जियम सरकार की औपचारिक स्वीकृति होगी। उसके बाद भारत की एजेंसियां उसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है।

नशे के खिलाफ दिल्ली पुलिस का एक्शन

हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार नेटवर्क तोड़ने की कार्रवाई जारी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो सक्रिय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से 203 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन/स्मैक बरामद की गई है। इस मामले में थाना क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम सहरोज खान और मोहम्मद फैसल उर्फ हैदर अली हैं, जो दोनों उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के टिलहर कस्बे के रहने वाले हैं।

18 अगस्त 2025 को एएसआई रणधीर सिंह को एक गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी राजौरी गार्डन के पास स्थित वेस्ट गेट मॉल के पास हेरोइन सप्लाई करने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर अनिल मलिक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई, जिसमें एएसआई रणधीर सिंह, महिला एसआई अमोलक, हेड कांस्टेबल रवि और राम निवास शामिल थे। यह टीम एसीपी सतेन्द्र मोहन और डीसीपी हर्ष इंदौरा के निर्देशन में काम कर रही थी। टीम ने मौके पर पहुंच कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान सहरोज खान के पास से 203 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे अर्शद नाम के एक व्यक्ति के निर्देश पर दिल्ली-एनसीआर में ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे। अर्शद ही उन्हें इस धंधे में लेकर आया और बदले में अच्छी रकम देने का लालच दिया गया।

पैसों के लालच में की नशा तस्करी

सहरोज खान पढ़ाई में केवल पांचवीं तक गया है और मजदूरी करता रहा है। वहीं मोहम्मद फैसल बारहवीं पास है और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। दोनों के पास पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन तेजी से पैसे कमाने के चक्कर में उन्होंने नशे का रास्ता अपना लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि राजधानी और आस-पास के इलाकों में नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

खुलासा: भारत नहीं, पाकिस्तान के पंजाब में जल रही ज्यादा पराली: आने वाले दिनों में और जहरीली होगी हवा

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान पंजाब में भी पराली जलाने के मामलों ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। वहां भारतीय पंजाब से भी अधिक पराली जल रही है। पूरे उत्तर भारत पर इसका असर देखने को मिल रहा है क्योंकि पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों की वायु गुणवत्ता खराब होनी शुरू हो गई है। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) चंडीगढ़ की संयुक्त टीम की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है जिनके अनुसार आने वाले दिनों में हालात और खराब हो सकते हैं। अगले दो सप्ताह महत्वपूर्ण रहने वाले हैं क्योंकि धान की कटाई के साथ पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

रिपोर्ट के अनुसार 1 सितंबर से 20 अक्टूबर तक पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने के अब तक 3472 मामले सामने आ चुके हैं

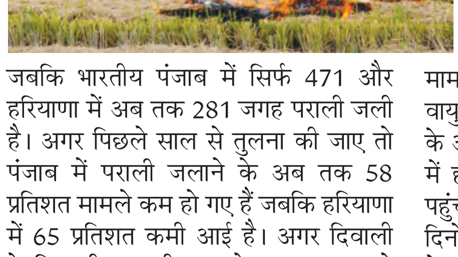

जबकि भारतीय पंजाब में सिर्फ 471 और हरियाणा में अब तक 281 जगह पराली जली है। अगर पिछले साल से तुलना की जाए तो पंजाब में पराली जलाने के अब तक 58 प्रतिशत मामले कम हो गए हैं जबकि हरियाणा में 65 प्रतिशत कमी आई है। अगर दिवाली के दिन की बात की जाए तो 20 अक्टूबर को पाकिस्तान के पंजाब में 1750 जगह पराली जली है वहीं भारतीय पंजाब में 200 और हरियाणा में 61 जगह पराली जलाने के मामले पकड़ में आए हैं।

पीयू-पीजीआई की टीम सैटेलाइट से पराली जलाने की मामलों की निगरानी कर रही है। विभागीय टीम की पकड़ से जो मामले बच जाते हैं यह टीम उन मामलों पर भी नजर रख रही है।

एक ही दिन में पराली जलाने के इतने मामले सामने आने के बाद यह साफ है कि आने वाले दिनों में पराली जलने के मामलों में बढ़ोतरी होगी जिसका सीधा असर वायु गुणवत्ता पर देखने को मिलेगा। अक्तूबर के अंतिम सप्ताह और नवंबर के पहले सप्ताह में हर बार ही एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है। खैवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी क्योंकि धान की कटाई अब रफ्तार पकड़ेगी। पाक पंजाब में जल रही पराली का असर पूरे उत्तर भारत में अधिक देखने को मिल सकता है क्योंकि वहां पराली जलाने के मामलों में बढ़ोत्तरी होती जा रही है।

मध्यप्रदेश में हर जिले में दवाओं की जांच की तैयारी

211 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र को भेजा; जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत हुई थी

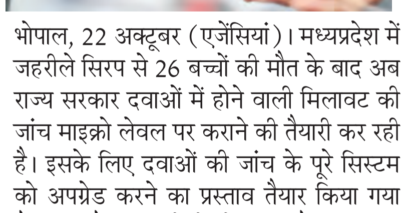

भोपाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत के बाद अब राज्य सरकार दवाओं में होने वाली मिलावट की जांच माइक्रो लेवल पर कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए दवाओं की जांच के पूरे सिस्टम को अपग्रेड करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। दावा है कि जिलों में मोबाइल लैब की मदद से जांच की जाएगी। इस बदलाव पर करीब 211 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी है। यह प्रस्ताव राज्य औषधि सुरक्षा और नियामक सुदृढ़ीकरण योजना (एसएसडीआरएस 2.0) के तहत केंद्र सरकार को भेजा गया है। अब तक दवाओं की जांच सिर्फ भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर तक सीमित थी, लेकिन अब हर जिले में ड्रग इंस्पेक्टर का स्वतंत्र कार्यालय बनाया जाएगा। इसके लिए 110 करोड़ का प्रावधान है। 50 करोड़ की लागत से चारों स्टेट ड्रग लैब को अपग्रेड किया जाएगा। एक माइक्रोबायोलॉजी लैब भी तैयार होगी। वहां वे जांचें भी हो सकेंगी, जो अब तक नहीं हो पा रही थी।

अफसरों का तर्क है कि इससे हर दवा की गुणवत्ता की जांच और निगरानी मजबूत होगी। दवाओं की जांच के लिए अब हर जिले में ड्रग इंस्पेक्टर का स्वतंत्र कार्यालय बनाया जाएगा। अभी छोटे जिलों में ड्रग इंस्पेक्टर्स दूसरे कार्यालयों में जहां जगह होती है, वहां बैठते हैं। नए ऑफिस में आधुनिक आईटी सिस्टम, सर्वर, कंप्यूटर और प्रशिक्षण हॉल समेत तमाम जरूरी इंतजाम होंगे। दवा निरीक्षण, लाइसेंसिंग और रिपोर्टिंग प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी। इससे दवाओं की सैंपलिंग, उनकी मॉनिटरिंग और जांच तीनों की रफ्तार बढ़ जाएगी। नए ड्रग इंस्पेक्टर्स के पदों पर भर्ती होगी।

मौजूदा लैब के अपग्रेडेशन पर 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर की लैब में अब माइक्रोबायोलॉजी और स्टेरिलिटी टेस्टिंग यूनिट शुरू होगी। यह जांचेंगी कि किसी दवा में फंगस-बैक्टीरिया, मिलावट या कोई अन्य रासायनिक गड़बड़ी तो नहीं है। लैबों को एनएबीएल मान्यता दिलाने की तैयारी भी प्रस्ताव में। मध्यप्रदेश में अब तक जहरीला कफ सिरप पीने से अब तक 26 बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चों की मौत की प्रारंभिक वजह किडनी फेल होना बताया जा रहा है, लेकिन ये केवल यहां तक सीमित नहीं थी। कफ सिरप में शामिल डायएथिलीन ग्लाइकॉल केमिकल ने बच्चों के दूसरे अंगों को भी धीरे-धीरे डैमेज किया था, जिसमें लिवर और फेफड़े भी शामिल है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025

सुविचार: भले ही एक कपड़ा कम पहनों, अगर थाली नहीं हैं तो हथेली पर रखकर खाओ, लेकिन अपने बच्चों को पुस्तकें जरूर पढाओं।

तेलंगाना ने आरएमआईटी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की

वैश्विक जीवन विज्ञान नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए कदम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की जीवन विज्ञान राजधानी के रूप में अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करते हुए, तेलंगाना सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक और परिवर्तनकारी कदम उठाया है। अनुसंधान, नवाचार और उन्नत शिक्षा में सहयोग को मज़बूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी संस्थानों में से एक, आरएमआईटी विश्वविद्यालय के साथ एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह साझेदारी अनुसंधान एवं विकास, उच्च शिक्षा और उद्योग सहयोग में संयुक्त अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देगी - विशेष रूप से जीवन विज्ञान में उद्योग-तैयार वैश्विक कार्यबल के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए। इस अवसर पर, सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, जिन्होंने मेलबर्न में इस हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया, ने कहा कि यह सहयोग सार्थक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से खुद को एक वैश्विक नवाचार केंद्र में बदलने की तेलंगाना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "यह एलओआई जीनोम वैली के विकास के अगले चरण और वैश्विक जीवन विज्ञान अर्थव्यवस्था में तेलंगाना के नेतृत्व की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।" राज्य की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना एशिया में जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है और 2030 तक इस क्षेत्र का मूल्य 250 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में, राज्य में 80 अरब अमेरिकी डॉलर के संयुक्त मूल्यांकन वाली 2,000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियाँ कार्यरत हैं। तेलंगाना भारत के दवा उत्पादन में लगभग 40% का योगदान देता है और दुनिया के एक-तिहाई टीकों की आपूर्ति करता है। मंत्री ने कहा, "एली लिली जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियाँ सहयोग के लिए तेलंगाना की ओर देख रही हैं। सरकार जीवन विज्ञान के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भविष्य की वैश्विक माँगों को पूरा कर सकें।" उन्होंने तेलंगाना जीवन विज्ञान विद्यालय की स्थापना की योजना की भी घोषणा की, जो उन्नत शिक्षा और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण के लिए एक विशेष केंद्र के रूप में कार्य करेगा। नए हस्ताक्षरित आशय पत्र के अंतर्गत, संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम, छात्र और संकाय आदान-प्रदान पहल और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की जाएँगी। आरएमआईटी विश्वविद्यालय और बिट्स हैदराबाद संयुक्त रूप से छात्रों और शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे, जिससे वे उभरते क्षेत्रों में विश्व स्तरीय शोध कर सकेंगे। उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप एक संयुक्त शैक्षणिक पाठ्यक्रम भी विकसित किया जाएगा ताकि भविष्य के लिए तैयार कुशल कार्यबल तैयार किया जा सके जो वैश्विक जीवन विज्ञान मूल्य श्रृंखला में योगदान दे सके। तेलंगाना जीवन विज्ञान फाउंडेशन की सीईओ डॉ. शक्ति नागप्पन और आरएमआईटी विश्वविद्यालय की उप-कुलपति प्रोफेसर कैथरीन इट्सियोपोलोस ने मंत्री श्रीधर बाबू की उपस्थिति में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रोफेसर कैथरीन इट्सियोपोलोस ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्य के साथ सहयोग करके हमें खुशी हो रही है। यह साझेदारी तेलंगाना को एक नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टीजीपीएससी अध्यक्ष ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी)बुर्रा वेंकटेशम ने नई दिल्ली उपराष्ट्रपति, सी. पी. राधाकृष्णन से भेंट की। बुर्रा वेंकटेशम ने इससे पहले तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति के साथ काम किया था। मुलाकात के दौरान, अध्यक्ष ने उपराष्ट्रपति को 19 और 20 दिसंबर 2025 को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने का हार्दिक निमंत्रण दिया। अध्यक्ष ने उपराष्ट्रपति को टीजीपीएससी के कामकाज में शुरू किए गए विभिन्न सुधारों और नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी, जिनका उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और गति बढ़ाना है। उपराष्ट्रपति ने हाल के घटनाक्रमों में गहरी रुचि दिखाई और योग्यता-आधारित एवं पारदर्शी भर्ती तंत्र को मजबूत करने के आयोग के प्रयासों की सराहना की।

संगारेड्डी में पुलिस कर्मियों के लिए व्यापक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

13 विषयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

संगारेड्डी, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और एनएमजे कैंसर इंस्टीट्यूट, हैदराबाद के सहयोग से बुधवार को पीएसआर गार्डन में एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में 13 विषयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पुलिसकर्मियों की स्वास्थ्य जांच की। इस अवसर पर 80 से अधिक डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और नर्सों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि पुलिस समाज और संविधान की रक्षा के लिए लगातार कार्य करती है, लेकिन शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए गए उनके त्याग को देखते हुए समाज का दायित्व है कि उनकी सेहत का ध्यान रखा जाए। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने कहा कि पुलिसिंग एक अत्यधिक चुनौतीपूर्ण पेशा है, इसलिए पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना जरूरी है। उन्होंने योग, ध्यान और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी। शिविर में जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर पी. प्रवीण्या, टीजीआईआईसी की अध्यक्ष निर्मला जग्गा रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मेडचल में मिनी बस की टक्कर से सहायक प्रोफेसर की मौत

ब्रेक फेल होने से हादसा, एक घायल

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात मेडचल के येल्लमपेट "एक्स' रोड पर एक मिनी बस की चपेट में आने से सहायक प्रोफेसर की मौत हो गई। बताया गया कि बस तेज रफ्तार में थी और नियंत्रण खो देने के बाद सड़क के बीच हिस्से से टकराई, फिर सामने से आ रहे तीन दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में मालोथु श्रीनिवास (35) नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

श्रीनिवास कामारेड्डी जिले के निवासी थे और मल्लारेड्डी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। वे कोमपल्ली में रहते थे और त्योहार के बाद अपने गृहनगर से हैदराबाद लौट रहे थे। ड्राइवर ने बताया कि दुर्घटना बस के ब्रेक फेल होने से हुई। मेडचल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहित दंपति ने एक महीने के भीतर की आत्महत्या

पत्नी ने दशहरा पर, पति ने दिवाली पर जीवन समाप्त किया

जगतियाल, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के इब्राहिमपटनम मंडल के एल्डांडी गांव में एक नवविवाहित दंपति ने शादी के मात्र एक महीने के भीतर आत्महत्या कर ली, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, अल्लेपु संतोष और गंगोत्री पिछले चार वर्षों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे और परिवारों की सहमति से 26 सितंबर को उनका विवाह हुआ था।

2 अक्टूबर को दशहरा के दिन संतोष अपने ससुराल भोजन के लिए गया था, जहां उसने मज़ाक में कहा कि मटन करी अधिक मसालेदार है। इस बात को गंगोत्री ने दिल पर ले लिया और उसी रात अपने मायके में फांसी लगाकर जान दे दी।

पत्नी की मौत से गहरे सदमे में डूबे संतोष ने गुमसुम रहना शुरू कर दिया था। बताया जाता है कि वह कुछ दिनों पहले अपनी बहन के घर आदिलाबाद चला गया था। मंगलवार को, जब घर के सदस्य बाहर गए हुए थे, उसने भी फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस हृदयविदारक घटना से परिवार और स्थानीय लोग गहरे शोक में हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने पिछड़ी जातियों के साथ विश्वासघात किया : मधुसूदन चारी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस. मधुसूदन चारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पिछड़ी जातियों के साथ विश्वासघात किया है और स्थानीय निकायों में 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के अपने वादे से मुकर गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद के मतदाताओं को गुमराह कर रही है और जुबली हिल्स उपचुनाव में जनता से इसे सबक सिखाने की अपील की।

बुधवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में मधुसूदन चारी ने कहा कि कांग्रेस ने पिछड़ी जातियों के लिए स्थानीय निकायों में 42 प्रतिशत आरक्षण और उनके कल्याण के लिए हर साल 20,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया था, लेकिन वह इसे पूरा करने में असफल रही। उन्होंने कहा कि बिना संविधान संशोधन के 42 प्रतिशत आरक्षण लागू नहीं किया जा सकता और इसके लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने की जरूरत है।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी गलत नीतियों के कारण निवेशक राज्य से पलायन कर रहे हैं और मात्र 23 महीनों में राज्य का सार्वजनिक ऋण 2.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है।

मधुसूदन चारी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर गुटबाजी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस को जुबली हिल्स में वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल को वोट मांगने से पहले अपनी उपलब्धियाँ जनता के सामने रखनी चाहिए। इस अवसर पर बीआरएस नेता जी. देवी प्रसाद, सुमित्रानन्द, बीआरएसवी अध्यक्ष गेलु श्रीनिवास यादव सहित अन्य नेता भी उपस्थित थे।

जुबली हिल्स उपचुनाव में सलमान खान का नामांकन खारिज

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए हैदराबाद यूथ करेज (एचवाईसी) के संस्थापक और अध्यक्ष सलमान खान का नामांकन बुधवार को उनके दस्तावेजों में पाई गई विसंगतियों के कारण खारिज कर दिया गया। सलमान खान ने चार सेट नामांकन पत्र दाखिल किए थे और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। अधिकारियों ने जांच के दौरान उनके कागजात में विसंगतियाँ पाई, जिसके कारण उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। सलमान खान पिछले तीन महीनों से जुबली हिल्स के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों का दौरा कर रहे थे और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे थे। उन्होंने हाल ही में कई जनसभाएँ और पदयात्राएँ भी आयोजित की थीं।

कांग्रेस मंत्रियों को हरीश राव पर व्यक्तिगत हमले से बचने की चेतावनी

बीआरएस नेता गदरी किशोर कुमार ने कहा-उकसाओ मत, हम भी जवाब दे सकते हैं

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व विधायक गदरी किशोर कुमार ने कांग्रेस के मंत्रियों अदलुरी लक्ष्मण और सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी को चेतावनी दी है कि वे पार्टी के वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव पर व्यक्तिगत हमले करने से बचें। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री पर कीचड़ उछालने से पहले कांग्रेस नेताओं को अपने शब्दों पर संयम रखना चाहिए।

किशोर कुमार ने कहा, हरीश राव ने सिर्फ़ कैबिनेट मामलों पर बात की थी, लेकिन कांग्रेस नेता निजी हमलों पर उतर आए हैं। हमें उकसाओ मत, हम भी सामूहिक रूप से जवाब दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के भीतर लगातार कलह और भ्रष्टाचार की स्थिति बनी हुई है।

उन्होंने डेक्कन सीमेंट्स मामले में कमीशनखोरी के आरोपों का ज़िक्र करते हुए कहा कि इस विवाद को सुलझाने के लिए खुद मुख्यमंत्री को दखल देना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी ने भी मुख्यमंत्री पर सत्ता का दुरुपयोग करने और अपने भाइयों को बंदूकधारी मुहैया कराने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए किशोर कुमार ने कहा कि अदलुरी लक्ष्मण पाँच बार चुनाव हारने के बाद भाग्यवश विधायक बने, जबकि चमाला किरण कुमार रेड्डी ज़ेडपीटीसी चुनाव में केवल 100 वोट ही हासिल कर सके। उन्होंने कहा, यह सरकार अलीबाबा और 40 चोरों वाली नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री और चार चोरों वाली है। इस अवसर पर पूर्व सांसद बदुगुला यादव, पूर्व विधायक रविंद्र कुमार और नोमुला भगत सहित कई बीआरएस नेता मौजूद थे।

राज्य भर में आरटीए चौकियों को तत्काल बंद करने का आदेश

एसीबी की छापेमारी में 4.18 लाख रुपये के रिश्वतखोरी रैकेट का खुलासा

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य भर में परिवहन विभाग की सभी आरटीए चौकियों को तत्काल बंद करने का आदेश दिया है। यह कदम भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा 18 और 19 अक्टूबर को की गई छापेमारी के बाद उठाया गया, जिसमें कई क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण केंद्रों पर 4.18 लाख रुपये के रिश्वतखोरी नेटवर्क का खुलासा हुआ।

एसीबी ने आदिलाबाद, कामारेड्डी, संगारेड्डी और खम्मम जिलों में उच्च यातायात वाले सीमावर्ती आरटीए केंद्रों पर छापेमारी की। खुफिया जानकारी के आधार पर, ट्रक चालकों और ट्रांसपोर्टरों से बड़े पैमाने पर अवैध वसूली की सूचना मिलने पर कार्रवाई की गई। आदिलाबाद जिले में वानकीडी, भोरज और भैंसा से लगभग 1.34 लाख रुपये बरामद किए गए।

एसीबी की जांच में सामने आया कि अधिकारी जुर्माने या ओवरलोड टैक्स की रसीद दिए बिना निजी एजेंटों के ज़रिए अवैध धन इकट्ठा कर रहे थे। कुछ मोटर वाहन निरीक्षकों और सहायक एमवीआई से मौके पर पूछताछ की गई है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सिकंदराबाद-हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेनें चलेंगी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने सिकंदराबाद और हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। एससीआर के अनुसार, सिकंदराबाद-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन (संख्या 07081) 28 अक्टूबर और 2 नवंबर को चलेगी, जबकि हजरत निजामुद्दीन-सिकंदराबाद विशेष ट्रेन (संख्या 07082) 30 अक्टूबर और 4 नवंबर को चलाई जाएगी। इन विशेष ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए एसी प्रथम, एसी द्वितीय, एसी तृतीय, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। रेलवे ने यात्रियों से अग्रिम बुकिंग कराने की अपील की है ताकि यात्रा के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Gayathri Guruswami, Spouse of No.14678326W, Hav, Thulasi Kumar P, Vill: Kannikapuram, Dist: Thiruvannamali, Tamil Nadu, changed my name from Gayathri Guruswami to Gayathri G vide Affidavit No. 282298 dt 17.10.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आज

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल की बैठक 23 अक्टूबर गुरुवार दोपहर 3 बजे सचिवालय में होगी। बैठक में पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण और स्थानीय निकाय चुनावों के कार्यक्रम सहित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले के मद्देनजर, राज्य सरकार ने इस मामले की जाँच के लिए एक कानूनी विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है, जिस पर मंत्रिमंडल आगे की कार्रवाई तय करने से पहले चर्चा करेगा।

हैदराबाद में बस्ती दवाखानों की गुणवत्ता पर सवाल

सेवाओं में गिरावट और कर्मचारियों को वेतन में देरी से मरीज़ों को परेशानी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी गरीबों को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से शुरू की गई बस्ती दवाखाना योजना की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। शहर भर में इन स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं की गुणवत्ता में गिरावट आने से अब यह योजना जांच के घेरे में है।

वरिष्ठ जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जिन सुविधाओं के तहत एक ही दिन में 134 तरह की नैदानिक जांचों के परिणाम और 108 बीमारियों के लिए दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती थीं, वे अब अधिकांश बस्ती दवाखानों में नियमित रूप से नहीं मिल पा रही हैं।

इसके अलावा, इन दवाखानों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी दो से तीन महीने की वेतन देरी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश योजनाएँ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत संचालित हैं, जिनमें 60 प्रतिशत धन केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राज्य सरकार देती है। दोनों हिस्सों के जारी होने में देरी से भुगतान प्रभावित हो रहा है। तेलंगाना यूनाइटेड मेडिकल एंड हेल्थ एम्प्लॉइज यूनियन के पदाधिकारी यदा नाइक ने बताया कि फिलहाल एनएचएम से जुड़ी योजनाओं के लिए पूरे राज्य में कम से कम दो महीने की वेतन देरी हो रही है।

इसके साथ ही, रविवार को दवाखाने बंद रहने के कारण शहरी गरीबों के लिए यह सेवाएं और भी दुर्गम हो गई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि बस्ती दवाखानों को प्रभावी बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी, आवश्यक दवाओं और अभिकर्मकों की उपलब्धता, नियमित रखरखाव और समय पर जांच रिपोर्ट मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने चेताया कि अगर इन खामियों को दूर नहीं किया गया, तो यह योजना अपने मूल उद्देश्य - शहरी गरीबों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा - से भटक जाएगी।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में अग्निशमन प्रक्रिया में चुनौतियाँ

नीचे लटके बिजली के तार और अवैज्ञानिक अवरोधक प्रक्रिया समय बढ़ा रहे हैं

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुराने और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आग लगने की सूचना पर तुरंत कार्रवाई करना अग्निशमन कर्मियों के लिए चुनौती बन गया है। मुख्य कारण सड़क पर नीचे लटके बिजली के तार, अवैज्ञानिक गति अवरोधक और वाहनों की बेतरतीब पार्किंग हैं, जो प्रतिक्रिया समय में देरी कर रहे हैं।

बुधवार को चंद्रायनगुट्टा अग्निशमन केंद्र को फलकनुमा के तीगलकुंटा स्थित एक घर में आग लगने की सूचना मिली। दमकल गाड़ी को घटनास्थल तक पहुंचने में नीचे लटके बिजली के तारों और भीड़भाड़ वाले मार्गों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मुगलपुरा केंद्र के ड्राइवर ने बताया कि कई बार दमकलकर्मी गाड़ी से उतरकर मार्ग को साफ़ करने में मदद करते हैं, जिससे प्रतिक्रिया समय में और देरी होती है। सहायक अग्निशमन अधिकारी पी. नागैया ने कहा कि अवैज्ञानिक गति अवरोधक और सड़क पर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग गंभीर समस्याएँ पैदा कर रही हैं। उन्होंने आग लगने की स्थिति में लोगों से सड़कें साफ़ रखने और वाहन उचित स्थान पर पार्क करने का आग्रह किया।

मैलारदेवपल्ली में स्कूल बस में आग लगने की घटना

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मैलारदेवपल्ली में बुधवार शाम एक निजी स्कूल की बस में आग लग गई। बस बच्चों को उतारकर लौट रही थी, तभी ड्राइवर ने गाड़ी से धुआँ उठते देखा और तुरंत वाहन से कूद गया। सूचना मिलने पर नजदीकी अग्निशमन केंद्र से दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। आग की घटना में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अग्निशमन अधिकारियों को शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है, हालांकि वे सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।

दबंगों ने युवकों को ट्रैक्टर से कुचला, तमंचा दिखाते हुए भागे; एक की हालत गंभीर

बिजनौर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बिजनौर में पैसों के लेन-देन के विवाद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दबंगों ने कुछ युवकों पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इस घटना में तीन युवक घायल हो गए, जिनमें एक की हाल गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना नूरपूर थाना क्षेत्र के अलीनगर पालनी गांव की है। अलीनगर पालनी गांव में दो पक्षों के बीच कुछ दिन पहले पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद के बाद तनाव काफी बढ़ गया था।

इसके बाद दिवाली की रात लगभग साढ़े दस बजे दोनों पक्ष एक-दूसरे को धमकाते हुए हाथापाई करने लगे। इसी बीच, दबंग चार युवक ट्रैक्टर पर सवार होकर तेज गति से आगे बढ़े और सड़क पर खड़े लोगों पर चढ़ा दिया। कुछ ग्रामीणों ने ट्रैक्टर रोकने की कोशिश की, लेकिन दबंग युवकों ने किसी की बात नहीं सुनी और तमंचा भी लहराया। घटना में तीन युवक घायल हो गए।

आईआरसीटीसी घोटाला: बिहार चुनाव के बीच लालू परिवार की बढ़ीं मुश्किलें

सीबीआई अदालत को सौंपी एक दर्जन गवाहों की सूची

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में फिर एक बार लालू परिवार की मुश्किलें गहराती दिख रही हैं। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत को करीब एक दर्जन गवाहों की सूची सौंपी है। ये सभी गवाह पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ उनकी कथित संलिप्तता पर बयान देंगे। सीबीआई ने इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। इसी दिन से इस मामले में ट्रायल की औपचारिक शुरुआत होगी।

सीबीआई का नया कदम, तेजी से पूरी करना चाहती है गवाही

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई इन गवाहों की गवाही को "तेजी से और बिना किसी देरी" के पूरा करने की योजना बना रही है। एजेंसी का इरादा है कि पहले चरण में पेश किए गए गवाहों की गवाही पूरी होने के बाद कुछ और साक्ष्य और गवाह कोर्ट के सामने रखे जाएं, जिससे लालू परिवार के खिलाफ आरोपों को और मजबूत किया जा सके।

हाल ही में तय हुए आरोप

इस महीने की शुरुआत में ही सीबीआई अदालत ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय किए थे। अदालत ने लालू पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य अपराधों के तहत आरोप तय किए, जबकि राबड़ी और तेजस्वी पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी में भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया। हालांकि तीनों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे पूरी ईमानदारी के साथ मुकदमे का सामना करेंगे।

अदालत ने कहा- लालू को थी पूरी जानकारी

13 अक्टूबर को आरोप तय करते समय विशेष सीबीआई जज विशाल गोगने ने अपने आदेश में लिखा कि "लालू प्रसाद को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया।" जज ने कहा कि निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव जानबूझकर किए गए, ताकि कुछ पक्षों को फायदा पहुंचे। अपने 244 पन्नों के आदेश में न्यायाधीश ने लिखा कि "यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि बिक्री के दौरान ज़मीन का मूल्यांकन जानबूझकर कम किया गया और बाद में यह संपत्तियां लालू प्रसाद के प्रभाव में आ गईं।" अदालत ने इस मामले में "मिलीभगत और आपराधिक षड्यंत्र" के पहलू को भी चिह्नित किया।

क्या है आईआरसीटीसी होटल घोटाला?

सीबीआई के अनुसार, लालू प्रसाद यादव पर आरोप है कि रेल मंत्री रहते हुए उन्होंने आईआरसीटीसी के बीएनआर होटलों की निविदा प्रक्रिया में हेरफेर की। आरोप है कि उन्होंने कोचर बंधुओं विजय और विनय कोचर (मालिक, सुजाता होटल प्रा। लि।) को ठेका दिलाने में अनुचित लाभ पहुंचाया। जिसके बदले में कोचर ने पटना की एक प्रमुख जमीन लालू के करीबी प्रेम चंद गुप्ता की कंपनी को बेच दी। बाद में यह कंपनी लालू परिवार के नियंत्रण में आ गई और वह कीमती जमीन नाम मात्र कीमत पर यादव परिवार को हस्तांतरित कर दी गई।

चिराग पासवान इस बार चूक गए

अगली बार सीएम की कुर्सी पर ठोकेंगे दावा? खुद दिए ये संकेत

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के घटक दलों में से एक लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने वर्ष 2030 के चुनाव के लिए अपनी रणनीति पर संकेत दिए हैं। पासवान ने बिना कोई जिक्र किए संकेतों में अपनी बात कही है कि जो आने वाले वक्त में बिहार की सियासत का रुख तय कर सकती है। दरअसल, चिराग पासवान ने बीते दिनों एक साक्षात्कार में पूछा गया कि युवा सीएम भी होने चाहिया। आप भी सीएम के दावेदार होने चाहिए।

कुछ ऐसा है? इस पर पासवान ने कहा कि कौन सी पार्टी नहीं चाहती? हर दल चाहता है कि उनका नेता सर्वोच्च पद पे जाए। मैंने खुद हमेशा इस बात की इच्छा रखी कि मैं अपने पिता को प्रदेश का मुख्यमंत्री, देश का प्रधानमंत्री बनता हुआ देखूं। तो ये इच्छा स्वाभाविक है हर दल के अपने नेता के प्रति होती है। पर मुझे लगता है कि सही समय पर सही बातों की चर्चा हो तो उसके मायने होते हैं। पासवान ने कहा कि आज की तारीख में जब हम लोग इसकी चर्चा कर रहे हैं तो कतई इसके कोई मायने नहीं है जब इस बात को गठबंधन के तमाम सहयोगियों के द्वारा पहले से ही स्पष्ट कर दिया गया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही हम लोग चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

तेजस्वी ने कहा-जीविका और संविदा कर्मियों दिया जाएगा सरकारी कर्मी का दर्जा

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पोलो रोड स्थित अपने आवास पर प्रेस वार्ता की। आगामी चुनाव को देखते हुए उन्होंने दो बड़ी घोषणा की। कहा कि बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बना लिया है। लोग गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी से परेशान हैं। हमलोगों ने जो संकल्प लिया था, जो घोषणाएं की, नीतीश सरकार ने उसकी भी नकल की। आज हमलोग बिहारवासियों को लिए दो बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं। महागठबंधन की सरकार बनते ही इसे लागू करेंगे। तेजस्वी यादव जो कहता है, वह करता है। क्योंकि पिछले चुनाव के वक्त हमने जो बातें कहीं, उसे 17 महीने के कार्यकाल के दौरान पूरा कर दिया।

तेजस्वी यादव ने जीविका दीदियों के लिए बड़ी घोषणा की है। कहा कि जीविका दीदियों का आज तक शोषण हुआ। उनके साथ अन्याय हुआ लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। हमारी सरकार बनते ही उन्हें सरकारी कर्मी का दर्जा दिया जाएगा। उनका शुरुआती वेतन 30 हजार रुपये होगा। उन्हें दो हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त कामों को लिए भत्ता दिया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने जो ऋण लिए हैं, उसे भी ब्याज मुक्त कर दिया जाएगा। साथ ही उन्हें दो साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। इसके अलावा उनका पांच लाख तक का बीमा भी करवाया जाएगा।

संविदा कर्मियों के लिए बड़ा एलान

इसके अलावा तेजस्वी यादव ने संविदा कर्मियों के लिए भी बड़ी घोषणाएं की। कहा कि उर्मिला और बेल्ट्रॉन के माध्यम से सरकार दो लाख से अधिक संविदाकर्मी से काम लेगी। उनके लिए हमारी घोषणा यह है कि बिहार में कार्यरत सभी संविदाकर्मियों को स्थायी किया जाएगा। अब उनका शोषण नहीं होगा। उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तनाव से मुक्ति दिलाने का काम किया जाएगा। ऐसा इसलिए होता है कि संविदाकर्मियों का सारा पैसा कमीशनखोरी में चला जाता है। सरकार इन संविदाकर्मियों का 18 फीसदी जीएसटी भी काटकर उन्हें वेतन देती है। इससे अच्छा उन्हें सरकारी नौकरी ही क्यों नहीं दे देती है।

एमएए योजना लाने का भी किया एलान

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग पहले ही माई-बहिन मान योजना की घोषणा कर चुके हैं। अब हमलोग मां योजना लाने जा रहे हैं। तेजस्वी ने एमएए का मतलब समझाते हुए कहा कि एम का मतलब मकान, एक का मतलब अन्न, और ए का मतलब आमदनी। बिहार की हर माताओं और बहनों को यह तीनों चीजें उपलब्ध करवाई जाएंगी। सरकार बनते ही हमलोग इसे लागू करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि इससे पहले हमलोगों ने नियोजित शिक्षकों को स्थायी करने की बात कही थी। तो उस वक्त के डिप्टी सीएम दिवंगत सुशील मोदी ने कहा था कि ऐसा संभव नहीं है। लेकिन, हमलोगों ने संभव कर दिखाया। नियोजित शिक्षकों को सरकारी कर्मी का दर्जा दिया। अब हमलोगों यह घोषणा की है कि राज्य के जितने संविदाकर्मी हैं, उन्हें स्थायी किया जाएगा। तेजस्वी यादव जो कहता है कि वह करता है।

तेजस्वी यादव केवल बिहार नहीं चलाएगा, बल्कि राज्य के हर एक परिवार सरकार का हिस्सा बनकर शासन चलाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने पहले भी कहा कि जिन परिवारों में एक भी सरकारी नौकरी नहीं है, उन परिवारों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। हमलोगों सरकार बनने के 20 दिन के अंदर कानून बनाएंगे। और 20 महीने के अंदर हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देंगे।

इस बार 143 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है राजद

बता दें कि इस बार चुनाव में राजद ने 143 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव वैशाली जिले की राघोपुर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। राघोपुर सीट तेजस्वी यादव का पारंपरिक गढ़ मानी जाती है।

2020 के विधानसभा में तेजस्वी यादव से जीते थे। वहीं राजद ने पूर्व मंत्री और महुआ से पहले बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे तेज प्रताप यादव की जगह इस बार मुकेश रोशन को टिकट दिया गया है। इसके अलावा 24 महिलाओं को भी टिकट दिया गया है। राजद ने अपने वोट बैंक का भी बखूबी ख्याल रखा। इस बार 50 यादव, 18 मुस्लिम को टिकट दिया गया है सूची में कई नए चेहरों के साथ वरिष्ठ नेताओं को भी मौका दिया गया है।

लखनऊ में इंसानियत शर्मसार

दलित बुजुर्ग को पेशाब चटवाई, सामने आई वजह

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में दलित बुजुर्ग के साथ अमानवीयता हुई है। बुजुर्ग को पेशाब चटवाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। इस घटना से स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। काकोरी में एक दलित बुजुर्ग शख्स के साथ बदसलूकी की गई है। शख्स की पहचान रामपाल के रूप में हुई है।

दरअसल बुजुर्ग ने मंदिर परिसर में बीमारी की वजह से पेशाब कर दी थी। इसके बाद बुजुर्ग से पेशाब चटवाई गई। बुजुर्ग रामपाल ने थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज करवाई है। काकोरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मामला काकोरी के शीतला देवी मंदिर का है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने पीड़ित को जाति सूचक शब्दों में गालियां भी दी हैं। इस मामले का भी वीडियो सामने आया था, जिसे देखकर जनता में आक्रोश फैल गया था। ये घटना अलवर गेट थाना क्षेत्र के मदार स्थित इंदिरा नगर की थी। इस घटना में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था।

कोयले से भरी मालगाड़ी डिरेल,12 डिब्बे पटरी से उतरे

आगरा-दिल्ली रेलवे ट्रैक हुआ बाधित

मथुरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर रात एक बड़ा हादसा हो गया। यहां कोयले से भरी मालगाड़ी के 12 डिब्बे अचानक पटरी से उतरकर पलट गए। हादसे के बाद दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई है। मालगाड़ी कोयला लेकर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। हालांकि, देर रात 12 बजे तक दिल्ली-मुंबई रेलवे मार्ग पर यातायात बाधित रहा। यह घटना थाना वृंदावन क्षेत्र के अंतर्गत आझई स्टेशन के पास, छटीकरा और आझई के बीच हुई। जानकारी के अनुसार, कोयले से लदी मालगाड़ी आगरा से दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान पोल संख्या 1408 के पास अचानक ट्रेन के कई डिब्बे डिरेल हो गए। हादसे के तुरंत बाद रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। ट्रैक को दुरुस्त करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है।

हादसे के कारण कई यात्री ट्रेनों को रोकना पड़ा है, जिससे रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने कहा, 'प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 12 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं, जिससे डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन बाधित हुई है।' मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरने की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। रेलवे अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। यह भी सामने आया है कि इसी पॉइंट पर पहले भी दो बार मालगाड़ी डिरेल हो चुकी है, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हादसे के बाद आगरा-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई है। कई यात्री ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर रोक दी गई हैं। रेल विभाग ट्रैक को जल्द से जल्द चालू करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा हुआ है।

सीएम योगी ने की गोरखनाथ मंदिर में गोवर्धन पूजा गायों को खिलाया गुड़ चना; कही ये बात

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोवर्धन पूजा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और गौ-सेवा की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दीपोत्सव के पंचदिवसीय महापर्वों की श्रृंखला में आज पावन गोवर्धन पूजा है। भारत की कृषि प्रधान व्यवस्था का प्रतीक गोवर्धन पूजा का यह कार्यक्रम रहा। मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई देता हूं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में गौ और गौवंश का महत्व क्या है, गोवर्धन पूजा इस बात का प्रतीक है और दीपावली जैसे महापर्व के साथ इस आयोजन को जोड़कर इसके महत्व को और भी प्रभावी बनाया गया है।

ये मेरा सौभाग्य है कि आज सुबह मुझे गौ पूजन और गौ सेवा करने का अवसर यहां प्राप्त हुआ है। भारत की समृद्धि का आधार भारतीय गौवंश रहा है। आज भी प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश में गोवर्धन योजना के अंतर्गत गाय के गोबर से बायो कंपोस्ट और इथेनॉल बनाने के जो अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं, यह गौवंश के संवर्धन और उनके संरक्षण में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

उमाशंकर दुबे हत्याकांड

एक आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, दूसरे को भागते समय दबोचा गया

सुल्तानपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उमाशंकर दुबे हत्याकांड के एक आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है जबकि दूसरे को भागते समय अरेस्ट किया गया है। अखंडनगर थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के दौरान आरोपी विवेक उर्फ पिल्लू के पैर में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ कादीपुर विनय गौतम ने बताया कि अखंडनगर थाने में पंजीकृत हत्या के मामले में नामजद विवेक उर्फ पिल्लू और आशीष निवासी खुशामदपुर को नगरी अंडरपास से कल्याणपुर अंडरपास जाने वाले एक्सप्रेस-वे के सर्विस लेन पर मोकलपुर तिराहा के कच्चे मार्ग पर बुधवार सुबह गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में विवेक के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इसके अलावा आशीष को मौके से भागते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया।

मृतक के बेटे दिलीप दुबे ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके पिता उमाशंकर दुबे दोपहर करीब 1 बजे गांव के दक्षिण में नदी के पास भैंस चरा रहे थे तभी उन्होंने देखा कि खुशामदपुर निवासी आशीष और विवेक उर्फ पुल्ली को कुछ लोग दौड़ाकर पीट रहे थे। उमाशंकर दुबे ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया था। झगड़ा शांत होने के लगभग दो घंटे बाद, विवेक और आशीष अपने कुछ साथियों के साथ वापस आए। उन्होंने उमाशंकर दुबे पर लाठी-डंडों और बेल्ट से हमला कर दिया। बताया गया है कि हमलावरों के हाथों में अवैध असलहे भी थे।

रईसजादे रचित की जैगुआर कार ने सात लोगों को रौंदा, एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत

प्रयागराज, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के राजरूपपुर में दिवाली की खरीदारी कर रहे लोगों पर तेज रफ्तार जैगुआर कार मौत बनकर दौड़ी। इस हादसे में 6 लोग गंभीर से घायल हो गए। वहीं एक 55 साल के व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। अब इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है जिसमें कार की बेलगाम रफ्तार और लोगों को रौंदने का पूरा मंजर कैद हुआ है।

इस वीडियो में ये भी साफ नजर आ रहा है कि कैसे एक बाइक पर बैठा युवक कार से टक्कर लगने पर छिटक कर दूर जा गिर जाता है। बता दें कि इस हादसे में जैगुआर कार चालक रचित मध्यान को भी चोट आई थी। हालांकि अब इलाज के बाद पुलिस ने रचित मध्यान को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर में हुए इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि तेज रफ्तार जैगुआर कार पहले अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ती है।इसके तुरंत बाद कार सड़क किनारे खड़े एक बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मारती है। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक छिटक कर दूर जा गिरा।

इस भयानक हादसे में 55 साल के इलेक्ट्रीशियन प्रदीप पटेल की मौके पर ही मौत हो गई थी। अनियंत्रित जैगुआर कार ने दो कार, दो बाइक और एक स्कूटी समेत कुल छह लोगों को घायल कर दिया था। पुलिस ने बताया कि कार चालक रचित मध्यान शहर के प्रसिद्ध कामधेनु स्वीट्स कारोबारी परिवार से आता है।

कौन हैं रमा निषाद, जिन्हें जनसभा के दौरान सीएम नीतीश ने पहनाई माला

मुजफ्फरपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में नामांकन दाखिल करने के बाद अब चुनाव रैलियों का दौर शुरू हो गया है। मुजफ्फरपुर में एक रैली के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से एनडीए प्रत्याशी रमा निषाद को माला देने की जगह माला पहना देने की घटना की राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए कहा भी नीतीश के हेल्थ पर फिर से सवाल खड़ा किया है।

जिस महिला प्रत्याशी को नीतीश ने माला पहना दिया वो एक रसूखदार राजनीतिक परिवार से नाता रखती हैं और कुछ दिन पहले ही बीजेपी में शामिल हुई हैं। महिला प्रत्याशी को माला पहनाए जाने को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने एक्स हैंडल पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, "वह सच में अजीब व्यक्ति हैं। अगर वह पूरी तरह स्वस्थ हैं, तो फिर लिखी हुई पर्ची के जरिए भाषण क्यों पढ़ रहे हैं। वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं?" हालांकि पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने इस घटना पर कहा, "क्या हम बेटियों को माला नहीं पहनाते?"

क्या हम देवियों को माला नहीं पहनाते? इसे मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है? अगर नीतीश कुमार ऐसा कर रहे हैं, तो इसमें क्या समस्या है? संजय झा पागल हो गए हैं।" भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बिहार चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में रमा निषाद को टिकट दिया था।

बीजेपी ने मुजफ्फरपुर के औराई विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक रामसूरत राय का टिकट काट दिया और रमा निषाद को मैदान में उतरने का मौका दिया। रामसूरत राय जो यादव समाज से नाता रखते हैं, उनकी जगह पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रामा निषाद को एनडीए से औराई सीट से उम्मीदवार बनाया गया।

मिशन 2027: बसपा में बड़ा बदलाव मुनकाद अली को हटाकर दो नेताओं को बनाया गया मेरठ का मुख्य मंडल प्रभारी

मेरठ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में सभी दल जुट गए हैं। इसी कड़ी में बसपा ने पार्टी के भीतर बड़े फेरबदल किए गए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर मंडलों के मुख्य प्रभारियों के दायित्वों में बदलाव किया गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी पद से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर अमरोहा के जाफर अली और विक्रम सिंह जाटव को नियुक्त किया गया है।

यह फेरबदल दीपावली के दिन किया गया है। पश्चिम क्षेत्र के पूर्व मुख्य प्रभारी शमसुद्दीन राइन को बरेली मंडल का मुख्य प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस ने सबको बांटा टिकट, मगर 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के बेटे को क्यों छोड़ा बाहर? नाराज हुए भागीरथ

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए कांग्रेस द्वारा टिकट नहीं दिए जाने पर 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी ने एएनआई से बातचीत में अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांग्रेस से चुनाव लड़ने की पूरी उम्मीद जताई थी, लेकिन पार्टी ने उन्हें किसी भी सीट से चुनाव लड़ने का अवसर नहीं दिया। भागीरथ मांझी ने बताया कि वे दिल्ली में चार दिन तक रहे और सभी जरूरी कागजात जमा किए, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि मैंने राहुल गांधी से टिकट की मांग की थी। उन्होंने कहा कि टिकट दिया जाएगा। मुझे पूरी उम्मीद थी कि मुझे टिकट मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सभी नेताओं को टिकट बांट दिया गया, लेकिन मुझे टिकट नहीं मिला।

राहुल गांधी के कहने के बाद भी नहीं मिला टिकट

भागीरथ मांझी ने आगे बताया कि उन्होंने राहुल गांधी के साथ बैठक की और चुनाव लड़ने की इच्छा जताई। भागीरथ मांझी ने कहा कि हम दोनों साथ में बैठे और मैंने उनसे कहा कि मुझे चुनाव लड़ने का अवसर दीजिए। राहुल गांधी ने कहा कि आपको टिकट दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि राहुल गांधी उनके घर आए, उनके साथ बैठक और भोजन किया। इसके बाद राहुल गांधी उन्हें लेकर पटना चले गए और वहां एक कार्यक्रम के बाद कहा कि वो गया जा रहे हैं आप अपने घर लौट जाएं।

राहुल गांधी ने भागीरथ मांझी का बनवाया घर

भागीरथ मांझी ने यह भी स्पष्ट किया कि घर बनाने के लिए जो सामग्री भेजी गई, उसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने घर बनवाया और घर की चाबी उन्हें गया में एक कार्यक्रम के दौरान दी गई। उन्होंने उस समय राहुल गांधी को दोहराया कि टिकट की चर्चा पटना में हुई थी और उस समय उन्हें आश्वासन मिला था कि उन्हें चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। तभी भी राहुल गांधी ने कहा था कि हां टिकत मिलेगा। भागीरथ मांझी ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस से उम्मीद थी, लेकिन टिकट नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं को साधने के लिए मुझे टिकट नहीं दिया गया है।

क्या किसी अन्य विकल्प पर विचार करेंगे भागीरथ

इस बयान से यह साफ हो गया है कि कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर कुछ नेताओं में निराशा और सवाल उठ रहे हैं। भागीरथ मांझी ने कहा कि उन्होंने पूरी प्रक्रिया में सभी जरूरी कदम उठाए, लेकिन पार्टी ने उन्हें चुनावी मैदान में मौका नहीं दिया। अब यह देखना होगा कि भविष्य में भागीरथ मांझी किस दिशा में राजनीतिक कदम बढ़ाते हैं और क्या वे किसी अन्य विकल्प पर विचार करेंगे।

दो सगे भाइयों की हत्या के बाद मचा बवाल

परिजनों ने किया एनएच 43 पर चक्का जाम इंसाफ की गुहार

शहडोल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहडोल जिले के केशवाही थाना क्षेत्र के बलबहरा गांव में रात जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

बताया जा रहा है कि यह हत्या पुरानी रंजिश और जमीन के विवाद के कारण की गई है। घटना के बाद से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, मृतक भाई राकेश उर्फ सोनू तिवारी और राहुल तिवारी अपनी ऑटो पार्ट्स की दुकान पर दीप जलाने पहुंचे थे। तभी गांव के करीब एक दर्जन आरोपी पीछे से दुकान में घुस आए और धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से हमला कर दोनों को बुरी तरह पीट दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को स्थानीय लोग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने राकेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि राहुल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बुधवार को बुढार हाईवे पर दो भाइयों की हत्या के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे-43 पर चक्का जाम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मौके पर जिलाधिकारी (डीएम) को बुलाया जाए, ताकि वे सीधे उनसे बात कर सकें। विरोध के चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों से मिली हुई है, इसलिए वे किसी पुलिस अधिकारी से बात नहीं करेंगे। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

1993 बम धमाकों के दोषी के लिए दया की मांग

बीजेपी नेता ने सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र, वजह भी बताई

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और दिल्ली के पूर्व विधायक आरपी सिंह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर एक अहम मामला उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर 1993 के दिल्ली बम धमाकों के दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर के मामले में दोबारा समीक्षा करने की मांग की है।

आरपी सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि भुल्लर की मानसिक हालत अब बहुत खराब है। वह न तो किसी को पहचानते हैं और ना ही किसी से बात करते हैं। पिछले कई साल से वे मानसिक रोग 'सिज़ोफ्रेनिया' से पीड़ित हैं और पंजाब के अमृतसर मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग में इलाज करा रहे हैं।

कोर्ट का आदेश- सेंटेंस रिव्यू बोर्ड के सामने रखा जाए भुल्लर का केस

आरपी सिंह का कहना है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में 15 अक्टूबर 2025 को आदेश दिया है कि भुल्लर के मामले को सेंटेंस रिव्यू बोर्ड (एसआरबी) के सामने दोबारा रखा जाए और उस पर विचार करने के बाद अदालत में रिपोर्ट पेश की जाए। आरपी सिंह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील की है कि इस आदेश का पालन करते हुए भुल्लर के मामले को जल्द से जल्द एसआरबी की अगली बैठक में रखा जाए।

आरपी सिंह ने अपने पत्र में यह भी याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही मानवीय आधार पर भुल्लर की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल चुका है। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय से जेल और अस्पताल में रहते-रहते उनकी हालत बहुत बिगड़ चुकी है, इसलिए अब उनके प्रति दया और संवेदना दिखाई जानी चाहिए।

मौत की सजा को 13 साल बाद उम्रकैद में बदला गया

गौरतलब है कि दविंदर पाल सिंह भुल्लर को 1993 में दिल्ली में हुए बम धमाकों के लिए दोषी ठहराया गया था, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। वह उस समय खालिस्तान लिबरेशन फोर्स से जुड़े हुए थे। 2001 में दिल्ली की विशेष अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी, जिसे 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया।

बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि यह समय न्याय से ज्यादा मानवीय संवेदना दिखाने का है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस दिशा में जल्द कदम उठाएंगी ताकि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन हो और एक गंभीर रूप से बीमार कैदी को राहत मिल सके।

शुभ मुहूर्त में शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम मंदिर के कपाट, उमड़े श्रद्धालु

उत्तरकाशी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा अब समापन की ओर है। आज 11.30 बजे गंगोत्री में मां गंगा मंदिर के कपाट शीतकालीन के लिए बंद कर दिए गए हैं। कपाट बंद होने पर धाम मां गंगा के जयकारों से गूंज उठा। मां गंगा के स्वागत के लिए मुखबा भी तैयार है। मंदिर को भव्य रूप से सजा दिया गया है। कपाट बंद होने के बाद अब यहीं मां गंगा के दर्शन होंगे। वहीं, भैयादूज पर 23 अक्तूबर को यमुनोत्री में मां यमुना मंदिर के कपाट 12.30 बजे शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इसके बाद मां यमुना की उत्सव मूर्ति के दर्शन खरसाली गांव में होंगे।

बता दें कि कार्तिक माह की अन्नकूट (गोवर्धन पूजा) के दिन मां गंगा की उत्सव डोली अपने शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना होगी। यात्रा से जुड़े कारोबारी आशीष सेमवाल, विनय उनियाल ने बताया कि सर्दियों में भी यमुना व गंगा के शीतकालीन पड़ाव वाले खरसाली और मुखबा गांव तक यात्रा चालू रखकर देश-विदेश के तीर्थयात्रियों को यहां आकर्षित किया जा सकता है। उस दौरान तीर्थयात्री व पर्यटक यमुना और गंगा की पूजा-अर्चना करने के साथ ही बर्फबारी का नजारा भी देख सकेंगे। इस यात्राकाल में दोनों धामों में 1402128 तीर्थयात्रियों का आगमन हुआ है। जिनमें यमुनोत्री धाम में आने वाले 644366 और गंगोत्री धाम में आने वाले 757762 तीर्थयात्री शामिल हैं।

अस्पताल के औचक दौरे में 12 में से 10 डॉक्टर पाए गए गैरहाजिर

नाराज स्वास्थ्य मंत्री इटू ने दी कडी चेतावनी

श्रीनगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने डॉक्टरों को चेतावनी दी कि अगर वे अपनी ड्यूटी से भागते पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में ड्यूटी रोस्टर दशकों पुराने गठजोड़ का प्रमाण हैं, जो तर्कहीन हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए इनमें सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने पोस्टिंग सिस्टम और ड्यूटी आवंटन को अस्पतालों में दशकों पुराने गठजोड़ का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, कई डॉक्टर 15 सालों से एक ही जगह पर तैनात हैं और पास में ही उनका एक निजी क्लिनिक है, जहां वे अस्पताल की ड्यूटी से बचते हुए नियमित रूप से जाते हैं।

मंत्री ने यह बयान एसडीएच पट्टन के अपने औचक निरीक्षण के बाद दिया, जहां 12 डॉक्टरों में से केवल दो ही ड्यूटी पर पाए गए। उन्होंने रोस्टर सिस्टम की आलोचना की, जहाँ 10 डॉक्टर आराम पर हैं और केवल दो ही ड्यूटी पर हैं। उन्होंने पूछा, जिन लोगों के लिए हमने उस अस्पताल में 12 डॉक्टर तैनात किए हैं, उनके लिए केवल दो डॉक्टर क्यों हैं? इटू ने कहा कि घाटी में स्वास्थ्य सेवाओं पर डॉक्टरों की वास्तविक कमी से ज़्यादा अतार्किक रोस्टरों का असर है।

वरिष्ठ डॉक्टरों सहित सभी हर समय मौजूद रहें

मंत्री ने कहा कि अस्पतालों को ड्यूटी रोस्टर में संशोधन करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, 'हर अस्पताल प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि वरिष्ठ डॉक्टरों सहित सभी डॉक्टर हर समय मौजूद रहें। उनहोंने कहा, मैंने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को रोस्टर प्रणाली की समीक्षा करने का निर्देश पहले ही दे दिया है। उन्होंने कहा, मैंने कई निरीक्षणों के दौरान देखा है कि डॉक्टर पर्याप्त संख्या में मौजूद नहीं होते हैं और वरिष्ठ डॉक्टर रात में मुश्किल से ही उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से तृतीयक देखभाल अस्पतालों में रेफर किए जाने का मुख्य कारण रात में कर्मचारियों की अनुपस्थिति है।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस एनसी के रिश्तों में तनाव

राज्यसभा सीटों को लेकर बढ़ी सियासी खींचतान

जम्मू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर की सियासत अब एक नए मोड़ में पहुंच गयी है। जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच गतिरोध या तो बढ़ सकता है या फिर सभी आशंकाओं पर पूर्णतः विराम लग सकता है। इसीलिए कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने विधायकों की संयुक्त बैठक से पहले बुधवार को कांग्रेस विधायकों की बैठक बुलाई इंडिया गठबंधन की बैठक 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनावों को लेकर श्रीनगर के होटल रेडिसन में होनी है।

जिसके अध्यक्षता डॉ फारुक अब्दुल्ला करेंगे। नॅशनल कांफ्रेस के एक सीनियर नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि बैठक हो रही है, लेकिन सत्र शुरू होने से पहले या उसके बाद किसी विवादास्पद मुद्दे पर बयान देने की संभावना कम है। पार्टी को उम्मीद है कि सत्र और मतदान से पहले सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नॅशनल कांफ्रेंस के बीच राज्यसभा की चार सीटों और विधानसभा उपचुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर तनाव चरम पर है। कांग्रेस ने एनसी पर 'सुरक्षित सीट' न देने का आरोप लगाते हुए राज्यसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कर्रा ने 12 अक्टूबर को कोर कमेटी की बैठक के बाद कहा था कि कांग्रेस आलाकमान ने दो अलग-अलग अधिसूचना वाली सीटों में से एक मांगी थी, लेकिन कांफ्रेंस ने सामान्य अधिसूचना वाली सीट ऑफर की, जो सुरक्षित नहीं है।

25 साल पहले सूरत एयरपोर्ट के लिए दी थी जमीन

अटक गया था मुआवजा. आज के बाजार रेट पर मिलेगा कई गुना पैसा

सूरत, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 25 साल पहले एक गांव की जमीन अधिग्रहित की गई थी, लेकिन उस समय जमीनों का मुआवजा जमीन के मालिकों को नहीं दिया गया था, लेकिन अब इन जमीनों के मुआवजे का मामला सुलझ गया है और सालों से अटकी फाइलों पर सरकार ने मुहर लगा दी है। सूरत एयरपोर्ट विस्तार के लिए 25 साल पहले आभवा गांव के किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई थी।

अब सूरत कलेक्टर के कार्यालय की ओर से आभवा गांव के जमीन मालिकों को मुआवजा देने के आदेश जारी किए हैं। ये जमीन एयरपोर्ट रनवे एक्सटेंशन प्रोजेक्ट के लिए सालों पहले ली गई थी। अब राजस्व विभाग ने 24 सितंबर 2025 की एंट्री नंबर 5805 के अंतर्गत आदेश जारी कर उन जमीन मालिकों को मुआवजा देने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। 25 साल पहले कुल 27,880 वर्ग मीटर यानी लगभग 2.78 हेक्टेयर जमीन से जुड़े 14 सर्वे नंबर इसमें शामिल हैं। यह जमीन एयरपोर्ट क्षेत्र के निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी, जिसे निर्माण के लिए जरूरी बताया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को यह जमीन कई साल पहले दी जा चुकी थी, लेकिन लीगल फॉर्मेलिटी पूरी न होने की चलते ये मामला अटका रहा।

अब इन जमीन मालिकों को 2013 के नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत मुआवजा दिया जाएगा। इस कानून के मुताबिक मुआवजा बाजार दर मूल्यांकन पर तय किया जाएगा। इसके साथ ही 100 प्रतिशत अतिरिक्त राहत राशि (सोलैटियम) और पुनर्वास के लाभ भी मिलेंगे। इससे किसानों को फायदा होगा।

क्योंकि 25 साल पहले उनकी जमीन की जो कीमत थी। उन्हें इसके नहीं बल्कि अब जो उनकी जमीन की कीमत है। उसके मुताबिक मुआवजे की रकम दी जाएगी। इस सरकार की देरी अब जमीन मालिकों के लिए फायदेमंद साबित होगी। सालों से कोर्ट और सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे लोगों को आखिरकार अब राहत मिली है। हालांकि, इससे सरकार पर करोड़ों रुपये बोझ पड़ेगा।

द्वारका में पुलिस मुठभेड़

बिंदापुर हत्याकांड का वांछित आरोपी घायल; अत्याधुनिक पिस्टल और कई जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। द्वारका में बीती रात एक सनसनीखेज पुलिस मुठभेड़ में बिंदापुर हत्याकांड का वांछित आरोपी ऋतिक उर्फ ऋषभ उर्फ डांसर गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर की सुबह, एंटी नारकोटिक्स टीम द्वारका को सूचना मिली थी कि फरार आरोपी सेक्टर-3, द्वारका इलाके में आने वाला है।

सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सुभाष चंद और इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम जैसे ही आरोपी को पकड़ने पहुंची, ऋतिक ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। उसे तुरंत इलाज के लिए इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस मुठभेड़ में इंस्पेक्टर सुभाष चंद भी घायल हो गए। उन्हें बाएं हाथ में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें तुरंत वेंकटेश्वर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मौके से पुलिस ने एक अत्याधुनिक पिस्टल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

अकील की डायरी में छिपी है डेथ मिस्ट्री? बेटे की मौत पर पूर्व डीजीपी ने किए खुलासे

पंचकूला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला में पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और पूर्व मंत्री रजिया सुल्ताना के बेटे अकील अख्तर की मौत की गुत्थी सुलझने का नाम ही नहीं ले रही है। इस मामले में जहां पहले मौत की वजह दवा का ओवरडोज सामने आया। वहीं, अकील के एक वीडियो से संकेत मिले कि उसकी मौत के लिए उसके पिता यानी मोहम्मद मुस्तफा, उसकी मां यानी रजिया सुल्ताना, बेटी और बहू जिम्मेदार हैं। इस बाबत पंचकूला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, इसके बाद अकील का एक और वीडियो जारी हुआ।

इस वीडियो में अकील ने सभी को निर्दोष बताया। तकरीबन तीन मिनट की इस वायरल वीडियो में अकील अपने परिवार को क्लीन चिट देते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में अकील कहता है कि उसने पहले जो भी आरोप अपने परिवार के सदस्यों के खिलाफ लगाए थे, वे सभी निराधार थे और उसने ये बातें अपनी तबीयत खराब होने के दौरान कही थीं।

क्या बोले पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा?

पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा ने बेटे की मौत को लेकर मंगलवार को अपने आवास पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विरोधियों पर साजिश का आरोप लगाया और एसआईटी जांच की मांग की। मुस्तफा ने कहा कि उनका बेटा मानसिक रूप से बीमार था, और उसका इलाज चल रहा था। उन्होंने बेटे की डायरी पुलिस को सौंपने की बात कही, जिससे सच्चाई सामने आ सके।

उन्होंने परिवार पर लगे हत्या के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो व मुकदमा दर्ज होने को राजनीतिक विरोधियों की साजिश करार देते हुए कहा कि बेटे की मौत के गम के भाव दबा लिए थे, लेकिन अब अंदर का सोल्जर निकला है। देश के दुश्मनों से लड़ा हूं और लड़ूंगा। एसआईटी की जांच में दूध का दूध पानी का पानी होगा। पूर्व डीजीपी ने कहा कि उनका बेटा साइकोटिक था, जिसका इलाज चल रहा था। अकील ने दूसरी वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित की है, जिसमें उसने अपनी गलती का स्वीकारा है। उन्होंने कहा कि बेटे की लिखी हुई डायरी भी पुलिस को सौंपी जाएगी।

कर्नाटक सरकार की फ्री बस 'शक्ति' स्कीम पर संकट

कांग्रेस विधायक ने उठाया 900 करोड़ बकाया का मुद्दा

बेंगलूरू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार की महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा योजना 'शक्ति स्कीम एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार आवाज खुद कांग्रेस पार्टी के भीतर से उठी है। कांग्रेस विधायक और नॉर्थ वेस्ट कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एनडब्ल्यूकेआरटीसी) के चेयरमैन और कांग्रेस विधायक राजू कगे ने दावा किया है कि सरकार ने अब तक स्कीम के तहत 900 करोड़ रुपये की पेमेंट नहीं की है, जिससे निगम गंभीर वित्तीय संकट में पहुंच गया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर यह बकाया राशि समय पर मिल जाती, तो निगम घाटे से उबर सकता था। लेकिन दो साल बीतने के बाद भी फंड रिलीज नहीं हुआ है,

जिससे हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। कर्नाटक सरकार द्वारा महिला यात्रियों को फ्री बस सेवा मुहैया कराने के वादे के बावजूद, निगमों की रोजाना की लागत तेजी से बढ़ी है। यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है लेकिन उस रेश्यो में रिम्बर्समेंट के रूप में मिलने वाले पैसे नहीं पहुंचे हैं। कांग्रेस विधायक राजू कगे ने बताया कि एनडब्ल्यूकेआरटीसी को लगभग 900 करोड़ मिलना था, लेकिन अब तक वह राशि नहीं मिली है, जिससे निगम घाटे में चल रहा है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि सरकार ने रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन्स (आरटीसी) के लिए पहले ही 2,000 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया था, जिसमें से पहले चरण में 500 करोड़ रुपये एनडब्ल्यूकेआरटीसी को जारी भी किया जा चुका है।

तमिलनाडु में बड़ा सड़क हादसा

तेज बारिश के चलते तिंडिवनम में बस पलटी पांच महिलाओं समेत 21 यात्री घायल

चेन्नई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में बुधवार तड़के हुए एक हादसे में पांच महिलाओं समेत 21 लोग घायल हो गए। तेज बारिश के चलते बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे उसमें सवार लोग हादसे की चपेट में आ गए। स्थानीय पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सरकारी बस पट्टुकोट्टई से चेन्नई जा रही थी। यह हादसा तिंडिवनम के जक्कमपट्टई के पास सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। तिंडिवनम पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, कुल 21 घायलों में से चार पुरुषों की हालत गंभीर है।

एक व्यक्ति का हाथ कट गया है। अधिकारी के अनुसार, चालक जो हादसे में सुरक्षित बच गया, उसने मोड़ लेते समय गति कम नहीं की, जिससे बस का नियंत्रण बिगड़ गया। बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी थी, जिसके चलते बस पलट गई। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाने) और धारा 125 (लापरवाही या असावधानी से मानव जीवन को खतरे में डालने) के तहत मामला दर्ज किया है।

भारत दुनिया का नौवां सबसे बड़ा वन क्षेत्र वाला देश बना, वार्षिक वृद्धि में तीसरे स्थान पर बरकरार

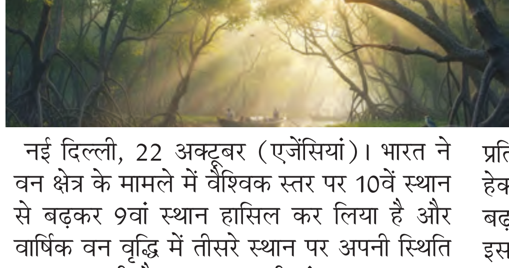

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने वन क्षेत्र के मामले में वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर 9वां स्थान हासिल कर लिया है और वार्षिक वन वृद्धि में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा बाली में जारी ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्स असेसमेंट 2025 रिपोर्ट में दी गई है। पर्यावरण मंत्रालय ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किए गए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और सामुदायिक वन सुरक्षा प्रयासों की सफलता बताया है केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसे सतत वन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में भारत की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों और राज्यों द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रमों ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है।

बता दें कि विश्व के कुल वन क्षेत्र का आकार 4.14 अरब हेक्टेयर है, जो पृथ्वी की 32% जमीन को घेरता है। इनमें से 54% हिस्सा केवल पांच देशों रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन के पास है। भारत अब ऑस्ट्रेलिया, कांगो और इंडोनेशिया के बाद नौवें नंबर पर है। वहीं वन क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि की बात करें तो 2015 से 2025 के बीच चीन ने प्रति वर्ष 16.9 लाख हेक्टेयर, रूस ने 9.42 लाख हेक्टेयर और भारत ने 1.91 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाया है।

इसके साथ ही अन्य देशों में तुर्किये, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और वियतनाम भी शामिल हैं, जिनमें उल्लेखनीय वृक्ष वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 1990 से 2025 के बीच एशिया ही एकमात्र क्षेत्र है जहां वन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हुई है, जिसका नेतृत्व चीन और भारत कर रहे हैं। गौरतलब है कि दुनिया में वार्षिक वन क्षय दर भी कम होकर 10.7 मिलियन हेक्टेयर (1990) से घटकर अब 4.12 मिलियन हेक्टेयर (2015-2025) रह गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब दुनिया के 20% वन क्षेत्र कानूनी रूप से संरक्षित हैं, जबकि 55% वन क्षेत्र लंबी अवधि की योजनाओं के तहत प्रबंधित किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी इस बार नहीं बोलेंगे 'दीदी-ओ-दीदी' बंगाल फतह को बीजेपी ने बनाया महाप्लान

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस ली है। बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को हटाने के लिए एक ऐसी रणनीति तैयार की है जो लोगों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। खासकर महिलाओं की सुरक्षा पर जोर दिया जाएगा। यह रणनीति किसी व्यक्ति विशेष पर हमला करने के बजाय जनता की समस्याओं को उठाने पर आधारित है। सूत्रों ने बताया कि 2019 के बंगाल विधानसभा चुनावों से सीख लेते हुए बीजेपी केवल ममता बनर्जी पर हमला करने के बजाय अब जनता से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इस रणनीति के तहत सभी मतदान केंद्रों खासकर लगभग 80 मुस्लिम बहुल सीटों पर बीजेपी की मजबूती सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि पार्टी तृणमूल शासन के दौरान शासन की कमी, महिलाओं की सुरक्षा और ममता सरकार के मंत्रियों के भ्रष्टाचार को उजागर करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी एक और विचार पर विचार कर रही है कि दलबदलुओं पर निर्भर रहने के बजाय अपने ही नेताओं से अधिक उम्मीदवार उतारे जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले विधानसभा चुनावों से सबक लिया गया है।

अवैध घुसपैठिए के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बीजेपी बांग्लादेश में हाल ही में हुए उथल-पुथल को अपने चुनावी विमर्श में शामिल करने की योजना बना रही है। जिसमें हिंदू मंदिरों और रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमले भी शामिल हैं। पार्टी नेताओं ने बताया कि इन घटनाक्रमों के मद्देनजर अभियान बंगाली संस्कृति और पहचान पर केंद्रित होगा। बीजेपी अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए शांतनु ठाकुर और निसिथ प्रमाणिक पर भरोसा कर रही है। जो उत्तर बंगाल के दो प्रमुख अनुसूचित जाति समूहों मतुआ और राजबंशी समुदायों के प्रमुख चेहरे हैं। बीजेपी महिष्य समुदाय पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसकी दक्षिण बंगाल में मजबूत उपस्थिति है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 अक्टूबर- 2025

आपदा में अवसर

जब से चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स पर हॉस्टाइल एक्सपोर्ट कंट्रोल लगाया है, तभी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन पर बौखलाए हैं। चीन का जवाब देते हुए 10 अक्टूबर 2025 को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर ऐलान किया था कि इसके विरोध में 1 नवंबर से अमेरिका भी चीन पर 100फीसद अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा, वह भी मौजूदा औसत 55प्रतिशत टैरिफ के ऊपर। यानी कुल 155फीसद टैरिफ। ट्रंप ने कहा कि अब मुझे 155-157फीसद तक टैरिफ लगाने के लिए चीन ने मुझे मजबूर किया है। अमेरिका यह सब तब कर रहा है जब उसे मालूम है कि चीन के पास दुनिया के 90फीसद प्रोसेस्ड रेयर अर्थ का उत्पादन है जो ईवी बैटरी, सेमीकंडक्टर, फाइटर जेट्स, रडार और हथियारों के लिए जरूरी है। इसी के चलते एसएंडपी 500 में 2% की भारी गिरावट आई। यूएस-चीन ट्रेड वॉल्यूम जनवरी-जुलाई 2025 में सिर्फ 194 बिलियन डॉलर रहा जो पिछले साल से 19% कम है। इस खींचतान का नतीजा यह होगा कि अमेरिकी परिवार पर सालाना 1,300 डॉलर का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। दूसरी ओर सोयाबीन एक्सपोर्ट 50फीसद तक गिर गया है। इसकी वजह से अमेरिकी किसान बर्बादी के कगार तक पहुंच चुके हैं। दूसरी ओर चीन भी अमेरिकी दबाव में झुकने को तैयार नहीं है। उसने भी कडा संदेश दिया है कि हम फाइट टू द एंड करेंगे। चीन ने डब्ल्यूटीओ में शिकायत दर्ज कर दी कि ट्रंप ने मल्टीलेटरल ट्रेडिंग सिस्टम को तोड़ा है, जबकि मलेशिया में यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट और चाइनीज वाइस प्रीमियर ही लिफेंग की गोपनीय वार्ता चल रही है ताकि 90-दिन का ट्रूस बचाया जा सके। इस तरह के माहौल में ट्रंप और शी जिनपिंग की 31 अक्टूबर को सियोल में होने वाली समिट को लेकर भारी संदेह पैदा हो गया है, क्योंकि 2018 के ट्रेड वॉर में भी अमेरिका का जीडीपी 0.3% सिकुड़ गया था और चीन ने सप्लाई चेन डायवर्सिफाई कर ली थी। अब ऑस्ट्रेलिया के साथ 1 बिलियन डॉलर का जॉइंट रेयर अर्थ प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है ताकि चीन पर निर्भरता को कम किया जा सके। देखा जाए तो इस संकट के दौर में भारत को बड़ा मौका मिल रहा है। जाहिर है चीनी इंपोर्ट घटने से मेक इन इंडिया को 45 बिलियन डॉलर का बूस्ट मिल सकता है। लेकिन इस हकीकत से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि रेयर अर्थ की कमी से टाटा, ओला जैसी ईवी कंपनियों का प्रोडक्शन रुकने का खतरा भी खडा हो जाएगा। ऐसे समय में भारत को तुरंत भारत-यूएस-ऑस्ट्रेलिया मिनरल एलायंस बनाने पर विचार कर 90-दिन का ट्रूस बढ़ाना चाहिए। डब्ल्यूटीओ के तहत मल्टीलेटरल डील करनी चाहिए ताकि ट्रंप का ब्लफ़ रोका जा सके। इसके अलावा अगले 5 साल में भारत 20% ग्लोबल रेयर अर्थ शेयर हासिल कर ले तो बेहतर होगा। जाहिर है अगर दो सुपरपावर की इस लड़ाई में भारत मिनरल डिप्लोमेसी नहीं अपनाएगा तो ईवी ड्रीम और मेक इन इंडिया के सपने बिखर सकते हैं। बहरहाल, ट्रंप का गेम तो चलता रहेगा लेकिन इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड सकता है।

झूठ का कारोबार: ट्रंप ने फिर रचा बाहरी ड्रामा

आरके जैन

दीपावली की पवित्र रात्रि में, जब घर-घर दीये जलते हैं और सत्य की ज्योति अंधकार पर विजय का संदेश देती है, तब कुछ लोग अपनी झूठी चमक से दुनिया को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। ये वे ही हैं जो अंधेरी रातों में मिथ्या सूरज बनकर चमकते हैं, लेकिन सच्ची ज्योति के सामने टूटे पतंग की तरह धराशायी हो जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ताजा दावा ठीक ऐसी ही मिथ्या चमक का प्रतीक है। 21 अक्टूबर की रात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर दीपावली शुभकामनाओं के बहाने, उन्होंने भारत पर रूस से तेल खरीदने का वचन थोपने का हास्यास्पद काल्पनिक कथानक रचा। यह दावा वैश्विक कूटनीति की भ्रामक दुनिया का आईना है और ट्रंप की पुरानी साजिश-सत्य को तोड़-मरोड़ने-का चरम। ट्रंप ने संक्षिप्त बातचीत को काल्पनिक संधि का हथियार बना लिया-मोदी ने वादा किया कि रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। यह भारत की स्वतंत्र ऊर्जा नीति को उनके जाल में फंसाने की कोशिश है, जो पिछले हफ्ते के झूठों की कड़ी का नवीनतम मोती है। ट्रंप की धूर्त आदत जगजाहिर है-झूठ को बार-बार दोहराकर सत्य का भ्रम रचना। दीपावली की उज्ज्वल रौशनी में ही उनका अंधेरा उघाड़ फेंकना। दीपावली सिखाती है-झूठी चमक को पहचानने का तरीका यही है-सच्चाई की ज्योति जलाकर देखो, सब बेनकाब हो जाता है। ट्रंप की यह बकवास सुनकर लगता है जैसे वे व्हाइट हाउस से दीये जला रहे हों, लेकिन कूटनीतिक ज्योतियां जलाने के नाम पर अपनी परछाईं को सूरज बना रहे हों। यह भ्रम दीपावली की रौशनी में पल भर में बेनकाब। पिछले हफ्ते का सिलसिला देखिए-चार झूठ, छह दिनों में। 15 अक्टूबर-मोदी ने आश्वासन दिया, रूस से तेल बंद। 16 अक्टूबर को विदेश मंत्रालय की ठुकाई-ऐसी बातचीत हुई ही नहीं। फिर 16 अक्टूबर-मोदी ने वादा किया। 20 अक्टूबर, एयर फोर्स वन पर-इनकार किया तो टैरिफ चुकाओगे। 21 अक्टूबर, दीपावली पर-वे ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे, कटौती शुरू। यह धूर्त चाल-काल्पनिक कथा को बार-बार रंग भरकर परोसना। अमेरिकी राजनीति में चमकती रही, लेकिन भारत जैसे संप्रभु शेर को बकरी समझना मूर्खता! सच्चाई? मोदी का एक्स पोस्ट-धन्यवाद ट्रंप, शुभकामनाओं के लिए। बस। न तेल, न वादा-सिर्फ शुभकामनाएं। ट्रंप की एकतरफा उद्घोषणा भारत की अटल विदेश नीति पर थूकने जैसी, जो राष्ट्रीय हितों की चट्टान पर खड़ी है। ट्रंप की बकबक न केवल झूठी है, बल्कि ठोस आंकड़ों से भी चुभती है। भारत ने रूस से तेल आयात क्यों बढ़ाया? यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने सस्ता डिस्काउंटेड तेल दिया, जिससे भारत को अरबों डॉलर की बचत हुई। 2024 में कुल 52.73 अरब डॉलर का तेल आयात हुआ। 2025 के पहले छह महीनों में रूस सबसे बड़ा सप्लायर बना-1.75 मिलियन बैरल प्रतिदिन, जो कुल आयात का 35-36 प्रतिशत था। सितंबर 2025 में यह हिस्सा 34 प्रतिशत रहा। ट्रंप का कटौती का दावा? जनवरी से अगस्त तक महज 10 प्रतिशत की मामूली कमी आई, जो बाजार की गतिशीलता से हुई, न कि किसी फोन कॉल से। सितंबर में रिलायंस ने आयात बढ़ाया, जबकि सरकारी कंपनियों ने घटाया। अक्टूबर में तो 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई-1.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन-क्योंकि यूक्रेनी ड्रोन हमलों से क्रूड अधिक उपलब्ध हुआ। भारत की नीति स्पष्ट है- ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और कीमतें स्थिर रखना। सस्ता रूसी तेल वैश्विक महंगाई को रोकता है, जो अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। लेकिन ट्रंप यूक्रेन को मोदी का युद्ध कहकर भारत को निशाना बनाते हैं, जबकि अमेरिका खुद अप्रत्यक्ष रूप से इसमें जुड़ा हुआ है। उनकी दोहरी चाल-प्रतिबंध और व्यापार चेतावनी-सीधे भारतीय परिवारों की जेब पर चोट करती है। आंकड़े चीख-चीखकर बता रहे हैं: जनवरी-जून में 1.75 मिलियन बैरल प्रतिदिन, सितंबर में निजी क्षेत्र ने बढ़ोतरी की।

पीओके को लेकर भारत व अफगानिस्तान से परेशान पाकिस्तान

अशोक भाटिया

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमिर खान मुत्तकी के भारत दौरे से पाकिस्तान इतना बौखलाया कि उसने युद्ध ही शुरू कर दिया है। जवाबी कार्रवाई में तालिबान शासन की ओर से भी मुंहतोड़ बदला लिया जा रहा है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान दोनों ही ओर से भारी तबाही के दावे हो रहे हैं। लेकिन, इस दौरान भारत की धरती से पाकिस्तान को जो कुछ संदेश दिया गया है, उससे वह पूरी तरह से हिला हुआ नजर आ रह है। पाकिस्तान को कहीं न कहीं डर सताने लगा है कि अबकी बार गैर-कानूनी कब्जे वाला कश्मीर (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर-पीओके) उसके हाथों से निकल सकता है। क्योंकि, पहले भारत ही उसे चेतावनी दे रहा था, लेकिन अब अफगान तालिबान की ओर से भी इशारों में उसे एक तरह से अल्टीमेटम दे दिया गया है।

पीओके पर पाकिस्तान को अफगान तालिबान ने झटका ये दिया है कि उसने भारत की धरती से जम्मू और कश्मीर पर भारत की संप्रभुता का पूर्ण समर्थन कर दिया है। यह सब तब हुआ है, जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान पूर्ण युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। भारत के साथ संयुक्त बयान में अफगानिस्तान के इस स्टैंड पर पाकिस्तान बहुत तिलमिलाया हुआ है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से इस बात का औपरचारिक विरोध भी जताया है और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कथित प्रस्ताव का उल्लंघन बताया है।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्तकी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात में पहले ही पीओके पर भारत की स्थिति यह कहकर साफ कर चुके हैं कि हमारे बीच 106 किलोमीटर लंबी सीमा वाखान कॉरिडोरः यह क्षेत्र अभी पाकिस्तान के गैर-कानूनी कब्जे में है और इस वजह से अफगानिस्तान, भारत का निकटवर्ती पड़ोसी है और हम अफगान के लोगों के शुभचिंतक हैं। अफगानिस्तान के विकास और प्रगति में भारत की गहरी दिलचस्पी है। इन बातों से पाकिस्तान इतना घबराया हुआ है कि इसने इस्लामाबाद में अफगानिस्तानी राजदूत को बुलाकर दोनों देशों के साझा बयान को बहुत ही ज्यादा असंवेदनशील बताने की कोशिश की है। इसके पहले पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में तीन पुलिस अधिकारियों सहित दस लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। संघीय सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक वार्ता समिति भेजी थी। यह हाल ही में व्यापारियों और नागरिक समाज समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रमुख संगठन पीओजेके ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) के साथ महत्वपूर्ण वार्ता के लिए मुजफ्फराबाद पहुंचा था। सामाजिक कार्यकर्ता शौकत नवाज मीर के नेतृत्व में जेएएसी द्वारा आयोजित बंद 29 सितंबर को शुरू हुआ था और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के कई जिलों को पूरी तरह से रोक दिया गया था।

सरकार ने 28 सितंबर से पूरी तरह से संचार ब्लैकआउट लगा दिया है, जिससे निवासियों के लिए मोबाइल दूरसंचार और इंटरनेट कनेक्शन बंद हो गए हैं। मुजफ्फराबाद में गुलजार बाजार बंद हैं, जबकि कोई स्ट्रीट वेंडर नहीं है। सार्वजनिक परिवहन ठप है। अराजकता ने क्षेत्र के लगभग 40 लाख निवासियों को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है। सरकार ने एक बयान में कहा, उन्होंने कहा कि अधिकारी व्यवस्था बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं और लोगों से अपील की कि वे एक विशिष्ट एजेंडे के साथ सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही दुष्प्रचार और फर्जी खबरों से प्रभावित न हों। पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में यह तीसरा बड़ा आंदोलन है और समिति की 38 सूत्री मांगों को स्वीकार करने से सरकार के इनकार के कारण शुरू हुआ था कश्मीर घाटी एक सुंदर लेकिन विवादित हिमालयी क्षेत्र है। 1947 में स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान और भारत ने कई युद्ध लड़े हैं। चीन इस क्षेत्र के उत्तरी दो हिस्सों को भी नियंत्रित करता है। भारत ने बार-बार पीओके को वापस लेने की भाषा का इस्तेमाल किया है। चीन पाकिस्तान का दोस्त है, लेकिन पाकिस्तान चीन के कब्जे वाले क्षेत्रों को छोड़कर पूरे कश्मीर पर दावा करता है। 2017 की जनगणना के अनुसार, पीओके की आबादी 40 लाख से अधिक है। कश्मीर में प्रधानमंत्री और विधानसभा के लिए अर्ध-स्वायत्तता है। वर्तमान अशांति की उत्पत्ति मई 2023 में हुई है। आसमान छूते बिजली बिलों के विरोध में क्षेत्र के नागरिक पहली बार सड़कों पर उतरे थे। आटे की भारी तस्करी और रियायती गेहूं की आपूर्ति की भारी कमी की शिकायतें मिली थीं। अगस्त 2023 तक, ये अलग-अलग शिकायतें संगठित विरोध प्रदर्शनों में बदल गई थीं। उस साल सितंबर में, सैकड़ों कार्यकर्ता मुज़फ़्फ़राबाद में एकत्र हुए और औपचारिक रूप से जेएसी का गठन किया। इसमें क्षेत्र के सभी जिलों के प्रतिनिधि शामिल थे।

विरोध प्रदर्शनों की पहली बड़ी तीव्रता मई 2024 में आई जब प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद के लिए एक लंबा मार्च शुरू किया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी सहित कम से कम पांच लोग मारे गए, और हिंसक विरोध प्रदर्शन तभी रुका जब पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शाहबाज शरीफ आटे की कीमतों और बिजली दरों में कमी जैसी प्रमुख मांगों पर सहमत हो गए। सरकार ने अनुदान के रूप में अरबों रुपये आवंटित किए, लेकिन चुप्पी लंबे समय तक नहीं रही। उसी वर्ष अगस्त में, जेएएसी ने एक और लॉकडाउन की घोषणा की। जेएएसी द्वारा प्रस्तुत मांगों में 38 विशिष्ट मुद्दे शामिल हैं। इन मांगों में मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू करना और प्रांतीय विधानसभाओं की संरचना को बदलना शामिल है। सूची में सबसे ऊपर शासक वर्ग के विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग है, जिसे पिछली शिकायतों में भी उजागर किया गया था। जेएएसी ने कहा कि मई 2024 के विरोध प्रदर्शनों के बाद, सरकार ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को दिए गए विशेषाधिकारों की समीक्षा के लिए एक न्यायिक आयोग की स्थापना को मंजूरी दी। हालाँकि, नवीनतम अशांति के बाद, स्थानीय प्रशासन ने संचार काट दिया है और शैक्षणिक संस्थानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश दिया है। इससे भी अधिक विवादास्पद रूप से, उन्होंने अर्धसैनिक बलों सहित शेष पाकिस्तान से अतिरिक्त पुलिस इकाइयों को बुलाया है। लेकिन वरिष्ठ स्थानीय सरकारी अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या 15 बताई है। जेएसी ने अर्धसैनिक बलों की तैनाती पर आपत्ति जताई है। जेएएसी नेता मीर ने इस सप्ताह की शुरुआत में संवाददाताओं से कहा था कि मुख्य भूमि पाकिस्तान से अर्धसैनिक बलों को बुलाने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि स्थानीय पुलिस पहले से ही मौजूद थी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के वित्त मंत्री अब्दुल मजीद खान ने स्वीकार किया कि हालांकि पहले दौर की वार्ता पहले ही हो चुकी है, लेकिन एक नई समिति मुजफ्फराबाद में आई है और उसे प्रदर्शनकारियों की शिकायतों को हल करने का काम सौंपा गया है। जब उन्होंने पिछले साल विरोध करना शुरू किया, तो यह सब बिजली और आटे की कीमतों के बारे में था और हम उस पर सहमत हुए; लेकिन उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि चीजें रातोंरात नहीं बदल सकती हैं और इसमें समय लगता है। सरकार जेएएसी के 38 बिंदुओं में से अधिकांश पर सहमत हो गई है; लेकिन शरणार्थियों के लिए आरक्षित बारह सीटों को समाप्त करने और 'शासक वर्ग के विशेषाधिकारों' को समाप्त करने के मुद्दों पर बातचीत विफल हो गई है।

फिर सांसों पर भारी पड़ा 'सेलिब्रेशन'!

राज कुमार सिंह

दिवाली पर पटाखेबाजी फिर दिल्ली- एनसीआर की सांसों पर भारी पड़ी। त्योहारों के जरिये वोट बैंक का खेल खेलनेवाले राजनीतिक दलों के आंकड़ों को नजरअंदाज कर दें, तो भी इस साल दिल्ली में दिवाली पर प्रदूषण चार साल के टॉप पर पहुंच गया। सरकार की पहल पर सर्वोच्च न्यायालय ने इस बार दिवाली पर दो घंटे हरित पटाखे चलाने की अनुमति दे कर अमल सुनिश्चत करने की जिम्मेदारी सरकारी तंत्र पर छोड़ दी थी। तय समय रात आठ से 10 बजे तक का था, पर पटाखेबाजी शाम छह बजे शुरू हो कर आधी रात के बाद तक जारी रही। वायु प्रदूषण में सबसे खतरनाक माना जानेवाला पीएम 2.5 का स्तर दिल्ली के कई इलाकों में 1700 के भी पार चला गया। दिवाली की अगली सुबह पीएम 2.5 का स्तर 212 प्रतिशत तक बढ़ गया।

वायु पद्रूषण केंद्रों का डेटा हर पंद्रह मिनट पर अपडेट किया जाता है, लेकिन दिवाली की रात कुछ केंद्रों पर ऐसा नहीं किया गया,जिससे उठनेवाले स्वाभाविक प्रश्न अनुत्तरित हैं। दिल्ली के 26 में से 23 निगरानी केंद्रों पर पटाखेबाजी का शोर भी सीमा से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। दरअसल पदूषण का रिकॉर्ड स्तर हरित पटाखे की अवधारणा और अमल पर भी सवालिया निशान लगाता है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत की यह टिप्पणी बहुत कुछ कह देती है कि सुप्रीम कोर्ट की समझदारी ने पटाखे जलाने के अधिकार को जीने और सांस लेने के हक पर प्राथमिकता दी है।

सरकारी वकील ने अपने अंदर के बच्चे की इच्छा बताते हुए दिवाली 'सेलिब्रेशन' के लिए सुप्रीम कोर्ट से पटाखेबाजी की अनुमति मांगी थी। बेशक सर्वोच्च न्यायालय ने सावधानीपूर्वक सर्शत अनुमति दी,लेकिन उन शर्तों की खुले आम धज्जियां उड़ायी गयीं। फिर भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को इस साल की दिवाली की रौनक- आभा - जगमगाहट अलग दिखी और ऐसे शानदार सेलिब्रेशन पर वह आत्ममुग्ध हैं। आश्चर्य नहीं कि मुख्य विपक्षी दल आप उनकी सरकार पर लोगों के स्वाथ्य से खिलवाड़ करने के आरोप लगा रही है।

दिल्ली सरकार के मंत्री भी अलग-अलग सुरों में बोल रहे हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा दिल्लीवालों को जिम्मेदारी से दिवाली मनाने का प्रमाणपत्र दे रहे हैं तो शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्लीवालों के गैर जिम्मेदाराना रवैये को जिम्मेदार ठहराते हुए माना है कि अगर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाता तो इतना प्रदूषण नहीं होता।

एनसीआर के अन्य शहरों के हालात भी बेहतर नहीं रहे। कहीं-कहीं तो और भी बदतर पाये गये। दिवाली पर पटाखेबाजी से वायु प्रदूषण दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं रहा। कानपुर, लखनऊ, पटना,भोपाल, जयपुर और चंडीगढ़ तक धुंध की मोटी परत छायी रही।

एक्यूआई आंकड़े बताते हैं कि कमोवेश पूरा उत्तर भारत ही गैस चैंबर में तब्दील हो गया, पर आयुष्मान भारत के नारे के बावजूद जन स्वास्थ्य की सामान्य चिंता भी व्यवस्था के चेहरे और चाल में कहीं नजर नहीं आती। यह ज्यादा चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि हर साल दिल्ली-एनसीआर इन्हीं दिनों सांसों के इसी संकट से गुजरता है, जब पटाखेबाजी को ही प्रकाश पर्व दिवाली का असली 'सेलिब्रेशन'माननेवालों की कारगुजारियों की कीमत बच्चों और बुजुर्गों को कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों से चुकानी पड़ती है।

स्कूल तो अकसर बंद कर ही दिये जाते हैं, हर साल चिकित्सक सलाह देते हैं कि कुछ दिन के लिए दिल्ली ही छोड़ जायें, वरना बिना मास्क घर से बाहर न निकलें। कुछ दिनों तक सैर आदि भी घर के अंदर ही करें। इस सलाह पर कितने लोग अमल कर पाते हैं—यह उनकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है, पर इस संकट के स्थायी समाधान की सोच कहीं नजर नहीं आती।

वैसे जहरीली हवा खिड़की-दरवाजों से भी घर के अंदर तक पहुंचती ही है। जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान के तहत पहले ग्रैप-वन और फिर ग्रैप-टू के प्रतिबंध दिल्ली में लागू किये जा चुके हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ ये प्रतिबंध भी बढ़ते जायेंगे।नतीजतन दिल्ली और एनसीआर के लोग दोहरी मार झेलने को मजबूर होंगे।

जहरीली हवा से सांसों पर गहराता संकट और सरकारी प्रतिबंधों से रोजमर्रा की जिंदगी की थमती रफ्तार। इस साल अप्रत्याशित रूप से कथित हरित पटाखे दो घंटे जलाने की अनुमति देनेवाला सर्वोच्च न्यायालय पिछले साल विवेकहीनता और निष्क्रियता के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी फटकार लगा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि शुद्ध हवा न मिलना प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने के लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन है, पर इस अधिकार का साल-दर-साल हनन करने के लिए जिम्मेदार लोगों को सही मायने में दंडित कौन करेगा? इन दिनों बढ़नेवाले वायु प्रदूषण में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलायी जानेवाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है।

उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किये जाते हैं, पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।

सुप्रीम कोर्ट भी जानता है और सरकारें भी कि दिल्ली निवासियों को साल में गिने-चुने दिन ही स्वच्छ हवा नसीब होती है, वरना तो वे अस्वास्थकर हवा में ही सांस लेने को अभिशप्त हैं। यही विडंबना एनसीआर के ज्यादातर शहरों की है। शून्य से 50 एक्यूआई तक हवा ही 'स्वच्छ' होती है। उसके बाद 51-100 तक 'संतोषजनक', 101-200 'मध्यम', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब' और 401-500 एक्यूआईवाली हवा 'गंभीर' श्रेणी में आती है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा श्वांस संबंधी रोग बढ़ा रही है।

फेफडों में इन्फेक्शन ही नहीं, कैंसर तक हो सकता है। यह हवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए ज्यादा खतरनाक है। बेशक पराली जलाने से रोकने के लिए सरकारों को कुछ ठोस व्यावहारिक कदम उठाने चाहिए, पर दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों का योगदान अवधि और मात्रा की दृष्टि से सीमित है।

इसलिए अन्य स्थायी कारणों का निदान जरूरी है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च पेपर के मुताबिक वायु प्रदूषण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होनेवाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है।

फिर भी मेट्रो के धीमे विस्तार के अलावा पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। नवंबर, 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की थी। दिल्ली नरक से भी बदतर हो गयी है, लेकिन उसके बाद भी कुछ नहीं बदला!

अजीब पागलपन की सज़ा

डॉ टी महादेव राव

शौक अजीब तरह के होते जारहे हैं आजकल। कुछ भी ठीक वैसे ही जैसे कोई खुराफात का भूत सर पे सवार हो। आजकल लोगों के अपने शौक और पागलपन के किस्से हमारे सामने आते हैं नित नए रूप में। किसी किसी को ऐसे ऐसे शौक होते हैं कि बयां नहीं किया जा सकता। वैसे ही हमारे बॉस को शौक है फोटो खिंचवाने का। अलग-अलग पोज़ में अलग-अलग फोटो खिंचवाकर अपने अहम को तुष्टि देते हैं और मन को संतुष्टि प्रदान करते हैं। अब आपको लग सकता है कि हमें इस शौक से दिक्कत क्या है। सप्ताह में एक दिन सभी की सीटों पर अलग अलग जाकर उनके पीछे खड़े होकर फोटो खिंचवाते हैं और इतना ही नहीं सारे स्टाफ को साथ लेकर दफ़्तर के अलग अलग जगहों पर समूह चित्र यानी ग्रुप फोटो खिंचवाते हैं। सारे फोटो डेवलप कर अलग अलग अलबम बनवाकर अपने दराज में रखते हैं और समय समय पर निकालकर देखते रहते हैं और अपने आप में खुश होते रहते हैं। काम के बीच में, गंभीर चर्चा के दौरान, बैठक के मध्य में वे हमारे दरबारी फोटोग्राफर को बुलाते और फोटो खिंचवाते हैं। सभी उनकी इस हरक़त से झुंझलाते हैं लेकिन करें क्या बॉस है। सी आर, प्रमोशन, इंक्रीमेंट, बोनस, छुट्टियां और बहुत कुछ उनके हाथों में है ठीक उसी तरह जिस तरह कहानियों में राक्षस के प्राण पेड़ के तने में छिपे मिट्ठू में होते हैं। इस बीच महापौर का दौरा पौधारोपण के सिलसिले में हमारे कार्यालय के प्रांगण में हुआ। महापौर पौधारोपण कर फोटो के लिए मुद्रा बना रहे थे कि आदत से मजबूर हमारे बॉस भी उसी फ्रेम में पहुंचे और अनायास अपना दायां हाथ महापौर के कांधे पर डाल दिया। अचानक इस तरह सबके सामने कंधे पर हाथ पड़ते ही महापौर तिलमिला गए हाथ हटाया और सीधे हाथ की तर्जनी दिखाकर बोले तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? क्या तुम मेरे जिगरी दोस्त हो या मेरे बॉस? तुम जान लो मैं शहर का मेयर हूं यानी प्रथम नागरिक। ऐसी हल्की हरकत करते तुम्हें शर्म नहीं आई? बॉस सकपकाकर रह गया। सबके सामने घोर अपमान। उन्होंने माफी मांगी और मामला किसी तरह रफा दफा हो गया। इस हादसे के बाद हमने सोचा फोटोज का पागलपन कम होगा, पर नहीं हुआ। एक दो दिन के बाद फिर वही ढाक के तीन पात। एक दिन अचानक यह फोटो सेशन बंद हो गया। बॉस ने फोटोग्राफर को बुलाकर उसके पैसे भुगतान किए और कल से न आने की बात कही।

पता चला फोटोग्राफर को कोई सरकारी नौकरी मिल गई। उस दिन के बाद बॉस में बड़ा परिवर्तन आया। काम के सिवा कुछ नहीं। इस बदलाव का कारण किसी की समझ में नहीं आया। एक दिन जब बॉस छुट्टी पर था हमने पुराने फोटोग्राफर को बुलाया और पूछा। उसने किसी को भी न बताने की कसम ली और बताया दफ्तर की किसी महिला कर्मी के कांधे पर बॉस का हाथ रख फोटो उनके घर के पते पर भेजा गया क्योंकि सरकारी नौकरी ज्वाइन करनी थी। बॉस की पत्नी ने अच्छी खबर ली और इसी शर्त पर मायके जाने और तलाक़ लेने की बात को कैंसल किया की आइंदा न कोई फोटोग्राफी होगी और न महिला कर्मियों से नजदीकियां।

स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा भाई दूज

योगेश कुमार गोयल

आमतौर पर दीपावली के दो दिन बाद अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इस वर्ष दीवाली 20 अक्तूबर को मनाई गई और भाई दूज पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 22 अक्तूबर को रात 8 बजकर 17 मिनट पर शुरू हो रही है और 23 अक्तूबर को रात 10 बजकर 47 पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार भाईदूज का पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 2 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से 'भाई दूज' का पर्व मनाया जाने लगा। भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी। कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है। जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे।

भाई दूज ? तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त क्या है ?

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाईदूज, चित्रिगुप्त पूजा और यम द्वितीया का पर्व मनाया जाता है। इस बार उदयातिथि के अनुसार यह पर्व 23 अक्टूबर 2025 गुरुवार को मनाया जाएगा। भाई दूज का पर्व मध्यान्ह काल में ही मनाया जाना चाहिए। इस दिन अभिजीत मुहूर्त हो तो अति उत्तम।

23 अक्टूबर 2025 को भाई दूज तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त

द्वितीया तिथि प्रारम्भ- 22 अक्टूबर 2025 को रात्रि 08:16 बजे से।

द्वितीया तिथि समाप्त- 23 अक्टूबर 2025 को रात्रि 10:46 बजे तक।

उदयातिथि के अनुसार 23 अक्टूबर 2025 को मनाएंगे भाईदूज का पर्व।

भाई दूज अपराह्न समय- 01:13 से 03:28 के बीच।
अभिजीत मुहूर्तः दिन में 11:43 से 12:28 के बीच।
विजय मुहूर्तः अपराह्न 01:58 से 02:43 के बीच।
नोटः तीनों ही समय तिलक लगाने और भाई को भोजन कराने के लिए शुभ है।

बहने इस दिन अपने भाई को पान जरूर खिलाएं
इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी।

कैसे मनाते हैं भाईदूज का पर्व?

1. बहन अपने भाई को लकड़ी की या चावल की चौकी बनाकर तिलक करें।
2. भाई को तिलक लगाते समय भाई का मुंह उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। बहन का मुंह उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।
3. बहन अपने भाई को तिलक करने से पूर्व भाई के सिर पर फूल, पान, सुपारी, और पैसा रखें और भाई की कलाई पर मौली बांधें इसके बाद ही तिलक लगाएं।
4. इस दिन भाई को तिलक करने के बाद भोजन कराएं और फिर इसके बाद ही भोजन करें। इससे पहले बहनें खाना न खाएं। भाई दूज पर भाई को भोजन कराने के बाद ही बहनें खाना खाएं।
5. इस दिन बहनें अपने भाई के लिए सात्विक भोजन ही बनाएं। भोजन में खीर और मीठा जरूर रखें। किसी भी प्रकार से तामसिक या राजसिक भोजन न बनाएं। भाई दूज पर मांसाहार बिल्कुल भी नहीं खाएं।
6. भाई दूज के दिन भाई और बहन आपस में लड़ाई-झगड़ा न करें और घर परिवार की विवादित या पुरानी बातों पर चर्चा न करें। खुशी का माहौल बनाए रखें।
7. रक्षा बंधन पर भाई अपनी बहन को उपहार देता है जबकि भाई दूज पर बहनें अपने भाई को उपहार दें। हालांकि दोनों ही एक दूसरे को उपहार दें तो कोई हर्ज नहीं।
8. भाई दूज पर भाई-बहन काले रंग के कपड़े न पहनें। पीले, लाल, गुलाब, हरे रंग के कपड़े पहन सकते हैं।
9. बहने इस दिन अपने भाई को पान जरूर खिलाएं। इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी।
10. यदि संभव हो तो दोनों यमुना स्नान करें।

चित्रगुप्त की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर को रात 8 बजकर 16 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इस तिथि का समापन 23 अक्टूबर को रात 10 बजकर 46 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में चित्रगुप्त पूजा गुरुवार 23 अक्टूबर को की जाएगी। इस दिन पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है-

चित्रगुप्त पूजा अपराह्न मुहूर्त - दोपहर 1 बजकर 13 मिनट से दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक

चित्रगुप्त पूजा का महत्व

पांच दिवसीय दीपोत्सव में भाई दूज के दिन चित्रगुप्त पूजा भी की जाती है। इस दिन को भगवान चित्रगुप्त की उत्पत्ति के रूप में मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान चित्रगुप्त कलम-दवात की सहायता से समस्त जीवों के कर्मों का विवरण लिखते हैं, इसलिए चित्रगुप्त पूजा के दिन कलम-दवात और बही-खातों की पूजा-अर्चना की जाती है।

इस दिन इस दिन लोग आत्मचिंतन और कर्मों की समीक्षा भी करते हैं और ईमानदारी के पथ पर चलने का प्रण लेते हैं। माना जाता है कि इस पूजा से साधक को विद्या, बुद्धि, साहस और लेखन के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है।

चित्रगुप्त जी की पूजा विधि

चित्रगुप्त पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होने के बाद पूजा स्थल की साफ-सफाई करें। अब वेदी पर चित्रगुप्त की मूर्ति या फिर तस्वीर स्थापित करें। चित्रगुप्त जी के समक्ष घी का दीपक जलाएं और उन्हें पंचामृत अर्पित करें। इसके साथ ही चित्रगुप्त जी को हल्दी, चंदन, फूल, फल और मिठाई आदि अर्पित करें। इसके बाद चित्रगुप्त कथा का पाठ करें और आरती करें। अंत में सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

जरूर करें ये काम

चित्रगुप्त जी की पूजा में कलम, डायरी या खाली कागज जरूर लेकर बैठें। पूजा के दौरान खाली पन्ने पर रोली और घी से स्वास्तिक बनाएं। इसके बाद श्री गणेशाय नमः और ॐ चित्रगुप्ताय नमः लिखें। इसके बाद इस कागज पर सभी देवी-देवताओं का नाम लिखें। इससे साधक को चित्रगुप्त जी की कृपा मिलती है।

भाई दूज पर करें ये 5 आसान उपाय, दीर्घायु होगा भाई!

भाई दूज दीपोत्सव का पांचवां दिन होता है। यह त्योहार हर साल दिवाली के दो दिन बाद मनाया जाता है। इस साल यानी 2025 में भैया दूज का त्योहार 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों को टीका कर उनके दीर्घायु की कामना करती हैं। कई जगहों पर बहनें इस दिन अपने भाई की सलामती के लिए व्रत भी करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन यम और उसकी बहन यमुना की पूजा की जाती है। इस किए गए कुछ उपाय कारगर हो सकते हैं। चलिए ऐसे उपाय बताते हैं, जिन्हें भाई दूज के दिन करने से आपके परिवार में खुशहाली आएगी और शुभ फल मिलेंगे।

भाई दूज के उपाय

अन्य दानः सनातन धर्म में किसी भी शुभ तिथि पर दान करने का विशेष महत्व है। ऐसे में भाई दूज के दिन गरीब लोगों में अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करें।

यमुना स्नानः भाई की लंबी आयु के लिए भाई दूज के दिन भाई को यमुना स्नान कराएं। धार्मिक मान्यता है कि, भाई को यमुना स्नान करवाने से उन्हें (भाई को) लंबी आयु का वरदान प्राप्त होता है। साथ ही, भाई का स्वास्थ्य सही रहता है।

यम का दीया जलाएंः भाई दूज के दिन बहन को घर के बाहर यमराज के नाम का चौमुखी दीपक जलाना चाहिए। कहा जाता है कि, ऐसा करने से यम प्रसन्न होते हैं और भाई की आयु बढ़ती है।

प्रभु से कामते हुए तिलक करें: भाई और बहन के रिश्ते मजबूत के लिए भाई दूज के दिन भाई के हाथ में कलावा बांधे और उनकी लंबी आयु के लिए प्रभु से कामना करें और तिलक करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से भाई-बहन के रिश्ते में मधुरता आती है।

मुंह मीठा कराएंः बहन को भाई के माथे पर तिलक करके उनकी मंगल कामना करनी चाहिए और उसका मुंह मीठा करना चाहिए। इस दिन बहन को भाई को तरह तरह के पकवान बनाकर खिलाने चाहिए।

नशा और बुरी आदतें व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से दुर्बल बना देती हैं

जीवन एक अनमोल अवसर है। जो बीत गया, वह भूतकाल है, जिसे बदला नहीं जा सकता। भविष्य केवल कल्पना और योजनाओं का क्षेत्र है, जो अभी आया नहीं है। वास्तविकता में जीवन केवल वर्तमान है। वर्तमान ही वह क्षण है, जिसमें हम अपनी मेहनत, संकल्प और सोच से भविष्य की नींव रखते हैं। इसलिए हमें वर्तमान को पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ जीना चाहिए। भूतकाल से सीख लेकर और भविष्य के लिए योजना बनाकर, हमें वर्तमान में कर्म करना चाहिए।

शुभता, समृद्धि और संतान पाने के लिए सूप में जरूर सजाएं ये फल

छठ मईया होंगी खुश, भर देंगी झोली!

25 अक्टूबर से लोक आस्था महापर्व की शुरुआत होने वाली है, जिसे छठ महापर्व कहा जाता है। यह पूरे चार दिनों तक चलने वाला है। वैसे तो छठ महापर्व पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है, विशेषकर उत्तर भारत के राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे राज्यों में इसकी अलग ही धूम होती है। छठ महापर्व में शुद्धता का खास ध्यान रखा जाता है। इसके साथ ही छठ पर्व में दउरा और सूप का विशेष महत्व होता है।

भक्त अपने कंधे पर उठाकर दउरा और सूप में फल रखकर पूजा स्थल से छठ घाट तक ले जाते हैं। इससे छठी मईया और भगवान सूर्य बेहद खुश होते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल होता है कि इस दउरा और सूप में कौन सा फल मईया और सूर्य भगवान को अर्पण किया जाए।

कहा कि 25 अक्टूबर को नहाए-खाए के साथ ही छठ महापर्व की शुरुआत होने वाली है। 26 अक्टूबर को खरना प्रसाद ग्रहण किया जाएगा। 27 अक्टूबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन हो जाएगा।

बांस के बने दउरा और सूप का है खास महत्व

ज्योतिषाचार्य कहते हैं कि इस पर्व में बांस के बने दउरा और सूप का प्रयोग इसलिए होता है क्योंकि इस पर्व को करने से वंश की प्राप्ति होती है, तो वंश की उपमा से जोड़कर बांस को दिया गया है, जिस कारण बांस के बने दउरा का इस्तेमाल होता है। इस पर्व की शुरुआत ऋषि पत्नी द्वारा की गई थी। इसीलिए इसमें सबसे पहले सभी ऋतु फल से भरा जाता है।

कौन-कौन से फल से सजाएं दउरा और सूप

केलाः केले को छठ पूजा में बहुत पसंद किया जाता है। यह फल समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। केले को पूजा में चढ़ाने के साथ-साथ इसे प्रसाद के रूप में भी बांटा जाता है।

पानी फल (सिंघाड़ा)ः छठ मईया को सिंघाड़ा चढ़ाना शुद्धता, धन-धान्य की प्राप्ति और देवी को खुश करने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह एक पवित्र पानी में उगने वाला फल है।

नारियलः छठी मईया को खुश करने के लिए नारियल चढ़ाना जरूरी है क्योंकि इसे परम पवित्र और शुद्ध फल माना जाता है, जो मां लक्ष्मी का स्वरूप है और यह मनोकामना पूर्ण करने का प्रतीक है।

गन्नाः छठी मईया को खुश करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए गन्ने का चढ़ावा बहुत महत्वपूर्ण है।

मूली, अदरक, हल्दीः छठी मईया के सूप पर चढ़ाए जाने वाले पौधों में अदरक, हल्दी और मूली शामिल हैं। ये पौधे छठी मईया को मूल रूप में चढ़ाए जाते हैं। खास बात यह है कि मूली और अदरक की उत्पत्ति भारत में ही हुई है। हजारों साल से छठी मईया को मूली और अदरक चढ़ाने की परंपरा है। स्कंद पुराण में छठ पर्व मनाने की पूरी विधि का वर्णन है।

ठेकुआः छठी मईया को ठेकुआ का प्रसाद चढ़ाया जाता है क्योंकि यह उनका प्रिय और पारंपरिक प्रसाद है, जिसे शुभता, समृद्धि और संतान प्राप्ति के लिए चढ़ाया जाता है।

-बिनय यादव

छठ पूजा की शुरुआत नहाए-खाए से क्यों होती है?

छठ पूजा का त्योहार नजदीक है। यह पर्व न सिर्फ धार्मिक रूप से बल्कि आस्था और अनुशासन के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। यह पर्व भगवान सूर्य की उपासना और षष्ठी माता की आराधना का होता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला यह महापर्व चार दिनों तक चलता है। 25 अक्टूबर को नहाए-खाए से इसकी शुरुआत होगी और 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इसका समापन होगा। यह पर्व न सिर्फ बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में बल्कि आज पूरे देश और विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

माता सीता ने सबसे पहले इस व्रत को किया था

माता सीता ने सबसे पहले इस व्रत को किया था। वे सूर्यवंशी भगवान श्रीराम की पत्नी थीं और सूर्यदेव की आराधना के निमित्त उन्होंने मुद्गल ऋषि के बताए अनुसार इस व्रत की शुरुआत की थी। उस समय यह पर्व छह दिनों तक चलता था जिसे अब घटाकर चार दिनों तक किया जाने लगा है।

वेदांताचार्य बताते हैं कि षष्ठी से दो दिन पहले नहाए-खाए का दिन होता है। इस दिन व्रती स्नान कर गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करते हैं और एक समय सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं जिसमें चने की दाल और लौकी (कद्दू) की सब्जी बनाई जाती है। यह भोजन शरीर को शुद्ध रखने और व्रत के लिए तैयार करने का प्रतीक माना जाता है। महंत जी ने बताया कि द्वापर युग में सूर्यपुत्र कर्ण ने भी इस व्रत को किया था। उनकी राजधानी अंग देश (वर्तमान बिहार) में थी इसलिए माना जाता है कि छठ महापर्व की मुख्य परंपरा बिहार से ही पूरे देश में फैली। द्रौपदी ने भी जब पांडव वनवास में थे, तब इस व्रत को किया था। इसलिए यह व्रत केवल धार्मिक नहीं बल्कि ऐतिहासिक परंपरा का भी प्रतीक है।

36 घंटे तक निर्जल उपवास

छठ व्रत को सबसे कठिन व्रत इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसमें 36 घंटे तक निर्जल उपवास रखा जाता है। व्रती न तो अन्न ग्रहण करते हैं न जल। यह पूर्ण आत्मसंयम और श्रद्धा का व्रत है। सूर्यदेव की आराधना करने से व्यक्ति को निरोगी काया, सुख-समृद्धि और संतान की प्राप्ति होती है। महंत कामेश्वरानंद बताते हैं कि आज विज्ञान भी मानता है कि सूर्य की रोशनी से शरीर में ऊर्जा आती है और आंखों की कई बीमारियां दूर होती हैं।

कैसे शुरू होती छठ की पूजा

छठ पूजा प्रकृति से गहराई से जुड़ा पर्व है। इसमें व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर दिनभर की थकान और दुखों को विदा करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नए जीवन और उजाले का स्वागत करते हैं। ऐसा माना जाता है कि माता सीता ने सबसे पहले यह व्रत मुंगेर और सरयू नदी के किनारे किया था। आज वही परंपरा हर घर में, हर घाट पर दोहराई जाती है जहां महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर, सिर ढककर, पूरी श्रद्धा से सूर्य को अर्घ्य देती हैं। छठ पूजा केवल पूजा नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि, संयम, और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यही कारण है कि इसे सनातन धर्म का सबसे कठिन और सबसे पवित्र महापर्व कहा गया है।

-श्रीमती पिंकी सिंह

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया 'थामा' की शूटिंग का अनुभव

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'थामा' 21 अक्टूबर को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं।फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन भी शानदार रहा है, लेकिन अब रश्मिका मंदाना ने अपने शूटिंग के दिनों को याद किया है और अपने को-स्टार से लेकर क्रू-मेंबर्स तक को दिल से शुक्रिया कहा है। रश्मिका मंदाना ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और शूटिंग सेट की अनदेखी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे कभी मेकअप करती दिख रही हैं तो कभी रात को हॉरर सीन की शूटिंग कर रही हैं। देखकर साफ पता चल रहा है कि एक-एक सीन को परफेक्ट बनाने के लिए सभी ने कितनी मेहनत की है।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ₹ओह... मैं कहां से शुरू करूं... पहली कॉल-शीट से लेकर आखिरी कट शीट तक, यह फिल्म सिर्फ काम से कहीं अधिक रही है... यह दिल की, धैर्य की, हंसी और चोटों की और उन सुबहों की यात्रा रही है जिनके लिए हम जागना नहीं चाहते थे और उन रातों की जिन्हें हम खत्म नहीं करना चाहते थे।₹

रश्मिका मंदाना ने आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का शुक्रिया भी अदा किया है, क्योंकि उनके साथ सीन करना सहज और स्वाभाविक रहा, जबकि डायरेक्टर आदित्य ने हर डायलॉग को ठीक से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी होता था कि वे अपना मेकअप उतारना भूल जाती थी, क्योंकि वे बहुत थक जाती थी, ऐसे में मेकअप मैन उनकी मदद करते थे।

हॉरर-कॉमेडी 'थामा' फिल्म की बात करें तो फिल्म को मैडॉक के बैनर तले ही बनाया गया है और ये उनकी हॉरर यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, जो पर्दे पर हिट होने के लिए तैयार है। इससे पहले मैडॉक 'स्त्री', 'स्त्री'-2, 'भेड़िया', और 'मुंज्या' बना चुके हैं और चारों ही फिल्मों ने अच्छी कमाई की।

फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में आयुष्मान खुराना एक वैम्पायर बन जाते हैं और रश्मिका मंदाना पहले से ही वैम्पायर है, अब दोनों को प्यार हो जाता है और नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक तांत्रिक बने हैं, जो बुरी शक्तियों के राजा बनना चाहते हैं। फिल्म में हॉरर, रोमांस और कॉमेडी तीनों देखने को मिलेंगे।

मैंने और एनटीआर ने आंख मूंदकर भरोसा किया, गलती हो गई...

'वॉर 2' के पिटने पर भड़के नागा वामसी

तेलुगू सुपरस्टार जूनियर NTR ने बीते अगस्त में 'वॉर 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया। एक सुपरहिट फ्रेंचाइज का हिस्सा होने के बावजूद ऋतिक रोशन और एनटीआर की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। यह फैंस के लिए जोरदार झटका तो था ही, लेकिन दर्द ये भी कि 'वॉर 2' को YRF स्पाई यूनिवर्स की अब तक की सबसे कमजोर फिल्म कहा गया। ना सिर्फ हिंदी, बल्कि तेलुगू दर्शकों के बीच भी फिल्म की बहुत भद पिटी। अब तेलुगू फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर और प्रोड्यूसर नागा वामसी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के सारा दोष यशराज फिल्मस के ऊपर मढ़ दिया है। नागा वामसी ने कहा कि उन्होंने और जूनियर एनटीआर, दोनों ने YRF पर आंख मूंद कर भरोसा किया, लेकिन यही उनकी सबसे बड़ी गलती साबित हुई।

नागा वामसी इन दिनों अपनी अपकिमंग फिल्म 'मास जथारा' के प्रचार में जुटे हुए हैं। नागा वासी, फिल्म के लीड एक्टर और सुपरस्टार रवि तेजा और डायरेक्टर कल्याण शंकर के साथ 'सितारा एंटरटेनमेंट्स' यूट्यूब चैनल से बात कर रहे थे। इसी दौरान 'वॉर 2' को लेकर उनका दर्द छलक उठा।

'गलतियां सबसे होती हैं, हमनें आंख मूंदकर भरोसा किया'

नागा वामसी ने कहा, 'गलतियां सब से होती हैं। हर कोई कभी न कभी गलतियां करता है। आदित्य चोपड़ा भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े निर्माता हैं। एनटीआर और मैंने यशराज फिल्म्स पर आंख मूंदकर भरोसा किया, लेकिन यह नाकाम रहा।'

'मैं वॉर 2 का प्रोड्यूसर नहीं, पर मेरी भी ऑनलाइन खूब आलोचना हुई'

वामसी ने बताया कि वह भले ही फिल्म के निर्माता नहीं थे, लेकिन बावजूद इसके 'वॉर 2' के पिटने पर उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'गलती उनकी तरफ से है, लेकिन आलोचना हमें झेलनी पड़ी। हमने फिल्म नहीं बनाई। मुझे खुशी है कि हमें जो ट्रोलिंग झेलनी पड़ी, वह हमारी बनाई फिल्म के लिए नहीं थी।'

400 करोड़ के बजट में बनी 'वॉर 2' देश में 236 करोड़ में सिमटी

अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी 'वॉर 2', YRF के स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा फिल्म में कियारा आडवाणी और आशुतोष राणा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने पहले दिन देशभर में धमाकेदार 52 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग ली।

लेकिन दो दिन बाद ही दर्शकों के नेगेटिव रिव्यूज के कारण फिल्म का बिजनस बुरी तरह गिरने लगा। इसका असर ये हुआ कि 400 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म देश में लाइफटाइम 236.55 करोड़ का नेट कलेक्शन और वलर्डवाइड 364.35 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन ही कर पाई।

दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर वाणी कपूर ने जताई चिंता

दीपावली के एक दिन बाद देश की राजधानी नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। इस पर अभिनेत्री वाणी कपूर ने चिंता जताई।उन्होंने एक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल हम वायु प्रदूषण को बढ़ाए बिना जश्न मनाने का कोई नया तरीका तलाश करेंगे। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जब वह सुबह उठीं तो नई दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 447 तक पहुंच गया। उन्होंने लिखा, सुबह उठी तो दिल्ली का एक्यूआई 447 था, जो आज दुनिया में सबसे अधिक है। शायद अगले साल, हम हवा को प्रदूषित किए बिना जश्न मनाने का तरीका खोज लें।

उनका इशारा दीपावली की रात में फोड़े गए पटाखों से हुए प्रदूषण की तरफ था, जिसके चलते राजधानी की वायु गुणवत्ता का स्तर गिर गया। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई लेवल बढ़ जाता है। इसके लिए अधिकतर लोग दीपावली में इस्तेमाल किए गए पटाखों को दोष देते हैं।

फिल्मों की बात करें तो वाणी कपूर को पिछली बार 'द बुचर ऑफ बनारस' उपन्यास पर आधारित 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके साथ उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। इसमें उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की कहानी है। यहां होने वाले मर्डर एक पुरानी लेकिन अजीब प्रथा से जुड़े थे। इसकी जांच करने में जुटी पुलिस के सामने ऐसे भेद खुलते हैं जो कुछ लोगों की आस्था पर सवाल खड़े करते हैं।

इस सीरीज में वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी हैं। वाणी कपूर अगली बार नवजोत गुलाटी द्वारा निर्देशित 'बदतमीज गिल' में दिखाई देंगी।

इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड क्लेन और मोनिका चौधरी भी हैं। इसकी रिलीज डेट अभी फाइनल नहीं हुई है। वाणी कपूर की पिछली फिल्म 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया गया था। इसमें पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के साथ उनकी जोड़ी बनी थी।

मीरा राजपूत ने दीवाली पर पटाखों को लेकर जताई नाराजगी, कहा- ये परंपरा नहीं, पर्यावरण की खराबी

हर साल दीवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर जिस तरह से बढ़ता है, वह अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हमारी सेहत पर सीधा असर डालने लगा है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला जब दीवाली के बाद दिल्ली और मुंबई की हवा बेहद खराब हो गई।राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया, जबकि मुंबई के कई हिस्सों में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर पर दर्ज की गई। इस चिंताजनक स्थिति पर अब सोशल मीडिया के जरिए कई आवाजें उठ रही हैं।

इन्हीं में से एक हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर की आवाज, जिन्होंने पटाखों को लेकर लोगों की सोच पर सवाल खड़े किए हैं। मीरा राजपूत कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए पटाखे चलाने की परंपरा पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा, ''हम हर साल पटाखे फोड़ने को बच्चों की खुशी या पारंपरिक अनुभव के नाम पर दोहराते हैं, लेकिन ये सोच ही गलत है। अगर हम बड़े लोग पटाखे चलाने को सामान्य मानेंगे, तो हमारे बच्चे भी यही सीखेंगे और ये सिलसिला कभी नहीं रुकेगा।''

उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बार, सिर्फ देखने के लिए, या सिर्फ इंस्टाग्राम के लिए, ये कोई भी वजह पटाखे फोड़ने को सही नहीं ठहराती। मीरा ने खास तौर पर सोशल मीडिया पर दिखावे के चलन पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि केवल एक सुंदर तस्वीर के लिए हाथ में फुलझड़ी लेना और उसे 'पटाका एस्थेटिक' कह कर दिखाना, दरअसल हवा में जहर घोलने जैसा है। यह पर्यावरण की तबाही की तरह है। ये कोई ऐसा अनुभव नहीं है, जिसे बच्चों को देना जरूरी हो। अगर हम इस व्यवहार को बार-बार दोहराते रहेंगे, तो अगली पीढ़ी भी इसे परंपरा का हिस्सा समझती रहेगी और यह कभी खत्म नहीं होगा।

मीरा ने अपने पोस्ट में उन लोगों की दोहरी सोच पर भी सवाल उठाए जो साल भर पर्यावरण की बात करते हैं, बच्चों से 'पटाखे नहीं जलाने' के पोस्टर बनवाते हैं, लेकिन दीवाली आते ही खुद पटाखे फोड़ने लगते हैं। उन्होंने इसे दिखावा और पाखंड बताया। उनके अनुसार यह सिर्फ सोशल मीडिया की स्टोरी के लिए नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की सांसों की बात है। हवा की गुणवत्ता कोई खबर नहीं, बल्कि हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जिसे हम हर साल नजरअंदाज करते हैं। मीरा ने आगे कहा, ''जब पढ़े-लिखे, जागरूक और संपन्न लोग भी ऐसे मामलों में समझदारी नहीं दिखाते, तो यह और भी दुखद होता है। मैं अपने बच्चों को पटाखों का तमाशा नहीं दिखाती, क्योंकि यह उनकी सेहत और सोच दोनों के लिए गलत है।''

सिंगर-एक्टर ऋषभ टंडन का हार्ट अटैक से निधन

लगता है कि बॉलीवुड को किसी की नजर लग गई है। दिवाली पर जहां गोवर्धन असरानी चल बसे, वहीं दो दिन बाद एक्टर और सिंगर ऋषभ टंडन का निधन हो गया। वहीं, दिवाली से पांच दिन पहले यानी 15 अक्टूबर को पंकज धीर का निधन हो गया था। एक के बाद एक सेलेब्स के जाने से इंडस्ट्री में हलचल मच गई है और फैंस भी शॉक में हैं। ऋषभ टंडन परिवार संग दिवाली मनाने दिल्ली आए थे, और यहीं पर मौत ने उन्हें निगल लिया।

परिवार संग मनाने आए थे दिवाली, हो गई मौत

ऋषभ टंडन 22 अक्टूबर को दिल्ली में परिवार के साथ थे, और इसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगर की टीम के पूर्व सदस्य ने इसकी पुष्टि की और कहा कि ऋषभ का परिवार और करीबी लोग अभी सदमे में हैं। ऋषभ परिवार और पत्नी को रोता-बिलखता छोड़ गए हैं।

पत्नी संग मुंबई में रहते थे ऋषभ टंडन, बाकी फैमिली दिल्ली में

मालूम हो कि ऋषभ टंडन पत्नी के साथ मुंबई में रहते थे। इस बार उन्होंने दिल्ली में परिवार संग दिवाली मनाने का प्लान बनाया था। वो दिवाली मनाने दिल्ली पहुंचे, पर नहीं जानते थे कि यहां मौत उनका इंतजार कर रही है। ऋषभ की अपने परिवार के साथ यह आखिरी दिवाली रही।

परिवार ने मांगी प्राइवेसी, ये था ऋषभ का आखिरी पोस्ट

ऋषभ की मौत के बाद परिवार ने स्टेटमेंट जारी किया है और प्राइवेसी मांगी है। बताया जा रहा है कि अभी ऋषभ टंडन का अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। ऋषभ का इंस्टाग्राम पर आखिरी पोस्ट 11 अक्टूबर का है। ऋषभ ने साल 2019 में शादी की थी। उन्होंने हमारे सहयोगी 'टाइम्स ऑफ इंडिया' को बताया था कि पत्नी ओलेस्या उज़्बेकिस्तान में उनकी डिजिटल सीरीज की लाइन प्रोड्यूसर थीं। हालांकि, उस दिन उन्होंने ओलेस्या से सीधे बात नहीं की थी, लेकिन संयोग से, उनकी मुलाकात ओलेस्या से फिर उस दिन हुई जिस दिन वह उज़्बेकिस्तान छोड़ रहे थे।

ऋषभ टंडन का करियर, गाने और फिल्में

ऋषभ टंडन को 'फकीर सिंगर' के नाम से भी जाना जाता था। उन्हें यह नाम उनके 'फकीर' गाने के हिट होने के बाद मिला था। ऋषभ ने 'चांद दू', 'ये आशिकी', 'धू धू करके' और 'फकीर की जुबानी' जैसे गाने गाए थे। वह एक्टर भी थे, और 'रशनाः द रे ऑफ लाइट' और 'फकीर-लिविंग लिमिटलेस' जैसी फिल्मों में काम किया था।

'थामा' का 'यक्षासन' मेरे बच्चों को जरूर पसंद आएगा - नवाजुद्दीन सिद्दीकी

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फिल्म के किरदार को लेकर बात की और बताया कि यह किरदार उनके बच्चों के लिए खास रूप से रोमांचक होने वाला है। नवाजुद्दीन ने कहा, ''यह रोल मेरे लिए काफी अलग और नया है, जिसे मैं लंबे समय से निभाना चाह रहा था। फिल्म में मेरी भूमिका थोड़ी अजीब है, लेकिन यही अजीबपन बहुत दिलचस्प और मजेदार होने वाला है। मैं अपने अनुभव से बेहद खुश हूं। जब मेरे बच्चे फिल्म में मेरे किरदार 'यक्षासन' को देखेंगे, तो यकीनन उसे जरूर पसंद करेंगे। मैंने इस किरदार को निभाने में काफी मेहनत की है।'' नवाजुद्दीन ने अपनी भूमिका की एक बल्लेबाज से तुलना की, जो मैच में पूरी तैयारी के बावजूद भी अनपेक्षित गेंद का सामना करता है। उन्होंने आगे कहा, ''यह रोल मिलना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। फिल्मकार अब भी मुझे नए और अलग अवतार में देख रहे हैं।''

बता दें कि फिल्म 'थामा' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षासन नाम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा, आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल भी लीड रोल में हैं। वहीं 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वह 'पंचायत' सीरीज में प्रहलाद चाचा के रोल में दिखे थे।

यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर है। इसमें एक वैंपायर की लव स्टोरी दिखाई जाएगी। इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक ने मिलकर किया है।

फिल्म की कहानी निरंजन भट्ट और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है। यह मैडॉक्स फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। इस बैनर तले 'स्त्री', 'स्त्री 2', 'भेड़िया', और 'मुंज्या' जैसी मूवीज बन चुकी हैं।

शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट 'बैस्टियन' की हर रात की कमाई सुन कान से निकलेगा धुआं, प्रतिदिन 2-3 करोड की कमाई

शिल्पा शेट्टी के मुंबई वाले रेस्टोरेंट 'बैस्टियन' की एक रात की कमाई को लेकर शोभा डे ने हैरान करने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि यहां करीब 1400 लोगों के खाने का इंतजाम है और लोग लैम्बोर्गिनी जैसी गाड़ियों में आते हैं। उन्होंने बताया कि एक-एक टेबल का कितना बिल आता है।

शिल्पा शेट्टी के मुंबई बेस्ड रेस्टोरेंट 'बैस्टियन' को लेकर राइटर शोभा डे ने कुछ हैरान करने वाली बातें कही हैं। उनका कहना है कि इस रेस्टोरेंट की हर रात की कमाई करीब 2-3 करोड़ रुपये होती है और यहां लोग लाखों में खर्च करते हैं। शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित नए रेस्टोरेंट 'बैस्टियन' की बात करें तो ऐसा नहीं कि ये बड़ी-बड़ी हस्तियों और फिल्मी सिलेब्रिटीज़ की पार्टीज़ के लिए एक बड़ा अड्डा हो। यहां का आंखों देखा हाल राइटर शोभा डे ने सुनाया है।

शोभा डे ने खुलासा किया कि शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित रेस्टोरेंट बैस्टियन का कथित तौर पर हर रात 2-3 करोड़ रुपये का कारोबार होता है, जिसमें भोजन करने वाले एक रात के लिए लाखों खर्च करते हैं।

हर रात 2-3 करोड़ रुपये का कारोबार !

इसी रेस्टोरेंट को लेकर राइटर और सोशलाइट शोभा डे ने हाल ही में कुछ ऐसी बातें कही हैं जिसे सुनकर आपका मुंह खुला का खुला रह जाएगा। जी हां, 'बैस्टियन' की पॉप्युलैरिटी पर बातें करते हुए उन्होंने बताया कि यहां कथित तौर पर हर रात 2-3 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। उन्होंने कहा कि यहां कस्टमर्स एक रात बाहर बिताने के लिए लाखों रुपये खर्च करते हैं।

आम दिनों में ये कमाई 2 करोड़ रुपये और वीकेंड पर 3 करोड़ रु

उन्होंने कहा, 'मुंबई में जिस तरह का पैसा है वो हैरान करने वाला है। मुंबई के एक अकेले रेस्टोरेंट का कारोबार एक रात में 2-3 करोड़ रुपये का है। आम दिनों में ये कमाई 2 करोड़ रुपये और वीकेंड पर 3 करोड़ रुपये के आसपास है। मैं खुद ये देखने के लिए उस रेस्टोरेंट में गई, क्योंकि जब मैंने ये आंकड़े सुने तो मैंने कहा कि यह सच नहीं हो सकता।'

रेस्टोरेंट करीब 21,000 फुट स्क्वायर फीट में फैला

उन्होंने कहा, 'यह बैस्टियन है, नया बैस्टियन। यह सबसे टॉप पर है। ये रेस्टोरेंट करीब 21,000 फुट स्क्वायर फीट में फैला है।' शोभा ने इस बातचीत में ये भी बताया कि शिल्पा का ये रेस्टोरेंट एक रात में 1,400 लोगों को खाना खिलाता है यहां मेहमान महंगी कारों में आते हैं।

उन्होंने कहा, 'वे दो सिटिंग्स में बैठते हैं और एक सिटिंग में करीब 700 लोग बैठते हैं। ये एक रात में 1,400 लोगों को कवर करता है। दादर में सड़क के किनारे नीचे लोगों की एक लंबी वेटिंग लाइन है, जो मुंबई के पुराने महाराष्ट्रियन कन्जर्वेटिव एरिया का हार्टलैंड है। लोग लैम्बोर्गिनी और एस्टन मार्टिन में आते हैं। ये लोग कौन हैं, मुझे कुछ पता नहीं।'

इसी के साथ उन्होंने अपना पर्सनल एक्सपीरियंस भी शेयर किया और कहा कि इस रेस्टोरेंट में उन्होंने कोई जाना-पहचाना या मशहूर चेहरा नहीं देखा। शोभा ने कहा, 'मैं शॉक्ड थी। मैं उन सभी 700 लोगों में से एक भी चेहरा नहीं जानती थी, जो वहां खा रहे थे। वे यंग थे और वे टेबल के लिए सबसे अच्छी टकीला की बोतलें ऑर्डर कर रहे थे। हर टेबल पर लाखों के बिल बन रहे थे लेकिन वे बिल्कुल अजनबी लोग थे।'

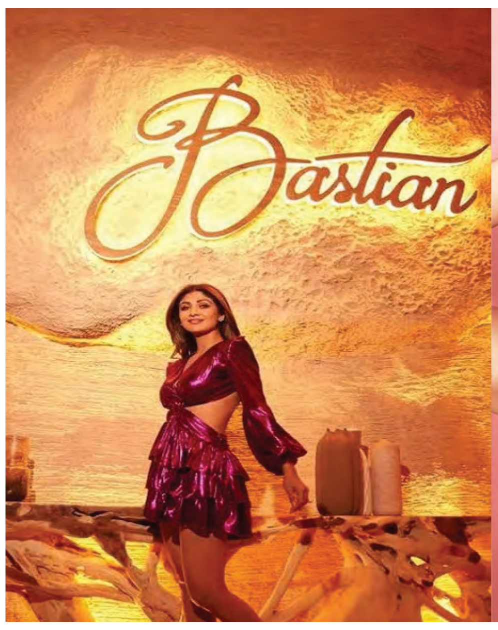

बता दें कि शिल्पा ने 2019 में बैस्टियन ब्रैंड के फाउंडर रंजीत बिंद्रा के साथ पार्टनरशिप की। वह अब भारत भर में कई रेस्टोरेंट की को-ओनर हैं और ब्रैंड में उनकी 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। शिल्पा ने कुणाल विजयकर के साथ बातचीत में स्वीकार किया कि वह भारत के सबसे बड़े रेस्टोरेंट मालिकों में से एक हैं। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पिछले काफी समय में एक धोखाधड़ी के मामले में फंसे हुए हैं। कोर्ट ने शर्त रखी कि विदेश यात्रा की अनुमति लेने से पहले उन्हें 60 करोड़ रुपये जमा करने होंगे।

दिन भर एक जगह पड़े रहना कर सकता है आपको बीमार, क्या है आयुर्वेद में समाधान

आज की डिजिटल और व्यस्त जीवनशैली ने इंसान को शारीरिक रूप से इतना निष्क्रिय बना दिया है कि स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। घंटों तक एक ही जगह बैठना, मोबाइल और लैपटॉप की स्क्रीन पर लगातार नजरें गड़ाए रखना और शारीरिक श्रम से दूरी रखना आज आम बात हो गई है। यह निष्क्रियता धीरे-धीरे अनेक रोगों की जड़ बनती जा रही है।

आयुर्वेद के अनुसार, जब शरीर को उचित मात्रा में गतिविधि नहीं मिलती, तो वात, पित्त और कफ तीनों दोष असंतुलित होकर अनेक रोगों को जन्म देते हैं। चरक संहिता में स्पष्ट कहा गया है कि नियमित व्यायाम से स्वास्थ्य, दीर्घायु, बल और मानसिक सुख प्राप्त होते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, जोड़ों का

दर्द, मानसिक तनाव, पाचन विकार और प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। लगातार बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, वसा जमा होती है, रक्त संचार बाधित होता है और हार्मोन असंतुलन के कारण मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

आयुर्वेद में इन समस्याओं के लिए प्राकृतिक और घरेलू समाधान बताए गए हैं। सबसे पहला उपाय है दैनिक व्यायाम। सुबह कम से कम 30 मिनट टहलना या हल्की दौड़ लगाना अत्यंत लाभकारी है। सूर्य नमस्कार को संपूर्ण व्यायाम माना गया है जो शरीर को संतुलन, लचीलापन और ऊर्जा प्रदान करता है। साथ ही, ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन जैसे सरल आसन नियमित रूप से करने चाहिए। प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, कपालभाति और सूर्यभेदी नाड़ी शरीर के दोषों को संतुलित कर मानसिक शांति भी देते हैं।

संतुलित आहार भी आवश्यक है। भारी, तली-भुनी चीजों की बजाय हरी सब्जियां, अंकुरित अनाज, फल और हल्का भोजन करना चाहिए। सुबह गुनगुना पानी या त्रिफला जल पीना पाचन में सहायक होता है। भोजन के बाद कुछ देर टहलना पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है।

अभ्यंग यानी तेल मालिश भी आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण अभ्यास माना गया है, जिससे शरीर की थकान दूर होती है और स्नायु मजबूत होते हैं।

शारीरिक गतिविधि सिर्फ शरीर के लिए नहीं, बल्कि मन और आत्मा के लिए भी आवश्यक है। यदि हम डिजिटल जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करें, तो हम अनेक गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

प्रेगनेंसी में मां को क्या चीजें खानी चाहिए और क्या नहीं?

गर्भावस्था के दौरान हर एक निवाला मायने रखता है। इस समय जो भी मां खाती है, वही आने वाले बच्चे की सेहत और विकास की नींव बनता है। इसलिए इस समय खाने-पीने की आदतों पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देना जरूरी होता है।सबसे पहले बात करें पौष्टिक आहार की, तो गर्भवती महिला को रोजाना दूध या दही जैसे डेयरी प्रोडक्ट जरूर लेने चाहिए, क्योंकि इनमें कैल्शियम और प्रोटीन होता है, जो बच्चे की हड्डियों और दांतों के विकास के लिए बहुत जरूरी है। साथ ही, मौसमी फल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, बथुआ आदि खाने से शरीर को आयरन और फोलिक एसिड मिलता है, जो खून की कमी को दूर रखता है और बच्चे के ब्रेन डेवेलपमेंट में मदद करता है।

इसके अलावा, साबुत अनाज जैसे गेहूं, दालें, और चावल शरीर को एनर्जी देते हैं। गुड़ भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि ये नेचुरल स्वीटनर है और शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाता है। सूखे मेवे जैसे बादाम, अखरोट, और खजूर भी ताकत देते हैं और मां-बच्चे दोनों की इम्युनिटी को मजबूत बनाते हैं।

अगर बात करें क्या नहीं खाना चाहिए, तो गर्भावस्था में बासी खाना और बहुत ज्यादा मसालेदार या तला-भुना खाना पाचन में दिक्कत कर सकता है। ज्यादा खट्टा, नमकीन या भारी खाना भी शरीर पर बोझ डालता है। साथ ही, जरूरत से ज्यादा चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक पीने से बचना चाहिए, क्योंकि ये बच्चे की सेहत

पर असर डाल सकता है।

बार-बार और सादा खाना सबसे अच्छा माना जाता है। खाना धीरे-धीरे, ध्यान से और आराम से खाना चाहिए ताकि पाचन भी अच्छा हो और शरीर को पूरा पोषण मिले। पानी खूब पीना चाहिए ताकि शरीर में डिहाइड्रेशन न हो।

एक स्वस्थ मां ही स्वस्थ बच्चे को जन्म देती है। इसलिए गर्भावस्था के इन नौ महीनों में संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके अलावा, अपनी दिनचर्या में भी थोड़ा बदलाव लाना जरूरी है। सुबह समय से उठें, वॉक पर जाएं, समय से खाना खाएं और रात को टाइम से सो जाएं।

त्वचा को चमकदार और गठिया जैसी बीमारियों को हराने में कारगर ये 'सुपरफ्रूट'

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर अंजीर एक ऐसा ड्राई फ्रूट है, जो न केवल त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक है बल्कि इसके रोजाना सेवन से गठिया, लकवे तथा पेशाब में जलन जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अंजीर खाने से लोगों को कई तरह के फायदे होते हैं। इसके नियमित सेवन से शरीर को मजबूती मिलती है। फाइबर की अधिकता से पाचन क्रिया भी ठीक तरीके से काम करती है। भरपूर मात्रा में मिनरल्स होने के कारण इसका नियमित सेवन खासकर त्वचा के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार होती है। इसके अलावा, इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो दिल को स्वस्थ और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय इसके रोजाना सेवन की सलाह देता है। मंत्रालय के अनुसार, "अंजीर एक 'सुपरफ्रूट' है जो केवल स्वाद ही नहीं, सेहत की गारंटी भी देता है। यह शरीर की ताकत बढ़ाता है, प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और गठिया, लकवे तथा पेशाब में जलन जैसी समस्याओं में राहत देता है। रोजाना अंजीर का सेवन बेहद फायदेमंद होता है।"

अंजीर में विटामिन सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। अंजीर में कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और नेचुरल शुगर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं, अंजीर को रात में पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खाने से इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। इसका पानी पीना भी बेहद फायदेमंद होता है। अंजीर का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जो वजन घटाने में सहायक होता है। यह शरीर में फैट बर्निंग प्रोसेस को भी बढ़ाने में मदद करता है।

अंजीर में पोटैशियम के अलावा कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट से जुड़ी समस्या में बेहद फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह वजन को कम करने में भी अहम भूमिका निभाता है। अंजीर अपने गुणों के चलते बेहद खास है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को इसका सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए।

क्या आपको भी आते हैं रोज डरावने सपने?

किसी भी व्यक्ति के लिए डरावने सपने आना एक बेचैन कर देने वाला अनुभव होता है। अगर ऐसे सपने कभी-कभी आते हैं तो या लंबे समय के अंतराल पर आता है तो ऐसा होना सामान्य है। लेकिन अगर ये डरावने सपने आपको लगातार हर दिन आ रहे हैं और आपकी नींद को बाधित कर रहे हैं, तो यह आपके शरीर में किसी अंदरूनी बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकता है। चिकित्सा विज्ञान में बुरे सपनों की अधिक आवृत्ति को अक्सर मानसिक स्वास्थ्य विकारों या कुछ गंभीर शारीरिक समस्याओं से जोड़ा जाता है।

ये सपने आपके मस्तिष्क के आरईएम स्टेज में गड़बड़ी को दर्शाते हैं। आरईएम स्टेज हमारे नींद का वह स्टेज है जब हम सपने देखते हैं। ये सपने न केवल आपकी नींद की गुणवत्ता को खराब करते हैं, बल्कि दिनभर आपको थका हुआ, चिंतित और चिड़चिड़ा भी महसूस करा सकते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि आपको रोज आने वाले डरावने सपने किन गंभीर

बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकते हैं।

पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

डरावने सपने आने का सबसे आम कारण अत्यधिक तनाव या चिंता है। अगर आप किसी मुश्किल भावनात्मक दौर से गुजर रहे हैं, तो दिमाग उस तनाव को सोते समय बुरे सपनों के रूप में बाहर निकालता है। किसी दर्दनाक घटना से गुजरने वाले लोगों में पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर का यह एक विशिष्ट लक्षण है, जहां मरीज बार-बार उस घटना से जुड़े डरावने सपने देखते हैं।

नींद संबंधी विकार

डरावने सपने आना नींद संबंधी विकारों का भी संकेत हो सकता है, जैसे स्लीप एपनिया। स्लीप एपनिया में सोते समय सांस बार-बार रुकती है, जिससे मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। ऑक्सीजन की कमी से दिमाग में तनाव पैदा होता है, जिससे नींद टूटती है और व्यक्ति को डरावने सपने आ सकते हैं।

डरावने सपने और पार्किंसंस रोग का संबंध

कुछ शोध बताते हैं कि रोजाना डरावने सपने आना, खासकर आरईएम स्लीप बिहेवियर डिसऑर्डर (RBD) के साथ, पार्किंसंस रोग जैसी तंत्रिका संबंधी समस्याओं का शुरुआती संकेत हो सकता है। RBD एक ऐसी स्थिति है जहां व्यक्ति सपने में होने वाली हरकतों को शारीरिक रूप से जीना शुरू कर देता है जैसे चिल्लाना या हाथ-पैर मारना।

चूंकि पार्किंसंस रोग मस्तिष्क की कोशिकाओं को प्रभावित करता है, इसलिए RBD को अक्सर इस गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी का शुरुआती संकेत माना जाता है। यदि आपको या आपके परिवार में किसी को ऐसे लक्षण दिखते हैं, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

दवाओं का साइड इफेक्ट और डिप्रेशन

कुछ खास तरह की दवाएं, खासकर एंटीडिप्रेसेंट्स, या हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं की वजह से भी बुरे सपने आ सकते हैं। इसके अलावा डिप्रेशन भी मस्तिष्क के स्लीप साइकिल को प्रभावित करता है। अगर आप में से कोई नई दवा लेना शुरू किए हैं और उसके बाद से डरावने सपने आ रहे हैं, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

एचजीपीएस के कारण बच्चों का चेहरा भी दिखने लगता है बूढ़ों जैसा, कैसे कम होगा ये खतरा?

उम्र बढ़ना एक सामान्य प्रक्रिया है। आमतौर पर 50 की उम्र के बाद त्वचा पर इसका असर दिखने लगता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आप अब बुढ़ापे की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि गड़बड़ होती दिनचर्या, खानपान की अशुद्धि के कारण लोगों में समय से पहले बुढ़ापा आने का खतरा बढ़ता जा रहा है। यह समस्या तेजी से युवाओं में बढ़ रही है। इतना ही नहीं, कुछ बच्चे जन्म से ही तेजी से बूढ़े दिखने लगते हैं।

जहां पहले झुर्रियां, सफेद बाल और थकान 50 की उम्र के बाद दिखते थे, वहीं अब यह संकेत 20 या 30 की उम्र में ही नजर आने लगे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मानव शरीर की कोशिकाएं समय के साथ खुद को रिपेयर करती हैं, लेकिन जब जीवनशैली असंतुलित हो जाती है तो यह प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। इससे त्वचा, हड्डियां और मांसपेशियां जल्दी कमजोर होने लगती हैं।

यही कारण है कि आज कई युवा और बच्चे भी लगातार थकान, तनाव, बाल झड़ने, त्वचा ढीली पड़ने और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो बुढ़ापे के शुरुआती संकेत हैं।

गड़बड़ जीवनशैली से प्रभावित हो रही हैं त्वचा की कोशिकाएं

अध्ययन बताते हैं कि नींद की कमी, मोबाइल की ब्लू लाइट, जंक फूड, प्रदूषण, और मानसिक तनाव शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और एजिंग हार्मोन कोर्टिसोल को सक्रिय कर देते हैं। यही वजह है कि आधुनिक जीवनशैली बच्चों के लिए भी हानिकारक होती जा रही है।

हचिंसन-गिलफोर्ड प्रोजेरिया सिंड्रोम

मेडिकल रिपोर्ट्स बताती हैं कि कुछ बच्चे जन्म से ही तेजी से बूढ़े दिखने लगते हैं। यह हचिंसन-गिलफोर्ड प्रोजेरिया सिंड्रोम (एचजीपीएस) नामक दुर्लभ बीमारी का असर है लेकिन हाल में चीन के वैज्ञानिकों ने एक नई उम्मीद जगाई है। उन्होंने पाया है कि यदि शरीर की कोशिकाओं में लाइसोसोम को सक्रिय किया जाए तो यह बीमारी और समय से पहले आने वाले सामान्य बुढ़ापे की प्रक्रिया दोनों को धीमा किया जा सकता है। यह अध्ययन 'साइंस' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में क्या पता चला?

पेइचिंग विश्वविद्यालय और कुनमिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में यह पाया कि कोशिकाओं में मौजूद प्रोजेरिन नामक दोषपूर्ण प्रोटीन एचजीपीएस बीमारी का मुख्य कारण है। यह प्रोटीन कोशिकाओं की दीवार को नुकसान पहुंचाता है, डीएनए को क्षतिग्रस्त करता है और कोशिकाओं को समय से पहले बूढ़ा बना देता है।

शोध में बताया गया है कि सामान्य रूप से लाइसोसोम जिसे कोशिका का सफाईकर्मी कहा जाता है इन हानिकारक प्रोटीनों को हटाने का काम करता है लेकिन एचजीपीएस मरीजों में लाइसोसोम की कार्यक्षमता घट जाती है, जिससे प्रोजेरिन शरीर में जमा होकर बीमारी को बढ़ाता है।

वैज्ञानिकों ने प्रोटीन काइनेज सी (पीकेसी) को सक्रिय करके और एमटीओआरसी1 नामक प्रोटीन कॉम्प्लेक्स को अवरुद्ध करके लाइसोसोम को दोबारा सक्रिय किया। इससे नए लाइसोसोम बनने लगे और कोशिकाओं से प्रोजेरिन को तेजी से साफ किया गया। इसके प्रभाव से कोशिकाओं में डीएनए की क्षति कम हुई और बुढ़ापे के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई।

यह शोध संकेत देता है कि बुढ़ापा पूरी तरह अपरिवर्तनीय नहीं है। कोशिकाओं की प्राकृतिक सफाई प्रणाली लाइसोसोम को पुनः सक्रिय कर इंसान के स्वास्थ्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। बच्चों में आने वाले समयपूर्व बुढ़ापे की बीमारी से जूझ रहे परिवारों के लिए यह खोज नई उम्मीद लेकर आई है।

यह प्रक्रिया महिला और पुरुष दोनों पर प्रभावी

लाइसोसोम को सक्रिय कर बुढ़ापे की प्रक्रिया को धीमा करना महिला और पुरुष दोनों में समान रूप से संभव है, क्योंकि यह कोशिकीय स्तर पर काम करने वाली जैविक प्रक्रिया है न कि लिंग-विशिष्ट। लाइसोसोम का कार्य शरीर की सभी कोशिकाओं में एक जैसा होता है। यह क्षतिग्रस्त प्रोटीन को हटाकर कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है।

जब वैज्ञानिकों ने पीकेसी को सक्रिय करने और एमटीओआरसी1 को अवरुद्ध करने के तरीके अपनाए, तो दोनों ही लिंगों की कोशिकाओं में लाइसोसोम की कार्यक्षमता बढ़ी और बुढ़ापे के संकेत धीमे हुए। चूंकि यह प्रक्रिया डीएनए मरम्मत, कोशिकीय चयापचय और अपशिष्ट निष्कासन से जुड़ी है, इसलिए यह पुरुष और महिला दोनों में समान रूप से प्रभावी मानी जाती है। हालांकि हार्मोनल अंतर इसकी गति और परिणाम को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं।

अचानक बढ़ जाता है ब्लड प्रेशर आयुर्वेद में लिखे हैं बचने के उपाय

आजकल की जीवनशैली और खानपान ने मानव शरीर को कई रोगों से ग्रस्त कर दिया है। छोटी उम्र में ही बड़ी उम्र की बीमारियां होने लगी हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट की मानें तो आज के समय में उच्च रक्तचाप की समस्या से देश के 30 फीसदी युवा जूझ रहे हैं। कुछ लोग उच्च रक्तचाप को बीमारी ही नहीं मानते और कुछ लोगों को इस बीमारी के बारे में जानकारी ही नहीं है कि कैसे ये ₹साइलेंट किलर₹ की तरह शरीर को अंदर से खोखला कर देता है। आयुर्वेद में उच्च रक्तचाप को वात दोष का असंतुलन माना गया है। शरीर में जब वात दोष ज्यादा बढ़ने लगता है तो उच्च रक्तचाप की समस्या धीरे-धीरे बनने लगती है। इसमें बैचेनी होना, घबराहट होना, और सिर में दर्द होना जैसे लक्षण दिखते हैं, लेकिन इन लक्षणों को बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें, क्योंकि ये पूरे शरीर को प्रभावित करते हैं। उच्च रक्तचाप में ब्रेन हेमरेज, किडनी फेलियर, आंखों की रोशनी चली जाना, नाक से लगातार खून बहना और हार्ट अटैक तक आ सकता है। ऐसे में रक्तचाप का सामान्य होना बहुत जरूरी है।

आयुर्वेद में उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से काफी हद तक इसपर नियंत्रण पाया जा सकता है। लौकी और तुलसी का रक्तचाप के बढ़ने की गति को नियंत्रित करता है। आंवला और शहद का सेवन भी फायदा देगा। ये

जूस इस स्थिति को नियंत्रित करता है। आधा कप लौकी का जूस और उसमें पांच तुलसी की पत्तियां मिलाकर सुबह खाली पेट सेवन करना चाहिए। इसका सेवन कफ और वात दोष को नियंत्रित करता है और दिल और पेट दोनों को ठंडक देता है।

सर्पगंधा की जड़ उच्च रक्तचाप में फायदेमंद होती है। इसके लिए रात में सर्पगंधा की जड़ को भिगोकर रख दें और सुबह उबालकर पी लें। चाहें तो आप बाजार में उपलब्ध चूर्ण का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ये उच्च रक्तचाप के बढ़ने की गति को नियंत्रित करता है। आंवला और शहद का सेवन भी फायदा देगा। ये दोनों शरीर की रोग प्रति प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। रोज सुबह एक चम्मच आंवले का चूर्ण शहद के साथ खाना चाहिए। ये आपके दिल को ठीक करने का काम करेगा।

इसके अलावा शोधन क्रिया भी कर सकते हैं, जो पूरे शरीर की गंदगी को बाहर निकालने का काम करेगी और कई रोगों से बचाएगी। उच्च रक्तचाप की समस्या में ज्यादा तनाव लेने से बचें। साथ ही सिगरेट, शराब और कैफीन का सेवन न करें। इसमें नींद का पूरा होना भी जरूरी है।

रूस को 'धक्का' देकर भारत मंगाएगा अमेरिका से मक्का!

टैरिफ विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर व्यापक बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक इस डील के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला 50% का भारी टैक्स घटकर 15% से 16% रह सकता है। यह भारत के निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी राहत की बात होगी। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड डील के तहत भारत रूस से तेल का आयात धीरे-धीरे कम करने पर सहमत हो सकता है। साथ ही अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन खली का आयात बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। रूस से कच्चे तेल की खरीद और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद रहे हैं। रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 34% कच्चा तेल रूस से आयात करता है। हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में गिरावट आई है जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है। भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10% अमेरिका से आता है।रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन का इम्पोर्ट बढ़ाया जा सकता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका चीन से मक्के के निर्यात में आई भारी गिरावट के बाद नए खरीदार तलाश रहा है। साल 2022 में जहां चीन ने अमेरिका से 5.2 अरब डॉलर का मक्का खरीदा था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 331 मिलियन डॉलर रह गया है। कुल मिलाकर अमेरिका के मक्के के निर्यात में भी 2022 में 18.57 अरब डॉलर से घटकर 2024 में 13.7 अरब डॉलर रह गया है।माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले आसियान समिट के दौरान हो सकती है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्सा लेने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत इथेनॉल के आयात की अनुमति देने और रूस से तेल की खरीद कम करने पर विचार कर रहा है। इसके बदले में अमेरिका से एनर्जी ट्रेड में कुछ रियायतें मिलने की उम्मीद है।

रूसी तेल पर डिस्काउंट

सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल की सोर्सिंग डाइवर्सिफाई करने और अमेरिका की ओर रुख करने की सलाह दी जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों ने इस बारे में रूस को बता दिया है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी तेल पर मिल रही छूट और कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। 2023 में यह 23 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था जो अक्टूबर में सिर्फ 2-2.5 डॉलर प्रति बैरल रह गया है।

हैदराबाद में जन्मे माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को मिली सबसे बड़ी सैलरी हाइक

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की तीसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को अब तक की सबसे बड़ी सैलरी हाइक मिली है। उनकी सैलरी फाइनेंशियल ईयर 2024-2025 के बढ़कर रेकॉर्ड 96.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 846 करोड़ रुपये रही। भारतीय मूल के नडेला साल 2014 में इस कंपनी के सीईओ बने थे। नडेला की कुल कमाई का लगभग 90% हिस्सा माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों से आता है। उनका बेस वेतन 2.5 मिलियन डॉलर है। पिछले वित्तीय वर्ष में उन्हें 79.1 मिलियन डॉलर मिले थे।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन के लिए नडेला को यह इनाम दिया है।दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के बोर्ड का कहना है कि कंपनी के शानदार नतीजे दिखाते हैं कि सत्या नडेला और उनकी टीम ने माइक्रोसॉफ्ट को इस पीढ़ी के तकनीकी बदलाव में एक स्पष्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लीडर के रूप में स्थापित किया है। कंपनी के शेयरों में इस साल 23% तेजी आई है। माइक्रोसॉफ्ट का एजेडयूर क्लाउड कंप्यूटिंग डिवीजन लगातार अपने

प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। नडेला के लीडरशिप में माइक्रोसॉफ्ट ने एआई स्टार्टअप और चैटजीपीटी की पेरेंट कंपनी ओपनएआई में 1 अरब डॉलर का निवेश किया था।

आज यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल प्राइवेट कंपनी है जिसकी वैल्यू 500 अरब डॉलर पहुंच चुकी है।

हैदराबाद में जन्मे और पले-बढ़े नडेला साल 1992 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे जहां उन्होंने शुरू में विंडोज एनटी के विकास में अहम भूमिका निभाई। बाद में वह माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर और टूल्स डिवीजन के प्रेसिडेंट बने और फिर उन्हें क्लाउड कंप्यूटिंग ऑपरेशंस की जिम्मेदारी मिली। नडेला कंपनी के को-फाउंडर बिल गेट्स और स्टीव बाल्मर के बाद कंपनी का नेतृत्व करने वाले तीसरे व्यक्ति बने।

बालीप्रतिपदा पर शेयर बाजार बंद

मुहूर्त ट्रेडिंग में बढ़त के साथ शुभ शुरुआत

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालीप्रतिपदा की छुट्टी के कारण 22 अक्टूबर को भारतीय शेयर बाजार बंद है। एनएसई और बीएसई के आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के अनुसार, बुधवार को बाजार बंद रहेंगे और गुरुवार को कारोबार फिर से शुरू होगा। बालीप्रतिपदा एक महत्वपूर्ण त्योहरा है, जो भगवान विष्णु के वामन अवतार की शक्तिशाली व पुण्यशाली राक्षस राजा बलि पर पौराणिक विजय का स्मरण कराता है।

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

इस बीच, अन्य एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखा गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.4 प्रतिशत नीचे आया, जबकि सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स 0.25 प्रतिशत ऊपर रहा। हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 0.82 प्रतिशत, ताइवान का वेटेड सूचकांक 0.53 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.23 प्रतिशत ऊपर रहा।

विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग में शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। एक घंटे के विशेष कारोबार में सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84,426.34 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्चस्तर तक गया और 84,286.40 के निचले स्तर तक आया। निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत उछलकर 25,868.60 पर बंद हुआ। दोपहर 1:45 से 2:45 बजे तक चले एक घंटे के मुहूर्त कारोबार में सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 1.20 लाख करोड़ बढ़कर 470.89 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त में रहे। कोटक बैंक, एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक समेत 13 शेयरों में 0.82 फीसदी तक की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 96.72 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 607.11 करोड़ के शेयर बेचे।

10 साल में सिर्फ दो बार गिरावट

पिछले 10 वर्षों में विशेष मुहूर्त कारोबार पर शेयर बाजारों में लगातार आठ वर्षों में बढ़त देखने को मिली रही है। 2016 और 2017 में सिर्फ दो बार ही सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट में बंद हुए थे। बाजार ने 2022 में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था।

2026 से बदलेंगे बैंकिंग कानून

लॉकर में चोरी होने पर मिलेगा 100 गुना हर्जाना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की बैंकिंग व्यवस्था में बड़ा सुधार करने की तैयारी शुरू कर दी है।आरबीआई ने 238 नए बैंकिंग नियमों का ड्राफ्ट जनता के लिए जारी किया है और इस पर 10 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं।इन नियमों को जनता की राय और बैंकिंग संस्थानों की प्रतिक्रिया के बाद 2026 की शुरुआत से लागू किया जा सकता है। इन प्रस्तावित बदलावों का मकसद ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाना, बैंकिंग सेवाओं को आसान बनाना और बैंकों की जवाबदेही तय करना है। आरबीआई ने कहा है कि अगर किसी ग्राहक के खाते से साइबर धोखाधड़ी होती है और वह इसकी जानकारी तीन दिनों के अंदर बैंक को देता है, तो उसकी जवाबदेही शून्य मानी जाएगी। यानी ग्राहक को कोई नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। इसके साथ ही, अगर बैंक ऐसे मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं करते हैं, तो उन पर 25,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।इससे बैंकों को साइबर सुरक्षा को लेकर और सतर्क रहने की जरूरत होगी।

लॉकर विवादों में ग्राहकों को राहत

लॉकर से जुड़े विवादों में भी ग्राहकों के हित में बड़ा बदलाव किया गया है।अगर किसी ग्राहक का लॉकर बैंक की लापरवाही या सुरक्षा चूक के कारण चोरी या नुकसान का शिकार होता है, तो बैंक को लॉकर किराए के 100 गुना तक हर्जाना देना होगा।

केवाईसी की प्रक्रिया सरल

नए नियमों में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है। सामान्य खातों के लिए केवाईसी हर 10 साल में एक बार करनी होगी। मध्यम जोखिम वाले खातों के लिए हर 8 साल में और उच्च जोखिम वाले ग्राहकों के लिए हर 2 साल में यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे ग्राहकों को बार-बार दस्तावेज जमा कराने की झंझट से राहत मिलेगी।लोन से जुड़े मामलों में भी ग्राहकों को बड़ी राहत दी गई है।

अब सभी बैंकों को ब्याज दर तय करने के लिए एक समान फॉर्मूला अपनाना होगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही, सभी लोन पर प्रीपेमेंट पेनाल्टी (पहले लोन चुकाने पर जुर्माना) पूरी तरह खत्म कर दी जाएगी।इससे ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के समय से पहले अपना लोन चुका सकेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा

70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के ग्राहकों को घर बैठे बैंकिंग सुविधा देने का प्रस्ताव भी रखा गया है।यानी उन्हें बैंक शाखा जाने की जरूरत नहीं होगी; बैंक अधिकारी घर पर जाकर जरूरी सेवाएं प्रदान करेंगे।आरबीआई ने कहा है कि जनता और बैंकों के सुझावों पर विचार करने के बाद 1 जनवरी 2026 से 1 अप्रैल 2026 के बीच ये सभी नए नियम चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे। इन बदलावों के लागू होने से बैंकिंग सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ेगी, ग्राहक अनुभव सुधरेगा और बैंकिंग प्रणाली अधिक जिम्मेदार बनेगी।

फूटने वाला है चीन का बुलबुला!

जीडीपी से तीन गुना से भी ज्यादा पहुंचा ड्रैगन का कर्ज

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश चीन का बुलबुला फूटने वाला है। करीब दो दशक से भी अधिक समय से दुनिया के ग्रोथ का इंजन रहे चीन में डेट-टू-जीडीपी रेश्यो इस फाइनेंशियल ईयर की दूसरी तिमाही में 336% पहुंच चुका है। इसका मतलब यह है कि चीन का कर्ज उसकी जीडीपी के तीन गुना से अधिक हो चुका है। यानी चीन अगर 1 डॉलर की कोई चीज बनाता है तो उस पर उसका 3.36 डॉलर का कर्ज है। चीन पर कभी भी इतना कर्ज नहीं रहा है। पिछले 10 साल में इसमें 78% तेजी आई है। इस दौरान सबसे ज्यादा तेजी सरकार के कर्ज में आई है। चीन में पिछले 10 साल में नॉन-फाइनेंशियल कॉरपोरेट्स का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो सबसे ज्यादा 142 फीसदी बढ़ा है। इसके बाद सरकार का नंबर है। सरकार को डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 93% बढ़ा है। 2015 के बाद से परिवारों का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 60 परसेंट और फाइनेंशियल कॉरपोरेट्स का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 41 फीसदी बढ़ा है। जापान में डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 264% है और देश इसे कई दशकों से मैनेज कर रहा है।

रियल एस्टेट संकट

चीन की इकॉनमी पिछले कुछ समय से कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। उसकी सबसे बड़ी समस्या रियल एस्टेट संकट है जिसकी देश की जीडीपी में करीब एक तिहाई हिस्सेदारी है। चीन ने इस संकट से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन उनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इस संकट के कारण चीन की पूरी इकॉनमी के धराशायी होने का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिका के साथ चल रहे ट्रेड वॉर ने चीन को बुरी तरह झकझोर दिया है।

छोटे पैक में ज्यादा माल लेकिन दाम वही, अगले महीने से हो जाएगा ऐसा, सरकार की मिल गई हरी झंडी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।रोजमर्रा के कामकाज के दौरान आप कहीं दूसरे शहर गए हैं। सुबह नहाना है तो बाजार से एक या दो रुपये के शैम्पू के पाउच ले आए। दफ्तर से बाहर सड़क पर चाय पीने निकले तो साथ में 5 रुपये का बिस्कुट का छोटा पैक खरीद लिए। या फिर पांच या 10 रुपये वाला नमकीन का पैक ले लिए। आप भी ऐसा करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। इन सब पैक में अब पहले के मुकाबले ज्यादा सामान होंगे। जी हां, इनका वजन बढ़ा हुआ होगा। इसके पीछे जीएसटी दर में कटौती का सरकार का फैसला शामिल है। दरअसल, सकार ने बीते 22 सितंबर से जीएसटी के दरों में काफी कटौती की है। इससे छोटी पैकिंग वाले एफएमसीजी सामानों के दाम घट गए हैं। उदाहरण के लिए पहले पांच रुपये में जो पार्ले-जी का पैक मिलता था, वह अब 4.45 रुपये का हो जाएगा। एक रुपये की कैंडी का दाम अब 88 पैसे रह जाएगी। इसी तरह दो रुपये का शैंपू पाउच का दाम अब 1.77 रुपये रह जाएगा। ऐसे में सामान बेचने वाले के साथ साथ आम जनता को भी दिक्त होगी। इसलिए एफएमसीजी कंपनियों ने सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की थी। सरकार ने कुछ बड़े एफएमसीजी कंपनियों को यह साफ कर दिया है कि वे दाम कम करने के बजाय अपने पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। यह फैसला गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की दरें कम होने के बाद लिया गया है। हमारे सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों ने एफएमसीजी कंपनियों के साथ हुई मीटिंग्स में मौखिक रूप से यह साफ कर दिया है कि वे पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। इस जानकारी के बाद, कंपनियां अगले एक-दो हफ्तों में नए पैकेट का उत्पादन शुरू कर देंगी। इन नए पैकेटों में उत्पादों की मात्रा 6-12% तक बढ़ाई जाएगी, लेकिन दाम वही पुराने 2, 5, 10 और 20 वाले ही रहेंगे।

अगले महीने आ जाएगा नया पैक

भारत की सबसे बड़ी बिस्कुट बनाने वाली अग्रणी कंपनी पारले के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने बताया, आने वाले कुछ दिनों में, कंपनियां पुराने दामों पर ही बढ़े हुए वज़न वाले नए पैकेट बाज़ार में ले आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्नैक्स इंडस्ट्री में तो नए उत्पादन के साथ बढ़े हुए वज़न वाले पैकेट पहले से ही बनने शुरू हो गए हैं, क्योंकि इन उत्पादों के पैकेट में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं पड़ती। मयंक शाह ने आगे कहा, दूसरी तरह के उत्पादों के लिए, पैकेट के साइज़ में कुछ बदलाव करने होंगे। उस पर काम चल रहा है और उसके बाद नया उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बिस्कुट के बारे में बताया कि उनके पैकेट का वज़न 11-12% तक बढ़ाया जाएगा। देश की सबसे बड़ी पैक्ड पानी बनाने वाली कंपनी, बिसलेरी इंटरनेशनल के चीफ एग्जीक्यूटिव एंजेलो जॉर्ज ने कहा कि यह बस कुछ ही समय की बात है जब कंपनियां बढ़े हुए वज़न के साथ पुराने दामों पर वापस आ जाएंगी। उन्होंने कहा, अभी के दाम ग्राहकों के लिए सुविधाजनक नहीं हैं। यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरें कम होने के बाद सभी कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम कम कर दिए थे। पार्ले का 5 वाला पार्ले-जी बिस्कुट का पैकेट 4.45 का हो गया था।

भारत की सबसे बड़ी कन्फेक्शनरी कंपनी, मोंडेलेज़ ने भी अपने सभी उत्पादों के दाम बदले थे। जैसे, बॉर्नविटा 30 से 26.69 का हो गया था, ओरियो कुकीज़ 10 से 8.90 की हो गई थीं, और 20 वाले जेम्स और 5स्टार के पैकेट 17.8 के कर दिए गए थे। बिसलेरी ने भी 500 एमएल पानी की बोतल 10 से 9 की कर दी थी और एक लीटर वाली बोतल 20 से 18 की कर दी थी।

सोना रिकॉर्ड हाई से 5,677 गिरा, 1.24 लाख पर आया

चांदी भी हाई से 25,000 सस्ती; 1.52 लाख प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली के बाद सोना-चांदी के दाम में भारी गिरावट आई है। सोना अपने ऑल टाइम हाई से 5,677 रुपए और चांदी भी रिकॉर्ड हाई से 25,599 रुपए सस्ती हो गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज यानी, 22 अक्टूबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,726 रुपए घटकर 1,23,907 रुपए के स्तर पर आ गया है। इससे पहले ये 20 अक्टूबर को यह 1,27,633 रुपए पर था। वहीं 17 अक्टूबर को सोने ने 1,29,584 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

चांदी के दाम एक दिन में 10,549 रुपए घटे

चांदी के दाम आज 10,549 रुपए घटकर 1,52,501 रुपए प्रति किलो पर आ गए हैं। इससे पहले चांदी 1,63,050 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 14 अक्टूबर को चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंची थी।

इस साल सोना 47,745 और चांदी 66,484 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 47,745 रुपए बढ़ी है।

31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,907 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 66,484 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,52,501 रुपए प्रति किलो हो गई है।

18000 करोड़ के शेयर बायबैक में हिस्सा नहीं लेंगे नीलेकणि व सुधा मूर्ति, कंपनी ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इन्फोसिस के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह, जिनमें नंदन एम नीलेकणि और सुधा मूर्ति शामिल हैं, ने कंपनी के 18,000 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। बुधवार को नियामकीय फायलिंग यह जानकारी दी गई ।

बायबैक घोषणा की तिथि तक प्रमोटरों के पास सामूहिक रूप से कंपनी की 13.05 प्रतिशत इक्विटी थी।

कंपनी ने कहा, ...कंपनी के प्रमोटर और प्रमोटर समूह ने 14 सितंबर, 2025, 16 सितंबर, 2025, 17 सितंबर, 2025, 18 सितंबर, 2025 और 19 सितंबर, 2025 के अपने पत्रों के माध्यम से बायबैक में भाग नहीं लेने का इरादा व्यक्त किया है। इंफोसिस ने कहा, प्रस्तावित बायबैक के अनुसार तथा बायबैक के प्रति प्रतिक्रिया के आधार पर कंपनी में प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह के मतदान अधिकार, जो सार्वजनिक घोषणा की तिथि तक 13.05 प्रतिशत है, में परिवर्तन हो सकता है। इंफोसिस के फाउंडर्स में कंपनी के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा एन मूर्ति, बेटी अक्षता मूर्ति और बेटा रोहन मूर्ति शामिल हैं। इसमें कंपनी के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, उनकी पत्नी रोहिणी नीलेकणी और उनके बच्चे निहार और जान्हवी नीलेकणी भी शामिल हैं।

अन्य सह-संस्थापक और उनके परिवार भी कंपनी के फाउंडर हैं। इन्फोसिस बोर्ड ने 11 सितंबर, 2025 को हुई बैठक में कंपनी के अब तक के सबसे बड़े 18,000 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक को मंजूरी दे दी। इंफोसिस 1,800 रुपये प्रति शेयर की दर से 5 रुपये अंकित मूल्य के 10 करोड़ पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर खरीदेगी। यह कंपनी के कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 2.41 प्रतिशत होगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य - तुला	मे
चंद्र - तुला	मे
मंगल-तुला	मे
बुध - तुला	मे
गुरु कर्क	मे
शुक्र - कन्या	मे
शनि मीन	मे
राहु कुंभ	मे
केतु सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
तुला----	05-51	बजे
वृश्चिक...	08-04	बजे
धनु......	10-14	बजे
मकर...	12-21	बजे
कुंभ....	14-11	बजे
मीन....	15-49	बजे
मेष.....	17-25	बजे
वृष....	19-08	बजे
मिथुन..	21-10	बजे
कर्क...	23-23	बजे
सिंह---	01-34	बजे
कन्या--	03-41	बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-13**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-48**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष गुरुवार **23 October**
तिथि - द्वितीया **22-47** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - विशाखा **04-51** तक उपरान्त अनुराधा
योग - आयुष्मान **04-58** तक उप सौभाग्य
करण - बालव **09-31** तक उप कौलव
व्रत भाई दुज
त्योहार हेमन्त ऋतु प्रा.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-27 से 14-54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ।	06-13 - 07-39	शुभ
रोग	07-39 - 09-06	अशुभ
उत्पात	09-06 - 10-33	अशुभ
चंचल	10-33 - 12-00	शुभ
लाभ	12-00 - 13-27	शुभ
अमृत	13-27 - 14-54	शुभ
काल	14-54 - 16-21	अशुभ
शुभ	16-21 - 17-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	17-48 - 19-21	शुभ
चंचल	19-21 - 20-54	शुभ
रोग	20-54 - 22-27	अशुभ
काल	22-27 - 00-00	अशुभ
लाभ	00-00 - 01-34	शुभ
उत्पात	01-34 - 03-07	अशुभ
शुभ.	03-07 - 04-40	शुभ
अमृत	04-40 - 06-13	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
ऊर्जा और मौलिकता आपके करियर के प्रयासों में सहायक होंगे। आप अवसरों को जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन बहस में जल्दबाज़ी करने से बचें। तार्किक सोच कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के क्षेत्र में, स्थिर रहें और दूसरों की आलोचना करने से बचें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बंगाल की खाड़ी में बन रहा लो प्रेशर एरिया

झारखंड में छठ पर बारिश का साया, 25 से 28 अक्टूबर तक 17 जिलों में बरसेंगे बादल

रांची, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में इस बार छठ महापर्व पर मौसम की मार देखने को मिल सकती है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे निम्न दबाव के कारण राज्य में 24 से 27 अक्टूबर के बीच हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। रांची मौसम केंद्र ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश से न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है, जिससे ठंड भी बढ़ेगी। इस दौरान राजधानी रांची सहित आसपास के जिलों में एक-दो बार बारिश हो सकती है, वहीं कुछ इलाकों में गरज के साथ बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है।

रांची मौसम केंद्र के अनुसार 25 और 26 अक्टूबर को राज्य के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा में मेघ गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। 24 अक्टूबर से ही मौसम में बदलाव शुरू हो जाएगा।

दक्षिण और मध्य झारखंड के सिमडेगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा और धनबाद में हल्की बारिश के आसार हैं। 26 और 27 अक्टूबर को कई जिलों में मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। हालांकि, 28 अक्टूबर को आसमान में धुंध छाई रहेगी, लेकिन दोपहर तक मौसम साफ हो जाएगा।

बारिश के बाद झारखंड में ठंड दस्तक दे सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। इसके साथ ही सुबह और शाम के समय सर्दी महसूस होगी। वहीं, दिन के समय धूप निकलने से मौसम सुहावना रहेगा।

अनिल मिश्रा हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

घर से 400 मीटर दूर हुई थी हत्या

पलामू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में अनिल कुमार मिश्रा हत्याकांड के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 36 वर्षीय अनिल मिश्रा की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी मीणा देवी ने नरेश तिवारी और टुनटुन मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

यह घटना 15 अक्टूबर को शाम करीब 4:30 बजे हुई, जब अनिल अपने घर से कुछ दूरी पर टहलने निकले थे। घर से 400 मीटर दूर पहुंचे होंगे कि उनपर हमला किया गया। उनकी पत्नी को सूचना मिली कि पति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने अनिल को खून से लथपथ पाया।

हमलावर मरा हुआ समझकर भाग गए थे

अनिल ने अपनी पत्नी को बताया था कि गांव के नरेश तिवारी और टुनटुन मिश्रा ने ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से उन पर हमला किया था। हमलावर उन्हें मरा हुआ समझकर भाग गए थे। गंभीर रूप से घायल अनिल कुमार मिश्रा की अगले दिन इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने इस मामले में 26 वर्षीय टुनटुन मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस हत्याकांड का दूसरा आरोपी नरेश तिवारी अभी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चला रही है। पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने इसकी पुष्टि की है।

मामूली विवाद को लेकर टुनटुन मिश्रा और उसके बहनोई नरेश तिवारी ने अनिल कुमार मिश्रा को बेरहमी से पीटा था। घायल अनिल का पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेस्लीगंज और बाद में मेदिनीनगर सदर अस्पताल में इलाज किया गया था।

छत्तीसगढ़ बुजुर्गों के लिए सबसे असुरक्षित, हत्या में नंबर वन

हर महीने 6 मर्डर, नेशनल एवरेज से 3 गुना ज्यादा, आरोपी अधिकतर अपने ही

रायपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बुजुर्गों के लिए देश का सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) 2023 की रिपोर्ट बताती है कि राज्य में हर महीने औसतन 6 बुजुर्गों की हत्या हुई है। देशभर में सीनियर नागरिकों की हत्या की सबसे ज्यादा दर छत्तीसगढ़ में दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में बुजुर्गों की हत्या की दर 3.6 रही, जो राष्ट्रीय औसत 1.2 से 3 गुना ज्यादा है। इस मामले में अरुणाचल प्रदेश (3.1), मध्य प्रदेश और तमिलनाडु (2.7) जैसे राज्य भी छत्तीसगढ़ से पीछे हैं। वहीं, सीनियर नागरिकों के खिलाफ 89.7% की कुल अपराध दर के साथ छत्तीसगढ़ देश में चौथे नंबर पर रहा। प्रदेश में हाल ही कई घटनाओं पर नजर डाले तो बुजुर्गों का मर्डर करने वाले ज्यादातर अपने ही है।

दुर्ग जिले के भिलाई में दिवाली (20 अक्टूबर) की रात एक बुजुर्ग का मर्डर हुआ है। शहर के बैरागी मोहल्ला पावर हाउस क्षेत्र में 2 युवक पटाखा फोड़ रहे थे, तभी सामने वाले घर की महिला ने उनके घर के सामने पटाखा फोड़ने से मना किया। उनके बीच झगड़ा हो गया।

युवकों ने महिला से गाली-गलौज की। बीच बचाव करने आए ससुर ने पटाखा फोड़ने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने मिलकर घर घुसकर कटर (धारदार हथियार) से वारकर बुजुर्ग को मार डाला। मृतक और आरोपी पड़ोसी हैं। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

पैसे नहीं देने पर नाती ने नानी की हत्या कर दी

घटना 2 महीने पहले की है। जहां धमतरी जिले में पैसे नहीं देने पर नाती ने अपनी नानी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, लोमन साहू (21) बेरोजगार है। वह अपनी नानी लखवतिन बाई (62) और मां पूर्णिमा ध्रुव (32) से पैसे मांगता था। नहीं देने पर उसने मार डाला।

24 मई 2025 को दुर्ग जिले के धमधा में एक बेटे ने अपने ही पिता को मार डाला। आरोपी बेटा अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। यह देख पिता ने उसे मना किया तो बेटे ने गुस्से में आकर उसके ऊपर ईंट से हमला कर दिया। गहरी चोट आने से पिता की मौत हो गई।

16 जुलाई 2025 को बालोद जिले में बहू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर ससुर की करंट लगाकर हत्या कर दी।

कल नक्सलियों का देशव्यापी बंद का ऐलान

लीडर बोले- नारायणपुर-बीजापुर, कर्रेगुट्टा और झारखंड में रोके ऑपरेशन, 700 साथी-जनता की हत्या का आरोप

जगदलपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ समेत देश के माओवाद प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। बस्तर में लगातार हो रहे एनकाउंटर, सरेंडर और गिरफ्तारी से नक्सल संगठन बौखलाया हुआ है। अब नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने एक पत्र जारी कर 24 अक्टूबर को देश व्यापी बंद का ऐलान किया है।

दरअसल, नक्सल संगठन के लीडर्स ने नक्सली अभय के नाम से पर्चा जारी किया है। करीब 2 पेज के पर्चे में लिखा हुआ है कि साल 2022 से अब तक अलग-अलग जगह चलाए गए नक्सल ऑपरेशन में फोर्स ने 700 नक्सल साथी और आम नागरिकों की हत्या की है।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री कह रहे हैं कि 31 मार्च 2026 तक देशभर से नक्सलवाद खत्म कर दिया जाएगा। कर्रेगुट्टा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चल रहे हैं। वहीं माओवाद संगठन इन ऑपरेशंस के खिलाफ 18 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक विरोध सप्ताह मना रहा है। इसी के साथ ही 24 अक्टूबर को देश भर में बंद का ऐलान किया गया है।

नक्सली अभय के पर्चे में लिखा है कि पिछले साढ़े 5 महीने में नक्सल संगठन को बड़ा नुकसान हुआ है। सेंट्रल कमेटी के नक्सली बालकृष्णा, चंद्रहासा, लोकेश, कट्टारामचंद्र रेड्डी, कडारी सत्यनारायण रेड्डी समेत अन्य सेंट्रल कमेटी, एसजडसी, डीकेएसजडसीएम, डीवीसीएम, एसीएम जैसे कैडर के नक्सलियों को मारा गया है।

इसलिए अब ऑपरेशन रोकने की बात कही गई है। बता दें कि, फोर्स के बढ़ते दबाव के चलते पिछले 15 दिनों के अंदर ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 271 नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

पत्नी की हत्या के बाद इंस्टाग्राम पर डाला स्टेटस

मैंने अपनी पत्नी को मार दिया, फिर खुद फांसी लगाकर दी जान, सालभर पहले हुई थी शादी

धमतरी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। पति ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उसने अपनी पत्नी के माता-पिता को इसके लिए जिम्मेदार बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला थाना मगरलोड के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी करेलीबड़ी क्षेत्र के ग्राम हरदी का है। मिली जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी यादव (20) की शादी करीब एक साल पहले हरदी के हितेश यादव (22) से हुई थी। हितेश ने अपनी भाभी की छोटी बहन लक्ष्मी से शादी की थी। इन दोनों के साथ हितेश के मां-बाप और भाई-भाभी उस घर में रहती थीं। घटना 20 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे की है। उस रात दोनों पति-पत्नी अपने कमरे में सोने गए थे। अगली सुबह यानी 21 अक्टूबर को करीब 7 बजे, जब दोनों काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आए, तो घर के अन्य सदस्यों को शक हुआ। हितेश का बड़े भाई गितेश्वर यादव ने दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। जब काफी देर तक कोई जवाब नहीं आया तो उन्होंने सीढ़ी लगाकर कमरे के रोशनदान से झांका। तो देखा कि लक्ष्मी का शव ज़मीन पर पड़ा था और हितेश फांसी के फंदे से लटक रहा था। परिजनों ने तुरंत दरवाजा तोड़कर दोनों को नीचे उतारा, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजनों ने इस सूचना मगरलोड थाना की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मगरलोड पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि लक्ष्मी की मौत गमछा से गला घोंटने के कारण हुई, जबकि हितेश ने साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या की। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जांच में पता चला कि मृतक हितेश यादव ने हत्या के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टेटस पोस्ट किया था। उसमें लिखा था, मैं हिम्मत यादव, मैंने मेरी पत्नी लक्ष्मी यादव को जान से मार दिया हूं। कारण कुछ नहीं बस मेरी पत्नी लक्ष्मी यादव की मां-बाप की वजह से मार दिया हूं और मैं भी फांसी लगा लिया हूं। धमतरी एसपी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि 20 अक्टूबर को मगरलोड थाना चौकी क्षेत्र के हरदी गांव निवासी हितेश यादव के बड़े भाई गितेश्वर ने आवाज दी तो कमरे का दरवाजा ने नहीं खुला। इस पर गितेश्वर ने रोशनदान से झांककर देखा तो हितेश फांसी के फंदे पर झूला हुआ था। जबकि उसकी पत्नी का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।

नाबालिग की हत्या, प्रेमी गिरफ्तार

पलामू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू के पाटन थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय लड़की की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में लड़की के 21 वर्षीय प्रेमी अरुण कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 16 अक्टूबर की रात हत्या कर शव को तालाब में फेंक दिया था, जिसे 17 अक्टूबर की रात बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, पाटन के लोईंगा गांव के बहेरा टोला निवासी अरुण कुमार का मृतका से प्रेम संबंध था। कुछ समय पहले लड़की ने अरुण से बात करना बंद कर दिया था, जिसके बाद अरुण पंजाब चला गया था। डेढ़ माह पहले वापस आने पर दोनों के बीच फिर से बातचीत शुरू हो गई थी। मृतका के पिता नहीं हैं।

घटना वाली रात वह अपनी मां से चचेरी बहन के घर सोने जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन अगले दिन वापस नहीं लौटी। मां की सूचना पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की, जिसके बाद तालाब से शव बरामद हुआ। एसपी ने सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। अनुसंधान के दौरान कॉल डिटेल और स्थानीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अरुण तक पहुंची। पूछताछ में अरुण ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपी ने बताया कि घटना की शाम मृतका की मां ने उसे लकड़ी फाड़ने के लिए बुलाया था। जब मृतका रात में रिश्तेदार के घर जा रही थी, तो अरुण भी उसके घर से निकला।

कुछ दूर जाने पर अरुण ने मृतका के साथ शारीरिक संबंध बनाए और फिर उससे बात बंद करने का कारण पूछा। इसी बात पर विवाद हुआ और उसने नाबालिग का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद अरुण ने शव को तालाब में फेंक दिया। उसे शक था कि मृतका का किसी और के साथ अफेयर है। आरोपी ने मृतका का मोबाइल तालाब में फेंकने और उसके हवाई चप्पल तथा अपने कपड़े एक कुएं में डालने की बात भी स्वीकार की।

खड़ी कार में लगी भीषण आग

जमशेदपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के न्यू बारिडीह में देर रात एक भयावह हादसे ने इलाके के लोगों को दहशत में डाल दिया। सिद्धगोड़ा थाना क्षेत्र की इंद्रावती रोड पर घर के बाहर खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे आसपास के लोग भय और अफरा-तफरी में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय बच्चे दीपावली के पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान एक जलता हुआ पटाखा कार के नीचे जा गिरा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पटाखे की चिंगारी कार की पेट्रोल टंकी तक पहुंच गई और इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद कार आग के गोले में बदल गई। स्थानीय लोगों ने कार में आग की लपटें उठते देख तुरंत बाल्टी और पानी से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। लोगों की कोशिश के बावजूद नुकसान टल नहीं सका।

घटना की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक कार पूरी तरह से जल चुकी थी।

फायर ब्रिगेड की टीम ने आसपास के घरों और इलाकों में आग फैलने से रोकने के लिए स्थिति को काबू में किया। सिद्धगोड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण पटाखे की चिंगारी माना जा रहा है।

10 साल की बच्ची की आंख में घुसी घंटी

दिवाली पूजा के दौरान खेलते समय गिरी, पटाखे से झुलसे 40 से अधिक लोग

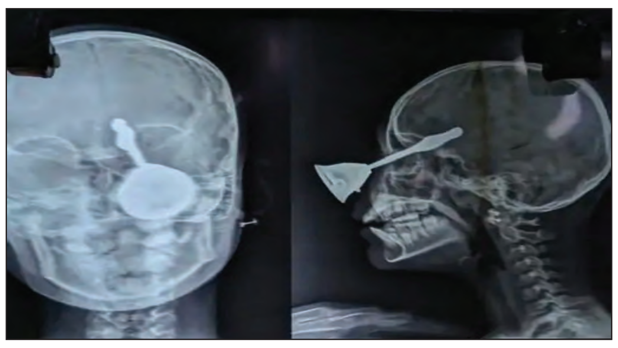

बिलासपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के मस्तूरी में खेलते-खेलते एक बच्ची की आंख में घंटी घुस गई। जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं, दिवाली त्योहार के दौरान पटाखों से झुलसकर 40 से अधिक लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, दीपावली पर सिविल लाइन क्षेत्र का एक परिवार रात में पूजा की तैयारी कर रहा था। इस दौरान 10 साल की बच्ची काव्या पटाखे चलाने के लिए दौड़ रही थी। अचानक उसका पैर किसी सामान से टकराया, जिससे वो गिर गई। इस दौरान पूजा करने के लिए रखी घंटी उसके आंख में घुस गई।

इस हादसे में बच्ची खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी हालत देखकर परिजन भी घबरा गए। देखते ही देखते घर में दिवाली की खुशियां मातम में बदल गई। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए सिम्स लेकर पहुंचे।

सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद बच्ची का एक्स-रे और सिटी स्कैन कराया गया। घंटी उसकी आंख की झिल्ली के साथ ही मस्तिष्क तक पहुंच गया। जिस कारण न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता हुई। लिहाजा, सिम्स से बच्ची को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

रायगढ़ में दिवाली के दूसरे दिन 3 लोगों की हत्या

आंगन में नग्न हालत में मिली पति-पत्नी की लाश, तालाब में युवक का शव मिला

रायगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ में दिवाली के ठीक अगले दिन 2 अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पहली वारदात घरघोड़ा थाना क्षेत्र के कपाटडेरा गांव की है, जहां पति-पत्नी की लाश उनके घर के आंगन में मिली। पति का शव नग्न और पत्नी का शव अर्ध नग्न हालत में पड़ा था।

दोनों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं, पुलिस को शक है कि लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या की गई है।

दूसरी घटना धरमजयगढ़ की है, जहां तालाब में एक युवक की लाश मिली। मृतक की पहचान डूगरूपारा निवासी कैलाश सारथी (19) के रूप में हुई है। शरीर पर चोट के निशान हैं, और हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और धरमजयगढ़ केस में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मृतकों की पहचान गुरुवार सिंह राठिया (35 साल) और उसकी पत्नी मनीता राठिया (30 साल) के रूप में हुई है। जो ग्राम भेंड्रा के आश्रित गांव कपाटडेरा के रहने वाले है। बुधवार सुबह दोनों की खून से सने लाश को परिवार वालों ने देखा तो गांव के कोटवार को सूचना दी।

इसके बाद कोटवार ने घटना की सूचना घरघोड़ा पुलिस को दी। ऐसे में थाना प्रभारी गौरव कुमार समेत पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और मामले में जांच शुरू कर दी। जहां प्रारंभिक जांच में मामला हत्या से जुड़ा मिला।

सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम जांच कर रही है। वहीं पुलिस परिजनों के अलावा आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक के तीन बच्चे हैं। फिलहाल हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और पुलिस आगे की जांच में जूटी हुई है।

रुपए लेनदेन के विवाद में हत्या का शक है। कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोपी परिवार के ही सदस्य हो सकते हैं। एसडीओपी सिद्धांत तिवारी ने बताया कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। अभी पूछताछ की जा रही है।

थाने के टॉयलेट में सुशासन-तिहार का पोस्टर

इसमें पीएम मोदी और सीएम साय की तस्वीर, भाजपाइयों ने किया हंगामा, हटाए गए थाना प्रभारी

बिलासपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के सीपत थाने के टॉयलेट में सुशासन तिहार का पोस्टर लगा दिया गया। इस पोस्टर में पीएम मोदी और सीएम साय की तस्वीर लगी है। जिसे लेकर भाजपाइयों ने थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया। दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने के साथ ही टीआई को हटाने की मांग की। अब एसएसपी रजनेश सिंह ने सीपत टीआई गोपाल सतपथी को हटाकर साइबर सेल भेज दिया है।

दरअसल, दिवाली से एक दिन पहले सीपत थाना उस वक्त विवादों में आ गया, जब थाना परिसर पर बने सार्वजनिक शौचालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पोस्टर को गेट बनाकर लगा दिया गया। यहां थाने के टॉयलेट में सुशासन पखवाड़ा के तहत लगाए गए इस पोस्टर को दरवाजा टूटने के कारण अस्थायी रूप से दरवाजे के रूप में लगा दिया गया था।

इसकी जानकारी होने पर भाजपा के जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष राज्यवर्धन कौशिक, सीपत मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, उपाध्यक्ष अभिलेष यादव, वरिष्ठ नेता मन्नू ठाकुर, मदनलाल पाटनवार, बसंत साहु, भाजयुमो अध्यक्ष तुषार चंद्राकर समेत कई कार्यकर्ता भी थाने पहुंच गए। थाने में पूछताछ के दौरान जब कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जमकर हंगामा मचाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी गोपाल सतपथी पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना की जानकारी मिलते ही सीएसपी निमितेश सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर को शौचालय में लगाने वाले जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, डीएसपी ने मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए। भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने मौका पाकर टीआई पर दूसरे तरह के भी आरोप लगाए।

उनका कहना था कि टीआई के संरक्षण में क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

राहुल सिंह गिरोह के 5 अपराधी गिरफ्तार

कोयला लोडिंग साइट पर फायरिंग कर रंगदारी वसूलने की थी योजना, दो देशी पिस्टल बरामद

लातेहार, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी चंदवा के पास एक कोयला लोडिंग साइट पर फायरिंग कर रंगदारी वसूलने की योजना बना रहे थे।

गिरफ्तार अपराधियों में विश्वनाथ उरांव (डोला सुग्दा, इटकी, रांची), फुलचंद खलखो (कोलाम्बी, नगड़ी, रांची), तुलसी मुण्डा (पंडरा, बहेराटोला, बेडो, रांची), तनवीर अंसारी (कांठीटांड़, रातू, रांची) और संदीप यादव (सेहल, तेतरटोला, घाघरा, गुमला) शामिल हैं। इनके पास से दो देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।इसकी जानकारी एसपी कुमार गौरव ने दी। उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर की रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के अनुसार, राहुल सिंह गिरोह के सदस्य चंदवा के परसही डगडगी पुल के पास इकट्ठा होकर टोरी रेलवे स्टेशन के पास रंजीत गुप्ता के कोयला लोडिंग स्थल पर गोलीबारी कर रंगदारी वसूलने की साजिश रच रहे थे।

इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लातेहार अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया।

गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और मौके से पांचों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के जेल वार्ड से दो कैदी फरार

सरगुजा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में दीपावली की रात एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है, जहां अंबिकापुर सेंट्रल जेल से दो विचाराधीन कैदी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गए। यह 15 दिनों में दूसरी बार है जब जेल से कैदियों के भागने की खबर आई है, जिससे जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। कैदियों के फरार होने की सूचना मंगलवार सुबह जेल अधिकारियों के साथ-साथ सरगुजा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और दोनों कैदियों की तलाश में व्यापक अभियान चलाया गया है। सेंट्रल जेल में बंद दो कैदी, रितेश सारथी (ग्राम अंधला, लखनपुर) और पवन पाटिल (ग्राम जमड़ी, भैयाथान, सूरजपुर), तबीयत खराब होने के कारण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती थे। दीपावली की रात लगभग तीन बजे, दोनों कैदियों ने जेल वार्ड में तैनात सुरक्षा प्रहरियों को चकमा देते हुए चुपके से वार्ड से निकलकर फरार होने में सफल हो गए। सुरक्षा कर्मियों को इस घटना की भनक तक नहीं लगी।

फरार हुए कैदियों में रितेश सारथी एक विचाराधीन बंदी है, जिसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। वहीं, पवन पाटिल एनडीपीएस एक्ट का आरोपी है, जिसे सूरजपुर जेल से अंबिकापुर शिफ्ट किया गया था। सेंट्रल जेल के अधीक्षक अक्षय राजपूत ने दोनों कैदियों के फरार होने की पुष्टि की है और बताया है कि इस संबंध में पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

अमेरिका में फूड डिलीवरी करके गुजारा कर रहे सरकारी कर्मचारी

22 दिन से सैलरी नहीं, ट्रम्प का प्रस्ताव 11वीं बार गिरा, दूसरा सबसे लंबा शटडाउन

वॉशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में कई सरकारी कर्मचारियों को अब फूड डिलीवरी या अस्थायी नौकरियों कर गुजारा करना पड़ रहा है। वे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने और ईएमआई भरने के लिए ऐसा कर रहे हैं। दरअसल, देश में लगे शटडाउन की वजह से 7.5 लाख सरकारी कर्मचारियों की सैलरी रुकी हुई है।

अमेरिका में 1 अक्टूबर से शुरू हुआ सरकारी शटडाउन अब 22वें दिन में पहुंच गया है। संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 20 अक्टूबर को फंडिंग बिल पर 11वीं बार वोटिंग हुई, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया गया। ऐसे में यह अमेरिकी इतिहास का दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन गया है।

अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और

बजट बनाने की योजना बनाती है। इस दौरान सरकार तय करती है कि कहां पैसा लगाना है, जैसे सेना, स्वास्थ्य या शिक्षा में। अगर इस तारीख तक नया बजट पास नहीं होता, तो सरकारी कामकाज बंद हो जाता है। इसे शटडाउन कहते हैं।

अमेरिका के दोनों प्रमुख दल डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी प्रोग्राम को लेकर ठनी हुई गई है। डेमोक्रेट्स चाहते थे कि हेल्थ केयर (स्वास्थ्य बीमा) की सब्सिडी बढ़ाई जाए।

रिपब्लिकन को डर है कि अगर सब्सिडी बढ़ाई गई तो सरकार को खर्च करने के लिए और पैसे की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाकी सरकारी काम प्रभावित होंगे।

सीएनएन के मुताबिक शटडाउन का सबसे बुरा असर एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों पर पड़ रहा है। इन्हें जरूरी कर्मचारी माना जाता है, इसलिए 1 अक्टूबर को शटडाउन शुरू होने के बावजूद उन्हें लगातार काम करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन रुकने के कारण हजारों कंट्रोलर अपनी बुनियादी ज़रूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई कंट्रोलर अपनी नियमित शिफ्ट खत्म करने के बाद दूसरी नौकरी करने को मजबूर हैं। वे गुजारा करने के लिए उबर चला रहे हैं, खाना डिलीवर कर रहे हैं, या रेस्टोरेंट में काम कर रहे हैं।

नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (एनएटीसीए) के अध्यक्ष निक डेनियल्स ने कहा कि हालात गंभीर हो गए हैं।

क्या तालिबान को मान्यता देगा भारत

काबुल में भारत का दूतावास फिर से खुला, अफगानिस्तान बोला– पाक से विवाद में भारत की भूमिका नहीं

काबुल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने तकनीकी मिशन को अब आधिकारिक रूप से दूतावास का दर्जा दे दिया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दूतावास अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और क्षमता निर्माण में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगा। दूतावास का नेतृत्व एक वरिष्ठ राजनयिक करेंगे, जिन्हें चार्ज डी'अफेयर्स के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 10 अक्टूबर को मुत्तकी के साथ मुलाकात में इसकी घोषणा की थी। इस कदम से भारत और अफगानिस्तान के बीच फिर से राजनयिक संबंध स्थापित हो गए हैं।

साल 2022 से भारत ने काबुल में टेक्निकल मिशन चलाया था, लेकिन अब दूतावास की वापसी से भारत-तालिबान संबंध नए सिरे से शुरू होंगे। इसके साथ ही ये सवाल भी उठ रहा है कि क्या भारत अफगानिस्तान में तालिबान

सरकार को मान्यता दे सकता है।

अफगानिस्तान बोला- पाक से विवाद में भारत की भूमिका नहीं

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने भारत पर लगे उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि हाल ही में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में भारत की कोई भूमिका थी।

एक इंटरव्यू में याकूब ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान ने कभी किसी दूसरे देश को अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने दिया है। हम एक स्वतंत्र देश हैं और भारत व पाकिस्तान से हमारे रिश्ते सिर्फ राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। बीते दिनों 11 अक्टूबर को काबुल में हुए धमाकों के कुछ दिन बाद अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर हिंसा भड़क गई थी।

उस समय तालिबान के विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी भारत दौरे पर थे। इसके तुरंत बाद तालिबान लड़ाकों ने पाकिस्तान की दक्षिणी सीमा पर हमले किए, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने कार्रवाई की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इन घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि तालिबान की लीडरशिप भारत की गोद में बैठी है। इस पर भारत ने सख्त जवाब दिया था। भारत ने कहा था कि पाकिस्तान की पुरानी आदत है कि वह अपनी आंतरिक नाकामियों के लिए पड़ोसियों को दोष देता है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने 18 अक्टूबर को दिए एक बयान में कहा कि भारत, पाकिस्तान में आतंक फैला रहा है। उन्होंने भड़काऊ बयानबाजी करते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास ऐसे हथियार हैं, जो कही भी जाकर हमला कर सकते हैं।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख हनेगबी को बर्खास्त किया

यरूशलम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख त्जाची हनेगबी को बर्खास्त कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख गिल राईच को अस्थायी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

हनेगबी और नेतन्याहू के बीच गाजा पर युद्ध के मुद्दे को लेकर मतभेद लंबे समय से चर्चा में थे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हनेगबी पूरी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ थे और उन्होंने हमास के साथ आंशिक समझौते के पक्ष में समर्थन दिया था।

विपक्षी नेताओं ने हनेगबी के बर्खास्त होने की आलोचना की है और इसे सरकार की जिम्मेदारी से बचने की कोशिश बताया है।

हनेगबी ने अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें नए प्रमुख की नियुक्ति के इरादे से अवगत कराया और इस कारण उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका समाप्त हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिण इजराइल पर हमास के हमले में हुई विफलताओं की पूरी जांच होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने हनेगबी की पिछले तीन साल की सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया।

सऊदी अरब में 50 साल बाद बंद हुआ कफाला

1.3 करोड़ प्रवासी मजदूरों को फायदा, 6 देशों में अभी भी यह सिस्टम मौजूद

रियाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने 70 साल पुरानी कफाला सिस्टम को आधिकारिक तौर पर खत्म कर दिया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव का ऐलान जून 2025 में ही कर दिया गया था, लेकिन अब ये आधिकारिक तौर पर खत्म कर दिया गया है।

कफाला सिस्टम के खत्म होने से 1.3 करोड़ से ज्यादा विदेशी मजदूरों को फायदा होगा। इन मजदूरों में ज्यादातर लोग भारत, बांग्लादेश, नेपाल और फिलीपींस से आते हैं।

सऊदी अरब ने कफाला सिस्टम खत्म कर दिया है लेकिन मिडिल में यूएई, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान और जॉर्डन जैसे देशों में अभी भी यह सिस्टम मौजूद है।

कफाला शब्द, कफील से बना है। कफील का मतलब होता है स्पॉन्सर या जिम्मेदार व्यक्ति। यानी वह व्यक्ति जो किसी विदेशी

मजदूर के रहने और काम करने के लिए जिम्मेदार होता है।

1950 के दशक में खाड़ी के देशों में तेल उद्योग तेजी से बढ़ रहा था। तेल की मांग बहुत बढ़ रही थी, और इन देशों में स्थानीय लोगों की संख्या कम थी। इसलिए उन्हें बहुत सारे विदेशी मजदूरों की जरूरत थी।

विदेशी मजदूरों के आने-जाने और काम करने को नियंत्रित करना भी जरूरी था। इसी लिए कफाला सिस्टम बनाया गया था। इसमें कफील को बहुत ज्यादा ताकत दे गई। जब कोई मजदूर इन देशों में काम करने आता है, तो वह कफाला सिस्टम के तहत ही एंट्री करता है, और उसके ऊपर वहां के नियम और कानून लागू होते हैं। कफील तय करता है कि मजदूर क्या काम करेगा, कितने घंटे काम करेगा, उसकी सैलरी कितनी होगी और वह कहां रहेगा। कफील की अनुमति के बिना नौकरी नहीं बदल सकते, देश नहीं छोड़ सकते थे, और अधिकारियों से सीधे शिकायत नहीं कर सकते थे। इस वजह से मजदूर अक्सर कफील के कंट्रोल में फंस जाते थे।

मानवाधिकार संगठन और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) कफाला सिस्टम की दशकों से कड़ी आलोचना करते रहे थे और इसे आधुनिक गुलामी कहते थे, क्योंकि इस व्यवस्था ने श्रमिकों के सबसे बुनियादी अधिकारों को छीन लिया था और जबरन श्रम तथा मानव तस्करी को बढ़ावा दिया था।

भारत ने नेपाल को दीं 81 स्कूल बसें

48 जिले के स्कूलों को फायदा मिलेगा

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने नेपाल के 48 जिलों में अलग-अलग स्कूलों को 81 स्कूल बसें भेंट की हैं। भारतीय दूतावास ने काठमांडू में बताया कि यह एक पहल है जो भारत और नेपाल के बीच चल रहे विकास सहयोग का हिस्सा है।

इन बसों को कोशी प्रांत के बाढ़ प्रभावित इलाकों जैसे इलाम, झापा और उदयपुर के अलावा हुमला, मुस्तांग, संखुवासभा, दार्चुला, बैतड़ी और अछाम जैसे दूर-दराज के जिलों को भी दिया गया है। इसका मकसद नेपाल के सातों प्रांतों में शिक्षा पहुंच को बेहतर बनाना है। दूतावास ने यह भी बताया कि पिछले तीन दशकों में, भारत नेपाल के संस्थानों को 381 स्कूल बसें दे चुका है, जो देश भर में छात्रों की आवाजाही और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नॉर्थ कोरिया ने 5 महीने बाद फिर बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट किया

प्योंगयांग, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने बुधवार को पांच महीने बाद फिर से बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया की सेना ने प्योंगयांग के दक्षिणी इलाके से कई मिसाइलें लॉन्च होते हुए देखी। मिसाइलें पूर्व दिशा में दागी गईं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे कितनी दूर गईं और कहां गिरीं। दक्षिण कोरिया ने अपनी निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका व जापान के साथ लगातार जानकारी साझा कर रहा है।

चीन के नए स्टील्थ ड्रोन की पहली उड़ान से हलचल

क्या ड्रैगन ने बना लिया बिना पायलट का बॉम्बर? अमेरिका-भारत की बढ़ी टेंशन

बीजिंग, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने अपने नए आधुनिक हथियार से एक बार फिर दुनिया का ध्यान खींचा है। चीन का नया लड़ाकू फ्लाइंग-विंग ड्रोन पहली बार उड़ान भरते हुए देखा गया है। इसे अगली अगली पीढ़ी का बिना पायलट वाला बमवर्षक माना जा रहा है। इस बड़े स्टील्थ क्रैंक्ड काइट ड्रोन का वीडियो की चीनी सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसे अनौपचारिक रूप से जीजे-X कहा जा रहा है। इसने अमेरिका का भी ध्यान खींचा है क्योंकि यह अपनी श्रेणी में अमेरिकी बमवर्षकों के लिए चुनौती बनेगा। वहीं भारत के लिए भी ये चिंता बढ़ाने वाला हो सकता है।

द वॉर जोन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह विमान बमवर्षक या उससे मिलते-जुलते डिजाइन

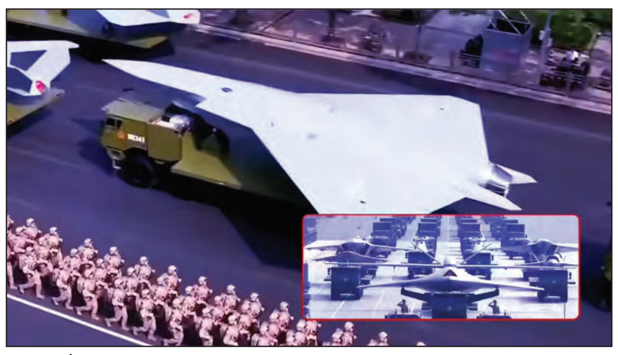

वाला है। इसी तरह का हथियार अगस्त में झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में चीन के मालन एयरबेस पर ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में कैद हुआ था। मालन बेस के इस विमान का पंख फैलाव 42 मीटर (138 फीट) है, जो इसे बिना चालक वाले स्टील्थ विमानों की दुर्लभ श्रेणी में रखता है।

चीन का यह नया हथियार नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन बी-21 रेडर के बराबर साइज का है, जो एक अमेरिकी स्टील्थ रणनीतिक बमवर्षक है। इसका पंख फैलाव 40-42 मीटर है। वर्तमान में विकासाधीन बी-21 पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के पेलोड ले जाने में सक्षम होने की उम्मीद है।

बी-52 के साथ मिलकर भविष्य के अमेरिकी बमवर्षक बल की रीढ़ बनेगा।

भीषण सड़क हादसे से दहला युगांडा

कंपाला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश युगांडा में हुए भीषण सड़क हादसे में कम से कम 63 लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई लोग हादसे में घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा राजधानी कंपाला को उत्तर के गुलू शहर से जोड़ने वाले कंपाला–गुलू हाईवे पर हुआ। पुलिस ने बताया है कि यह देश के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है। बुधवार तड़के यहां कई वाहन आपस में भिड़ गए, जिससे बड़ी पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ।

पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद कहा है कि दो बसों सहित चार वाहन इस हादसे का शिकार हुए हैं। यह टक्कर तब शुरू हुई जब एक बस चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया और एक लॉरी को सीधे टक्कर मार दी। इसके बाद कई और वाहन भी इनके साथ भिड़ गए।

ईरान में हिजाब थोपने वाले की बेटी ने स्लीवलेस-ड्रेस पहनी

वीडियो देख लोग नाराज, कहा– उनकी दुल्हन महल में, हमारी जमीन के नीचे दफन

तेहरान, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के सलाहकार अली शमखानी की बेटी फातिमा की शादी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह शादी पिछले साल तेहरान के लग्जरी एस्पिनास पैलेस होटल में हुई थी। वीडियो में फातिमा स्ट्रैपलेस व्हाइट वेडिंग गाउन में नजर आ रही हैं और समारोह में म्यूजिक बज रहा है। कई महिलाएं बिना हिजाब के दिख रही हैं, जो ईरान के हिजाब कानूनों के खिलाफ है। वीडियो में शमखानी अपनी बेटी को शादी के स्टेज तक ले जाते दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एक महिला अधिकार कार्यकर्ता अली ओमिदवारी ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा- उनकी दुल्हन महल में है, लेकिन हमारी दुल्हन जमीन के नीचे दफन है।

यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान में हिजाब नियमों का पालन कराने के लिए 80,000 नैतिकता पुलिस तैनात करने की प्लानिंग चल रही है। अली शमखानी 2013 से 2023 तक सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी रहे थे। वे हिजाब और नैतिकता नियमों के कट्टर समर्थक माने जाते हैं।

ईरानी लोगों में 3 खास वजहों से नाराजगी है

पैसों का दिखावा: ईरान में ज्यादातर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। बहुत से युवा इतने गरीब हैं कि वे शादी तक नहीं कर पा रहे। ऐसे में शमखानी परिवार के इस आयोजन ने लोगों का गुस्सा भड़का दिया है।

इस्लामी नियमों की अनदेखी: शमखानी हमेशा से इस्लामी मूल्यों और सख्त नियमों का समर्थन करते रहे हैं। लेकिन उनकी बेटी और पत्नी की ड्रेस और बिना हिजाब वाली महिलाएं उनके इन दावों पर सवाल उठा रही हैं। वीडियो में पिता का अपनी बेटी को स्टेज तक ले जाना पश्चिमी देशों की परंपरा है। ईरान में आमतौर पर दूल्हा-दुल्हन एक साथ प्रवेश करते हैं। यह देखकर लोग और भड़क गए। अली शमखानी ईरान के सबसे ताकतवर लोगों में से एक हैं और सुप्रीम लीडर खामेनेई के बहुत करीबी हैं। अभी वे राष्ट्रीय रक्षा परिषद में खामेनेई के प्रतिनिधि हैं। इससे पहले वे 10 साल तक सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव रहे।

पाकिस्तान में महिलाओं को आतंकी बनाने के लिए ऑनलाइन क्लास

जैश-ए-मोहम्मद देगा 40 मिनट की ट्रेनिंग, 'तुफत अल-मुमिनात' क्या है?

इस्लामाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम दुनिया में ऑनलाइन स्किल डेवलपमेंट क्लासेज चलते हैं, कोचिंग क्लासेज चलते हैं, लेकिन हम बात इस्लामिक देश पाकिस्तान की रहे हैं। यहां ऑनलाइन जिहाद का कोर्स चलता है, जिसमें महिलाओं को बताया और सिखाया जाएगा कि बम बमकर कैसे फटा जाए? कैसे 100-50 बेगुनाह लोगों को बम धमाके में उड़ा दिया जाए। पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद ने ऑनलाइन जिहाद का कोर्स शुरू किया है और तय मानिए आगे जाकर खुद पाकिस्तान में ही जिहादी क्लासरूम से निकलने वाली महिलाएं देह में बम बांधकर फटा करेंगी।

कट्टर इस्लामिक आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने 'तुफत अल-मुमिनात' शुरू

किया है, जो महिला विंग है। इस विंग में महिला आतंकवादियों का निर्माण किया जाएगा। 'तुफत अल-मुमिनात' के लिए अब ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की गई है, जिसका नाम जमात उल-मुमिनात है। यह कार्यक्रम 8 नवंबर से शुरू होगा और संगठन के आतंकी प्रचार नेटवर्क के माध्यम से लाइव ऑनलाइन लेक्चर दिया करेंगे। संगठन ने दावा किया है कि यह यूनिट इस्लामी शिक्षाओं और महिला सशक्तिकरण पर आधारित होगी, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, आतंकियों की भर्ती के लिए ये एक नया रास्ता निकाला गया है, जिसका मकसद महिलाओं को ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंकवादी बनाना है।

इस ट्रेनिंग क्लास में शामिल होने वाली महिलाओं के लिए 500 रुपये की फीस रखी गई है और हर दिन 40 मिनट का ट्रेनिंग सेशन चलेगा।

जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर, जिसने 27 सितंबर को बहावलपुर के मरकज उस्मान ओ अली में अपने भाषण में दान की अपील की थी, उसका मकसद इस ऑनलाइन क्लास के जरिए फंड भी जुटाना है।

आपको बता दें कि जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना मसूद अजहर ने साल 2000 में की थी।

मसूद अजहर इससे पहले हरकत-उल-अंसार नाम के एक संगठन से जुड़ा था।

इस समूह का मकसद जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग कर इस्लामी शासन स्थापित करना है। यह संगठन कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल रहा है, जिनमें 2001 का भारतीय संसद हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा हमला प्रमुख हैं।

संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका दोनों ने जैश को एक आतंकी संगठन घोषित किया है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में जैश के ठिकानों पर हमले किए थे, जिसमें मसूद अजहर के परिवार के 10 लोग मारे गये थे।

'तुफत अल-मुमिनात' क्या है?

जैश ने अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ते हुए 'तुफत अल-मुमिनात' नाम का एक महिला यूनिट लॉन्च की है।

यह यूनिट कथित तौर पर महिलाओं की धार्मिक और वैचारिक ट्रेनिंग के नाम पर उन्हें आतंकवाद की विचारधारा से जोड़ने का काम करेगी। संगठन की प्रचार सामग्री में इस यूनिट को इस्लामी महिलाओं को जगाने वाला कार्यक्रम बताया गया है, लेकिन खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह यूनिट महिलाओं को लॉजिस्टिक सपोर्ट, डिजिटल प्रचार और ऑनलाइन फंडिंग जमा करने की योजना बनाई गई है।

रूस की यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों की बारिश

मां-बेटियों समेत 6 की मौत पुतिन पर भड़के जेलेंस्की

कीव, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस ने बुधवार को यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं। इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, वहीं 20 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव समेत अलग-अलग शहरों पर रूस के ये ड्रोन और मिसाइल हमले हुए हैं। हमलों में मरने वालों में एक महिला और उसकी दो छोटी बेटियां शामिल हैं। यूक्रेन ने आम लोगों के साथ-साथ उर्जा ढांचे को निशाना बनाने का आरोप रूस पर लगाया है।

क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने बताया कि कीव क्षेत्र में बचावकर्मियों ने पोहरेबी गांव में एक घर में आग लगने के बाद तीन लोगों के शव बरामद किए, जिनमें एक महिला और उसकी दो बेटियां हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव दि्नप्रो जिले में दो और लोग मृत पाए गए।

यहां आपातकालीन सेवाओं ने 16 मंजिला आवासीय इमारत पर ड्रोन के हमले से लगी आग से 10 लोगों को बचाया।

जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ, अमेरिका और सात औद्योगिक देशों के समूह जी7 से रूस पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि दुनिया अब चुप ना रहे और रूस के विश्वासघाती हमलों का एकजुट होकर जवाब दिया जाए। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन को जवाबदेह ठहराना जरूरी है।

इन हमलों से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बुडापेस्ट में उनकी प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई है, क्योंकि वह बेकार की मीटिंग नहीं चाहते हैं।

यूक्रेन में युद्ध को सुलझाने की कोशिश कर रहे ट्रंप के प्रयासों में यह नया मोड़ है।

ट्रंप और पुतिन के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में बैठक होने वाली थी, जिसे स्थगित करने का निर्णय सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच बातचीत के बाद लिया गया। ट्रंप ने कहा कि मैं एक व्यर्थ बैठक नहीं चाहता। मैं सिर्फ समय की बर्बादी नहीं चाहता हूं।

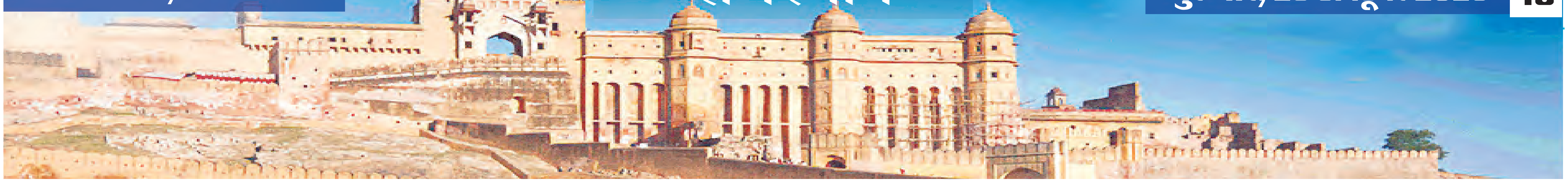

अंता उपचुनाव से पहले नेताओं की जुबानी जंग तेज

भजनलाल सरकार के मंत्री ने कांग्रेस प्रत्याशी पर लगाया गंभीर आरोप

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भजनलाल सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया पर तीखा हमला बोला है।

बीजेपी नेता जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया पर सीधे हमला बोलते हुए एक सनसनीखेज आरोप लगाया। मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार खनन माफिया के रूप में काम करते हैं।

अंता में कांग्रेस प्रत्याशी का आतंक

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि जब भी कोई चुनाव होता है तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों को उतारकर पार्टी की उपस्थिति और अपने विचार को जनता के बीच ले जाने का काम करते है। अंता उपचुनाव स्थानीय लोगों की इच्छा के अनुसार भाजपा जीतेगी। क्योंकि अंता में कांग्रेस प्रत्याशी का आतंक रहा है। इन्होंने खनन माफिया के रूप में काम किया है। इसके अलावा तीसरे मोर्चे की वहां कोई उपस्थिति नहीं है।

भजनलाल सरकार की तारीफ में गढ़े कसीदे

मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सब लोग समझ चुके हैं कि भाजपा और सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का विकास गति से बढ़ा है। राजस्थान सर्वांगीण विकास की ओर बढ़ रहा है। चाहे पानी की समस्या हो या कानून व्यवस्था की। चिकित्सा व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। बेरोजगारी को खत्म करने के लिए बंपर भर्तियां निकाली है और युवाओं के सपनों को साकार करने का संकल्प प्रदेश के सीएम ने लिया है।

अंता को विकास के पथ पर ले जाने का करेंगे काम

मंत्री बेढम ने कहा कि अंता के लोग समझते हैं कि हमारे कार्यकाल के तीन साल और हैं, जिसके दौरान वे अंता को विकास के पथ पर ले जाने के लिए काम करेंगे। पिछले उपचुनावों में भी लोगों ने सरकार के कामकाम के आधार पर वोट दिया था और हम 7 में से 5 सीटें जीते। हमारी पार्टी ने निष्पक्षा के भाव वाले प्रत्याशी को अंता में उतारा है। हमारी पार्टी भारी मत से अंता उपचुनाव में जीतेगी।

'गहलोत आगे-आगे और हार उनके पीछे-पीछे'

बिहार चुनाव पर राजस्थान में भी छिड़ी सियासत

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमाई हुई है। बिहार चुनाव के चलते राजस्थान कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी के दिग्गज नेता चुनाव प्रचार में अपना दम खम दिख रहे हैं। इस बीच भाजपा नेता और पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने गहलोत को बिहार चुनाव में मिली उनकी नई जिम्मेदारी को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत हार को अपने साथ लेकर घूमते हैं। वह जहां भी जाते हैं, हार उनके पीछे-पीछे आ जाती है। बता दें कि अशोक गहलोत को पार्टी ने बिहार चुनाव में आब्जर्वर नियुक्त किया है। इसी के चलते राठौड़ ने उन्हें निशाना बनाया।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर देश की सियासत में जमकर हलचल है। बिहार विधानसभा में दो चरणों में मतदान होंगे। इनमें 6 नवंबर और 11 नवंबर की दिनांक शामिल है। इसको लेकर राजस्थान और कांग्रेस के स्टार प्रचारक भी अपनी ताकत झोंक रहे हैं। इधर, राजेंद्र राठौड़ ने अपने चुनाव प्रचार में गहलोत को कांग्रेस का ऑब्जवर बनाए जाने पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत साहब तो हार को लेकर घूमते हैं, वे जहां-जहां जाते हैं, हार उनके पीछे-पीछे आती है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अब तक जितनी बार भी ऑब्जर्वर बने हैं, वहां उन्होंने अपनी ही पार्टी का पत्ता साफ किया है। उन्होंने कहा कि गहलोत साहब के ऑब्जवर बनने से कुछ नहीं होने वाला, क्योंकि इंडिया गठबंधन टुकड़ों-टुकड़ों में बंट चुका है। इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा में बीजेपी की जीत को लेकर दावा किया है।

जब-जब गहलोत ऑब्जर्वर बने, तो यह रहा चुनाव परिणाम

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत को पार्टी ने कई बार ऑब्जर्वर और सीनियर आब्जर्वर के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी है। हालांकि इस दौरान राजनीति के जादूगर गहलोत इन जगहों पर अपना कोई खास जादू नहीं दिखा पाए। वर्ष 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में गहलोत, अजय माकन और प्रताप सिंह बाजवा को सीनियर पर्यवेक्षक बनाया गया, लेकिन वहां कांग्रेस की सरकार नहीं बनी। कांग्रेस को 90 में से केवल 30 सीटें हासिल हुई। इसी तरह नवम्बर 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी गहलोत कांग्रेस को जीत नहीं दिला सके। वहां भी बीजेपी ने अपनी सरकार बनाई। 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भी गहलोत ने अपने प्रचार में जमकर दमखम दिखाया। कई विधानसभा क्षेत्रों में पैदल मार्च किया, लेकिन उनकी यह मेहनत गुजरात में भी काम नहीं आई।

जिलाध्यक्ष बनने के लिए मची होड़, 50 जिलों के लिए आए 3000 आवेदन

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है. पार्टी ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लक्ष्य के तहत 50 जिलाध्यक्षों के चयन अभियान को लगभग पूरा कर लिया है. अब 24 अक्टूबर को दिल्ली में कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल सभी पर्यवेक्षकों से वन-टू-वन फीडबैक रिपोर्ट लेंगे. इस अहम बैठक में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और केंद्रीय नेता सेंथिल कुमार भी मौजूद रहेंगे. राजस्थान में संगठन के 50 जिलों के जिलाध्यक्षों के लिए 3000 आवेदन आए हैं. अकेले जयपुर के लिए 50 से ज्यादा दावेदार सामने आए हैं.

बताया जा रहा है कि इस बैठक में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सह-प्रभारी जूली को भी विशेष रूप से दिल्ली बुलाया गया है. वेणुगोपाल दोनों नेताओं से अलग से फीडबैक चर्चा करेंगे ताकि अंतिम रिपोर्ट को एआईसीसी अध्यक्ष और राहुल गांधी के समक्ष भेजने से पहले सभी दृष्टिकोणों को शामिल किया जा सके. कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पार्टी ने इस बार जिलाध्यक्षों को केवल संगठनात्मक चेहरा नहीं बल्कि निर्णयकारी और नेतृत्वकारी भूमिका देने का निर्णय लिया है.

राजस्थान कांग्रेस में पार्टी की 'रीढ़' बनेंगे जिलाध्यक्ष

पार्टी इसे 'राजीव गांधी युग जैसी सशक्त संरचना' की वापसी के रूप में देख रही है, जहां जिलाध्यक्ष पार्टी की रणनीति और जनसंपर्क की असली कड़ी होंगे. कांग्रेस संगठन के राजस्थान में 50 जिले हैं. इन 50 जिलाध्यक्षों के लिए 15 दिन की रायशुमारी की प्रक्रिया फील्डवर्क पूरा कर लिया गया है. आज पर्यवेक्षकों की ओर से रिपोर्ट सबमिट करने का आखिरी दिन है. रायशुमारी के बाद एआईसीसी को भेजे कुल 300 नाम भेजे जाएंगे. हर जिले से 6-6 नामों का पैनल तैयार किया गया है.

50 केंद्रीय पर्यवेक्षक जिलावार चयन प्रक्रिया में जुटे हैं

एआईसीसी में इन नामों पर चर्चा करने के बाद 150 की सूची राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास भेजी जाएगी. उनमें से राहुल और खड़गे 50 जिलाध्यक्ष का अंतिम चयन करेंगे. राजस्थान में कुल 50 केंद्रीय पर्यवेक्षक जिलावार चयन प्रक्रिया में जुटे हैं. 80 फीसदी पर्यवेक्षकों ने एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंप दी है. शेष बचे हुए पर्यवेक्षक आज रिपोर्ट सौंपेंगे. बताया जा रहा है कि नवंबर के पहले सप्ताह तक नए जिलाध्यक्षों की घोषणा हो जाएगी. इनमें 90 जिलाध्यक्षों के चेहरे बदले जाने की संभावना है.

नए जिलाध्यक्ष जनता और पार्टी के बीच सेतु बनेंगे

नई सूची में 50 फीसदी पद आरक्षित वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों से भरे जाएंगे. महिलाओं को भी प्रमुख भूमिका और वरीयता मिलेगी. कांग्रेस का लक्ष्य जिलों तक संगठन की जड़ों को मजबूत करना है. पार्टी हाईकमान चाहता है कि जिलाध्यक्ष केवल नाममात्र के नहीं हो बल्कि वे नेतृत्वकर्ता बनें. कांग्रेस संगठन की रीढ़ को पुनः जीवंत करने का प्रयास कर रही है. नए जिलाध्यक्ष जनता और पार्टी के बीच सेतु बनेंगे. यह बदलाव कांग्रेस को आगामी चुनावों से पहले नई ऊर्जा देगा.

पतंजलि डिस्ट्रीब्यूटर शिप के नाम पर ठगी

अलवर पुलिस ने फर्जी आरोपी को धर-दबोचा

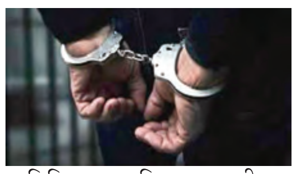

अलवर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर पुलिस ने पतंजलि की डिस्ट्रीब्यूटर शिप दिलाने के नाम पर करीब साढ़े पांच लाख रुपये ठगने के आरोप में एक फर्जी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। शिवजी पार्क थाना पुलिस के अनुसार, परिवादी अनिल तोड़ ने आरोपी को पतंजलि की डिस्ट्रीब्यूटर शिप दिलाने का झांसा दिया। इसके बदले में आरोपी ने परिवादी के खाते में 5,35,460 रुपये जमा करवा लिए। जब डिस्ट्रीब्यूटर शिप नहीं दी गई, तो परिवादी ने आरोपी से संपर्क किया, लेकिन आरोपी ने पैसे वापस देने से मना कर दिया।

इस मामले की जानकारी जब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक काम्बले शरण को मिली, तो उन्होंने थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस उप अधीक्षक से भी थाना प्रभारी विनोद सामरिया ने बातचीत कर पूरे प्रकरण में विशेष रुचि लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास करने के निर्देश दिए।

निर्देशों के बाद शिवजी पार्क थाना पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और उसकी सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा। आरोपी तिजारा फाटक के पास गणपति विहार कालीनों के झंडे वाला मंदिर का निवासी है, लेकिन गिरफ्तारी अन्य स्थान से की गई, जहां वह छिपा हुआ था।

पुलिस ने आरोपी के पास से एक लाख 50 हजार रुपये बरामद किए हैं और बाकी रकम के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने परिवादी को डिस्ट्रीब्यूटर शिप दिलाने का झांसा 18 दिसंबर 2024 को दिया था और तभी से परिवादी को ठगता आ रहा है। इस दौरान उसने परिवादी के खाते में करीब साढ़े पांच लाख रुपये जमा करवा लिए।

हवा की हालत गंभीर; 5 शहर 'अत्यधिक प्रदूषित'

जयपुर और अजमेर की हवा भी बेहद खराब

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली के बाद राजस्थान की हवा में जहर घुला हुआ है। राज्य के कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक और 'अत्यधिक हानिकारक' श्रेणी में पहुंच गया है।भिवाड़ी, श्रीगंगानगर, चूरू, गंगानगर और बीकानेर जैसे शहरों में हवा की गुणवत्ता स्वास्थ्य के लिए 'गंभीर खतरा' बन चुकी है। वहीं जयपुर, अजमेर, अलवर और सीकर जैसे प्रमुख शहरों में एक्यूआई 'स्वास्थ्य के लिए हानिकारक' से 'अति हानिकारक' स्तर तक पहुंच गया है।

भिवाड़ी (एक्यूआई 416), श्रीगंगानगर (466), चूरू (413), गंगानगर (427) और अलवर (363) देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गए हैं। इन शहरों की हवा Hazardous (अत्यंत खतरनाक) श्रेणी में आ चुकी है, जो सामान्य व्यक्ति के लिए भी स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती है। राजधानी जयपुर में AQI 270 और अजमेर में 306 दर्ज किया गया, जो हवा को 'अस्वास्थ्यकर' और 'अति हानिकारक' कैटेगरी में रखता है। बीकानेर में AQI 305, टोंक में 312, और सीकर में 300 तक पहुंच गया, जो आम नागरिकों, खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस रोगियों के लिए खतरे की घंटी है। 30 से अधिक शहरों में एक्यूआई खराब श्रेणी में है। स्वास्थ्य पर असरः खतरे की घंटी, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि 'अत्यधिक' और 'अति हानिकारक' एक्यूआई स्तरों पर वायु में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम10 कण सांस और हृदय से जुड़ी बीमारियों को तेजी से बढ़ा सकते हैं।

कौन है हिस्ट्रीशीटर बटार ? जो महिला के भेष में पकड़ा गया, रोहित गोदारा गैंग से है कनेक्शन

अलवर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले में पुलिस ने रोहित गोदारा गैंग के एक शूटर को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस से बचने के लिए महिला के कपड़े पहने। लेकिन, घाघरा और लुगड़ी भी उसे नहीं बचा सकी। रोहित गोदारा गैंग का शूटर अभिषेक उर्फ बटार भेष बदलने के बाद भी पुलिस के चंगुल में फंस गया। पूछताछ में सामने आया है कि बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में बहरोड़ आया था।

एसपी बहरोड़ देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि पुलिस की क्यूआरटी टीम को मुखबिर से बदमाश के बहरोड़ में छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस की टीमों ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। बदमाश से पास 3 देशी पिस्टल, 12 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन मिली है। साथ ही पुलिस ने आरोपी को मोबाइल जब्त कर लिया है। माना जा रहा है कि मोबाइल की जांच में कई बड़े खुलासे हो सकते है।

कौन है हिस्ट्रीशीटर बटार ?

अभिषेक उर्फ बटार (21) पुत्र पप्पू राम गुर्जर पनियाला थाना क्षेत्र के मोलाहेड़ा गांव का रहने वाला है। बदमाश का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। आरोपी के खिलाफ अलग—अलग थानों में 8 मामले दर्ज है। कोटपूतली थाने के एक गंभीर मामले में फरार कुख्यात अपराधी अभिषेक उर्फ बटार पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

ऐसे फंसा पुलिस के चंगुल में

क्यूआरटी कोटपूतली को मुखबिर से सूचना मिलने के बाद बहरोड़ पुलिस बाईपास रोड पर पहुंची। जहां पर एक युवक घाघरा-लूगड़ी पहने हुए दिखाई दिया। औरत के भेष में दिखने वाले युवक पर शक होने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ की। युवक ने जैसे ही अपना नाम बताया तो पुलिस ने उसकी गहनता से तलाशी ली। बदमाश के पास हथियारों का जखीरा मिलने पर पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।

सरपंच पति बेचता था गांजा

पुलिस ने 2 आरोपियों को भेजा जेल

पुलिस कार्रवाई में मिला 5 किलो गांजा

बूंदी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बूंदी के हिण्डोली के दबलाना पुलिस ने अवैध रूप से गांजा रखने के आरोप में सरपंच के पति धर्मराज राव और गांजा खरीदने के आरोपी संपत लाल सांसी को न्यायालय में पेश किया। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस के द्वारा की गई एक बड़ी छापेमारी का हिस्सा है।

भीलवाड़ा से खरीदकर लाता था गांजा

पुलिस के मुताबिक गोकुलपुरा निवासी सरपंच के पति धर्मराज राव के पास 5 किलो 150 ग्राम गांजा पाया गया था जिसे जब्त कर लिया गया। आरोपी राव को गिरफ्तार करने के बाद जब पुलिस ने रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह भीलवाड़ा जिले के संपत लाल सांसी से गांजा खरीदकर लाता था।

न्यायलय में किया पेश

पुलिस ने आरोपी धर्मराज राव की निशानदेही पर संपत लाल सांसी के घर पर दबिश दी और उसे भी गिरफ्तार किया और फिर दोनों आरोपियों को हिण्डोली न्यायालय में पेश किया।

भीषण सड़क हादसा, खाटूश्यामजी से लौट रहे एक ही परिवार के 4 लोगों की दर्दनाक मौत

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जयपुर के चौमूं थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 लोग गंभीर घायल हो गए। हादसे के सूचना मिलते ही चौमूं एसएचओ प्रदीप शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीन घायलों को एंबुलेंस की मदद से जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवावाया। वहीं, हादसे में मारे गए चार लोगों में से तीन के शवों को जयपुर के कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। एक मृतक के शव को चौमूं के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

एक ही परिवार के है सभी लोग

बताया जा रहा है ये सभी लोग खाटू श्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। हादसे के शिकार सभी लोग एक ही परिवार के है और यूपी के बनारस के रहने वाले है। ये लोग हाल ही में जयपुर में रहते है।

खाटू श्याम जी से लौटते वक्त हुआ हादसा

पुलिस के मुताबिक हादसा नेशनल हाईवे-52 पर रामपुरा पुलिया के पास सुबह करीब 3 बजे हुआ। जयपुर के करधनी थाना इलाके के रहने वाले 7 लोग तीन बाइकों पर सवार होकर खाटू श्याम जी गए थे। ये सभी लोग रात को ही वापस जयपुर लौट रहे थे। तभी चौमूं थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार एसयूवी 3 बाइकों को रौंदते हुए निकल गई। हादसे में एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और 6 लोग गंभीर घायल हो गए।

6 घायलों में से 3 की रास्ते में मौत

हादसे में घायल 6 लोगों में से 3 की रास्ते में मौत हो गई। चौमूं के सरकारी अस्पताल से सभी घायलों को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही एक महिला सहित तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। वहीं, तीन घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

मृतकों की हुई पहचान

मृतकों की पहचान वीरेंद्र श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव पुत्र वीरेंद्र श्रीवास्तव, श्वेता श्रीवास्तव पत्नी लक्की श्रीवास्तव और लक्की पुत्र इंद्रप्रकाश श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में गंभीर घायल अविनाश पुत्र विजय बहादुर, रौनक पुत्र अविनाश और संगीता पत्नी वीरेंद्र सिंह का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस कांस्टेबल पर जानलेवा हमले के मामले ने वांछित आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। आबूरोड शहर पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड पर तैनात कांस्टेबल पर जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। दीपावली के दिन यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने और उत्पात मचाने के दौरान कांस्टेबल ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की, तो नाराज आरोपियों ने उस पर छूरी से हमला कर दिया। घटना के तुरंत बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आबूरोड सदर पुलिस थानाधिकारी हरचंद देवासी ने बताया कि इस मामले में पाटन, मालाफली, डेरी, थाना रीको, आबूरोड जिला सिरोही निवासी भगा पुत्र भूरा गरासिया, अना पुत्र भूरा गरासिया, गोवा पुत्र सोपा गरासिया एवं थोबरी फली, सियावा थाना आबूरोड निवासी सोमा पुत्र डुगरा गरासिया को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से तीन धारदार छूरियां भी बरामद की गई हैं। कार्रवाई में आबूरोड शहर थाना के उपनिरीक्षक भगवानाराम, सहायक उपनिरीक्षक श्रवणसिंह, कांस्टेबल कालूराम, मालाराम, ओमप्रकाश और धरमाराम शामिल रहे। पुलिस के अनुसार मामले की जानकारी मिलने के तुरंत बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान के निर्देशानुसार आबूरोड शहर थाना की टीम ने राजकार्य में बाधा डालने और हत्या के प्रयास करने वाले चारों आरोपियों को मात्र एक घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पुष्कर मेला शुरू : सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद; अंतरराष्ट्रीय कलाकार देंगे प्रस्तुति

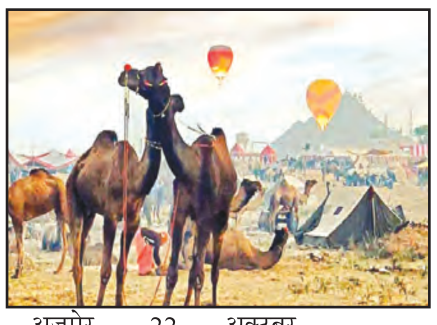

अजमेर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रंग रंगीले राजस्थान का सबसे बड़ा त्योहार अजमेर में लगने वाला प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला बुधवार से शुरू हो रहा है। यह सात नवंबर तक चलेगा। मेले में देशी-विदेशी पर्यटक शामिल होंगे।

मेले के तीन चरणों में पशु मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक मेला शामिल हैं। मेले की तैयारी के लिए पशुपालकों, विशेषकर ऊंट पालकों ने पहले से ही पुष्कर के रेतीले धोरों में डेरा डालना शुरू कर दिया था।

अश्व पालकों के लिए अस्थाई और स्थायी अस्तबल बनाए गए हैं। इस बार ऊंट और घोड़े अपने करतब दिखाएंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा बल के जवान भी शामिल होंगे।

मेले में मिस्टर और मिस राजस्थान प्रतियोगिता का आयोजन होगा, साथ ही प्रसिद्ध गायक कलाकार रूप सिंह राठौड़ और सोनानी सिंह अपनी प्रस्तुति देंगे। सुरक्षा के लिए दो सौ से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुष्कर सरोवर के घाटों पर गोताखोर भी मौजूद रहेंगे।

बांध में डूबने से नानी-दोहिते की मौत

भैंस को पानी पिलाते समय हुआ हादसा

पाली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्यौहारी सीजन में जिले के रोहट थाना क्षेत्र से दर्दनाक खबर सामने आई है। भैंस को बांध पर पानी पिलाने गए नानी और दोहिते की पैर फिसलने से बांध में गिरकर मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों को एम्बुलेंस से गंभीर अवस्था में पाली के बांगड़ अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पैर फिसलने से हादसा

जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान खुटानी भीलों की ढाणी निवासी इंद्रा देवी (47) पत्नी राजाराम भील और उसके दोहिते छोगाराम (13) पुत्र रामलाल भील के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों जालोर जिले के आहोर तहसील स्थित बाकली बांध पर भैंस को पानी पिलाने गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में जा गिरे।

परिवार में कोहराम

स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है। हादसे की सूचना पर क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं परिवार में कोहराम मच चुका है।

तेलंगाना ने सभी चेकपोस्ट समाप्त किए : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में,तेलंगाना सरकार न राज्य में सभी चेकपोस्ट समाप्त कर दिए हैं। इस संबंध में, 22 अक्टूबर (बुधवार) से इसे लागू करने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किया गया है। खैरताबाद आरटीए कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि दो महीने पहले लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य पारदर्शिता लाना, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और ऑनलाइन प्रणालियों के माध्यम से सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा, "चेकपोस्ट अब पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं।" मंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए राज्य के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। "तेलंगाना में ईवी नीति लागू करने के बाद, हमने 577 करोड़ रुपये के करों में छूट दी है। ईवी वाहनों की बिक्री 0.037 से बढ़कर 1.137 हो गई है," उन्होंने कहा, और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह नीति दिल्ली जैसे प्रदूषण परिदृश्यों को रोकने के लिए बनाई गई है। उन्होंने आगे कहा, "हमने शहर में 20,000 इलेक्ट्रिक ऑटो, एलपीजी और सीएनजी ऑटो के लिए 10-10,000 ऑटो की अनुमति दी है। इसके अलावा, 25,000 रेट्रोफिटेड ऑटो को भी मंज़ूरी दी गई है।" मंत्री प्रभाकर ने आगे बताया कि 'वाहन योजना' को 'सारथी' प्लेटफ़ॉर्म के साथ-साथ पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। उन्होंने वाहन स्क्रैपिंग नीति की शुरुआत और वाहनों के लिए रेडियम स्टिकर सहित केंद्र सरकार के नियमों के अनुपालन का ज़िक्र किया। मंत्री ने जनता को कुशल सेवाएँ प्रदान करने के लिए एआई तकनीक के इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीइ/सी-III/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, एनआयटी संख्या: 26-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.14-10-2025, कार्य विवरण: विजयवाडा डिवीजन-राजमण्ड्री स्टेशन का पुनर्विकास-मौजूदा स्ट्रक्चर्स को ध्वस्त करना तथा निम्न का पुनर्निर्माण करना जैसे 1) आरपीएफ & जीआरपी आफिस 2) आफिसर्स रेस्ट हाउस 3) एसएसइ/इलेक्ट्रिकल तथा एस&टी आफिसेज 4)मजदूर युनियन आफिस 5) पे&यूज टायलेट्स 6) एडीइ (टीआरडी) /एडीएसटीइ आफिस 7) रेलवे हेल्थ युनिट 8) स्पेशल ज्युडिशियल आफिस 9) रेलवे इंस्टिट्यूट 10) वेस्ट कालोनी पर इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन (33/11 केवी) तथा अन्य संबंधित छिटपुट कार्य। अनुमानित लागत रु.16,27,64,827.10, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.9,63,800.00, पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, खोलने की तिथि: 11-11-2025 के 15.00 बजे

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: https://ireps.gov.in पर लॉगिन करें।

2) निविदाकार, अपने आफर्स को ऑनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले अर्थात् पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

3) निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्या बी/इ.इजीएस/13/2025-26, दि.17-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित अधोलिखित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, टेंडर नं. बी/इ.29/I/इजीएस/22/25-26, दि.17-10-2025, कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन पर अल्पकालिक सुरक्षा उपायों के रूप में ट्रैक मशीन कैम्पिंग कोचेस हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। मात्रा-27 कोचेस। निविदा मूल्य रू.23,84,910/-, पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षा रु.47,700/-, पूरा करने की अवधि: 3 महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रू. शून्य, बंद करने की तिथि: 10-11-2025

निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे, संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि तत्संबंधित **वेबसाइट:**www.ireps.gov.in प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद होने की तिथि से पहले **वेबसाइट:**www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, द. म. रेलवे, विजयवाडा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना संख्या डीआरएम/ वर्क्स/ बीजेडए/ 31/2025, दि.17-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित अधोलिखित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, टेंडर नं. इ.21-दक्षिण-बीजेडए-2025, कार्य विवरण: एसआर. डीइएन/दक्षिण/बीए क्षेत्राधिकार के तहत दिव्यांगजन सुविधाओं की उपलब्धता में कमी हेतु प्रावधान तथा स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था। निविदा मूल्य रू. 6,10,50,140/-, पूर्व धरोहर राशि रु.4,55,300/-, पूरा करने की अवधि: 12 (बारह महिने), बंद करने की तिथि: 10-11-2025

निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे, संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि तत्संबंधित **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद होने की तिथि से पहले **वेबसाइट:**www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), द. म. रेलवे, विजयवाडा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर एवम् विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसों पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

संख्या-एनडब्ल्यू/148/WII/टेंडर नोटिस/2025-26, दि.17-10-2025

निम्न कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। तत्संबंधित विवरण निम्न प्रकार है:-

क्रम संख्या:01, निविदा संख्या: टी-202526-3-082, प्राधिकरण:को-आर्ड, कार्य विवरण: हिंगोली गूड्स शेड पर तत्संबंधित सुविधाओं का सुधार कार्य/प्रावधान। निविदा मूल्य रू.199208831.31, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1146100.00, पूरा करने की अवधि: बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:01, निविदा संख्या: टी-202526-3-082, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक)- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

उपरोक्त निविदाएं दि.10-11-2025 के 15.00 बजे बंद होंगी।

एसआर. डीइएन/ को-ऑर्ड./नांदेड

A1664

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in एवं www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

निजाम सागर में 50 वर्षों में दूसरा सबसे अधिक जल प्रवाह

संगारेड्डी, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान द्वारा 94 साल पहले निर्मित निजाम सागर परियोजना में इस मानसून के दौरान मंजीरा नदी और उसकी सहायक नदियों से 50 वर्षों में दूसरा सबसे अधिक जल प्रवाह दर्ज किया गया है। संगारेड्डी और कामारेड्डी जिलों की सीमा पर स्थित इस परियोजना में इस वर्ष कुल 291 टीएमसी फीट पानी का संचयी प्रवाह आया, जबकि परियोजना की पूर्ण भंडारण क्षमता 17.802 टीएमसी फीट है। अतिरिक्त पानी के प्रबंधन के लिए सिंचाई अधिकारियों ने अगस्त और अक्टूबर के बीच कई शिखर द्वार खोले। सिंचाई विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता पी अक्षय कुमार ने बताया कि 1975 से जल प्रवाह का रिकॉर्ड रखा जा रहा है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा है: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस सरकार कॉलेजों की बकाया फीस प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करने में विफल रही, तो पार्टी राज्य सचिवालय का घेराव करेगी। एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि अगर सरकार ने बकाया राशि तुरंत जारी नहीं की, तो भाजपा, कॉलेज प्रबंधन और छात्रों के साथ मिलकर सचिवालय का घेराव करेगी और मंत्रियों को सड़कों पर उतरने से रोकेगी। उन्होंने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। राव ने आरोप लगाया, "सरकार ने हर महीने 500 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन उसने अपना वादा पूरा नहीं किया है।" कांग्रेस प्रशासन को 'अक्षम' बताते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि बार-बार भुगतान टोकन जारी करने के बाद भी वह बकाया राशि का भुगतान नहीं कर पा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य में 'ब्लैकमेल सरकार' चल रही है, और आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन को बकाया भुगतान की मांग करने पर सतर्कता विभाग के छापों की धमकी दी जा रही है।

घायल भाजपा कार्यकर्ता से मिले प्रदेश अध्यक्ष

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर में गायों के परिवहन को रोकने के दौरान हुई गोलीबारी की घटना में गंभीर रूप से घायल हुए सोनू (प्रशांत) से मिलने पहुँचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम कर रहे घायल व्यक्ति पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने पीड़ित के स्वास्थ्य पर गहरा दुःख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि उसे सर्वोत्तम उपचार मिलेगा।भारतीय जनता पार्टी ऐसी हिंसक घटनाओं को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है।

तेलंगाना में मानसून ने दी रिकॉर्ड बारिश

जलविद्युत उत्पादन में 42 प्रतिशत बढ़ोतरी

राज्य की सिंचाई परियोजनाओं में भरा 80 प्रतिशत जल

बिजली उत्पादन को दी प्राथमिकता

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस साल तेलंगाना में अब तक 33 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की है। राज्य में औसतन 988.3 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे किसानों को राहत मिली है और सिंचाई परियोजनाएँ अब जलविद्युत उत्पादन को प्राथमिकता दे रही हैं। नागार्जुन सागर और श्रीशैलम जैसी प्रमुख परियोजनाएँ, जो सितंबर के अंत तक गंभीर स्तर तक पहुँच चुकी थीं, अब अपनी कुल क्षमता के 75 से 80 प्रतिशत से अधिक पर कार्य कर रही हैं।

राज्य में दशक की सबसे अधिक वर्षा के कारण सिंचाई पर निर्भरता कम हुई है। आदिलाबाद और निज़ामाबाद जैसे जिलों में खरीफ़ परियोजनाओं और नहरों पर निर्भरता 40 प्रतिशत घटी है। अतिरिक्त वर्षा ने करीब 45 लाख एकड़ क्षेत्र को प्राकृतिक रूप से सिंचित किया है।

तेलंगाना राज्य विद्युत उत्पादन निगम (टीएसजीईएनसीओ) के अनुसार, 1 जून से 15 अक्टूबर तक जलविद्युत उत्पादन में 1,787 मिलियन यूनिट (एमयू) की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। कुल उत्पादन 6,040 एमयू रहा। केवल श्रीशैलम से 1,950 एमयू और नागार्जुन सागर से 2,150 एमयू बिजली का उत्पादन हुआ।

राज्य का प्लांट लोड फैक्टर भी 25 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया है। जलाशयों में पर्याप्त जल भंडारण के कारण इस वर्ष सभी इकाइयों ने पूरी क्षमता से उत्पादन किया। 1 जून से 15 अक्टूबर के बीच श्रीशैलम एलबीपीएच ने 795 एमयू, नागार्जुन सागर मुख्य पीएच ने 660 एमयू, नागार्जुन सागर बाएं नहर ने 46 एमयू, जुराला मुख्य ने 165 एमयू और निचले जुराला ने 170 एमयू बिजली का उत्पादन किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में श्रीशैलम, नागार्जुन सागर और जुराला में लगभग पूर्ण भंडारण होने से चौबीसों घंटे उत्पादन संभव हो पाया। जून से अक्टूबर के बीच जलविद्युत संयंत्रों ने राज्य की ग्रिड आपूर्ति में आठ प्रतिशत से अधिक योगदान दिया, जो पिछले वित्त वर्ष में लगभग चार प्रतिशत था। इसके अलावा, निज़ामसागर और पोचमपाड इकाइयों के आधुनिकीकरण से प्रत्येक की क्षमता में 5 मेगावाट की वृद्धि हुई, जिससे वर्ष 2025 की शुरुआत में उत्पादन दक्षता में लगभग 10 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया।

बी-फार्मा में भारी मांग, राज्य के कॉलेजों में 96 प्रतिशत सीटें भरी गईं

टीजी ईएपीसीईटी 2025 के अंतिम चरण में अधिकांश व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सीटें भर गईं

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस शैक्षणिक वर्ष में बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी-फार्मा) कार्यक्रम राज्य के सबसे अधिक मांग वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में से एक के रूप में उभरा है। टीजी ईएपीसीईटी 2025 के अंतिम चरण की काउंसलिंग के अनुसार, सरकारी और विश्वविद्यालय कॉलेजों में 100 प्रतिशत प्रवेश हो चुका है, जबकि निजी कॉलेजों में 96 प्रतिशत सीटें भर चुकी हैं।

राज्य के 124 फार्मेसी कॉलेजों में संयोजक कोटे के तहत कुल 8,908 सीटें उपलब्ध थीं, जिनमें से 8,560 (96.09 प्रतिशत) सीटें छात्रों को आवंटित की जा चुकी हैं। फार्म डी प्रोग्राम में 74 कॉलेजों ने लगभग पूर्ण प्रवेश की सूचना दी है, जिसमें 1,682 सीटों में से 99.35 प्रतिशत सीटें भरी गई हैं। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और बायो-टेक्नोलॉजी प्रोग्राम की सभी सीटें भरी गई हैं, जबकि फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम की 116 सीटों में से केवल छह सीटें खाली हैं।

टीजी ईएपीसीईटी 2025 में कुल 71,309 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए, जिनमें से 16,336 ने प्रमाणपत्र सत्यापन में भाग लिया और 15,192 ने सीट आवंटन के लिए वेब विकल्प चुना। कुल मिलाकर 10,960 सीटों में से 96.67 प्रतिशत सीटें आवंटित कर दी गई हैं। जिन छात्रों को सीटें आवंटित हुई हैं, उन्हें 22 अक्टूबर तक ऑनलाइन रिपोर्ट करना होगा और 23 अक्टूबर तक आवंटित कॉलेज में शारीरिक रूप से रिपोर्ट करना होगा। यदि कोई उम्मीदवार समय सीमा का पालन नहीं करता है, तो उनकी सीट स्वचालित रूप से रद्द कर दी जाएगी।

शहर में जगह-जगह छठ स्नान की तैयारी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि कार्यकारी मंडल अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व में नगर के हर कोने में लोक महापर्व छठ पूजा के तैयारी की शुरूआत हो गई है। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया उत्तर भारतीयों के लिए छठ पूजा का अपना एक आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व है। इसलिए आज भी छठ में सनातन काल की अर्घ्य दान की वही परंपरा प्रचलित है।

इन्हीं परंपराओं का अनुसरण करते हुए आज भी देश-विदेश के हर कोने में उत्तर भारतीयों द्वारा छठ पूजा की जाती है जिसकी तैयारी महीनों पहले से शुरू हो जाती है। पूजा को सफल बनाने के लिए आज मियापुर जेपी नगर बतुकम्मा घाट का निरीक्षण अध्यक्ष, हरे राम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम कुमार, अखिलेश सिंह, विनोद राय, नागेंद्र राव, गणेश चौबे, मिथिलेश कुमार सिंह, राधे विश्वकर्मा, अमरजीत यादव, संजय पांडे एवं अंशु सिंह इत्यादि ने किया और तैयारियों का जायजा लिया।

अग्रणी महिला मंच ने गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य पर हिमायतनगर स्थित कार्यालय में गोवर्धन पूजा कर अनकूट प्रसाद ग्रहण किया । अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया , बबिता गर्ग , टीना खंडेलवाल , श्वेता खंडेलवाल , स्मिथ शाह , रितु गोयल , संगीता जजोड़िया , प्रीति गोयल , संतोष अग्रवाल , ज्योति कुलकर्णी , राखी , लीला , एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित रहे।

विश्व मंगल गौशाला सोमाराम मेडचल में गोवर्धन पूजा,गौ पूजा और ओर भोजन प्रसादी साथ ही कमेटी में नए सदस्य भी जोड़े गए ।इस कार्यक्रम में दुर्गा रेड्डी, टी वी सुरेश, लुंबाराम सिरवी, शांतिलाल सुथार, अमरनाथ, गिरिधर रेड्डी, वेंकट रेड्डी, जगन गौड़ , धर्माराम, जगन मोहन, ओमप्रकाश झवर व अन्य उपस्थित रहे

अमीरपेट स्थित दिपावली के पावन अवसर पर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव का शॉल से सम्मान कर शुभकामनाएँ देते हुए बीआरएस युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, महेन्द्र खेतान, अनिल, साकेत अग्रवाल, पवन कुमार लोहिया, गोपीलाल चौहान व अन्य।

चारमीनार के चार मेहराबों में सुरक्षा जांच की मांग

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुलजार हौज के चारों ओर स्थित चार मेहराबों में से एक, मछली कमान का प्लास्टर हाल ही में गिर गया, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा की चिंता बढ़ गई। इस घटना के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण से चारों मेहराबों का विस्तृत निरीक्षण करने को कहा। चारमीनार के विधायक मीर जुल्फिकार अली ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे चारों मेहराबों-चारमीनार कमान, मछली कमान, शंभू प्रसाद की काली कमान और कमान शेर-ए-बातिल-का तुरंत निरीक्षण करें। 7 अक्टूबर को हुई बारिश के दौरान मछली कमान का प्लास्टर गिरने से एक व्यक्ति घायल भी हो गया था।

जुल्फिकार अली ने बताया कि मछली कमान में मरम्मत का काम प्राथमिकता पर किया जाएगा और मानसून समाप्त होने के बाद मरम्मत शुरू करने की योजना है।

दीपावली पर शेरकोटी पेंट्स परिवार की ओर से अपने स्टाफ एवं शुभचिंतकों के बीच समारोह आयोजित कर सभी को उपहार देकर संस्था की तरक्की में योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए संचालक।

फलकनुमा पुलिस ने सरकारी हाई स्कूल जंगममेट में निबंध लेखन प्रतियोगिता की आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा पुलिस ने बुधवार को सरकारी हाई स्कूल जंगममेट में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें लगभग 100 छात्रों ने उर्दू, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में भाग लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना और नशा मुक्त भारत को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के साथ-साथ स्कूल में एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को नशीली दवाओं के खतरों के बारे में जानकारी दी गई। फलकनुमा पुलिस स्टेशन के उपनिरीक्षक शेख अब्दुल रहीम ने छात्रों से अपील की कि वे अपने मित्रों, पड़ोसियों और परिवार के सदस्यों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से अवगत कराएं। पुलिस ने छात्रों से अच्छी आदतें अपनाने और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की भी सलाह दी।

आईआईटी हैदराबाद ने विकसित किया एआई टूल "रेडजीएलओ'

बिना बायोप्सी के करेगा ब्रेन ट्यूमर का निदान

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने एक एआई-आधारित उपकरण विकसित किया है, जो बिना सर्जिकल बायोप्सी के मस्तिष्क ट्यूमर का निदान और विश्लेषण करने में सक्षम है। "रेडजीएलओ' नामक यह अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म सामान्य एमआरआई स्कैन से ही आनुवंशिक स्तर की जानकारी निकाल सकता है, जिससे गैर-आक्रामक और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं का रास्ता खुलता है।

"प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी' जर्नल (अक्टूबर 2025) में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, यह तकनीक विशेष रूप से ग्लियोमा जैसे मस्तिष्क ट्यूमर के निदान में एक नई क्रांति ला सकती है। फिलहाल, डॉक्टर ट्यूमर की पुष्टि और उसकी गंभीरता का आकलन करने के लिए सर्जिकल बायोप्सी पर निर्भर रहते हैं, जो एक जोखिमपूर्ण प्रक्रिया होती है।

आईआईटी-एच की टीम ने "रेडियोमिक्स' तकनीक का उपयोग किया है, जिसमें एमआरआई स्कैन से बनावट, आकार और तीव्रता जैसी हजारों मात्रात्मक विशेषताएं निकाली जाती हैं। ये विशेषताएं बायोप्सी से प्राप्त आनुवंशिक जानकारी के समान स्तर की उपयोगी जानकारी प्रदान करने में सक्षम हैं।

हैदराबाद में टीपीजीएल 2025 का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (एचजीए) ने श्रीनिधि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एसयू टीपीजीएल 2025- तेलंगाना प्रीमियर गोल्फ लीग का भव्य उद्घाटन किया। इस लीग के पांचवें संस्करण में 16 टीमें और 192 गोल्फर शामिल होंगे, जो हैदराबाद की सर्वश्रेष्ठ गोल्फ प्रतिभा, सौहार्द और सामुदायिक भावना का प्रतिनिधित्व करेंगे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में सभी भक्तों विजया रेड्डी, गोपाल बलदवा, संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, दीया अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वेंकटेश गारू, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार, सरायवाला सुधाकर पम्पति, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल भोजरेड्डी, पी.सी. जैन, राधेश्याम मांडोठिया विट्ठलदास अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, अशोक सरायवाला, सुभाष अग्रवाल, महेश कुमार डकोटिया, कमल राठी, राहुल सिंघल आदि।

एडिलेड में 17 साल से वनडे नहीं हारा भारत

हर दूसरे मैच में कोहली का शतक; ऑस्ट्रेलिया से मैच आज, 25% बारिश का अनुमान

एडिलेड, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम का दूसरा पड़ाव एडिलेड ओवल में है। यहां गुरुवार को सुबह 9 बजे से दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। मेजबान टीम पहला वनडे जीतकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

भारत के लिए दूसरा वनडे मैच बेहद अहम है। अगर भारतीय टीम यह मुकाबला हार जाती है, तो सीरीज गंवा देगी। एक जीत हमें बराबरी पर ला सकती है। इस मैच में बारिश का अनुमान है।

भारत एडिलेड के मैदान पर पिछले 17 साल से वनडे मैच नहीं हारा है। टीम के पास लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका भी है।

विराट कोहली भी इस मैदान पर हर दूसरे मैच में शतक लगा रहे हैं। अब देखना यह है कि कोहली अपने पसंदीदा मैदान पर भारतीय टीम को जीत दिला पाते हैं या नहीं। आगे मैच डिटेल...

एडिलेड ओवल भारत के होमग्राउंड जैसा

ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल ग्राउंड भारत के होमग्राउंड जैसा है। भारतीय टीम ने यहां 15 मैच खेले हैं। उसने इनमें से 9 मैच जीते हैं, जबकि 5 में उसे हार मिली है। यानी भारत ने यहां 60% मैच जीते हैं। जो अन्य ऑस्ट्रेलियाई मैदानों से ज्यादा है। टीम इंडिया को इस मैदान पर आखिरी हार 19 फरवरी 2008 को श्रीलंका के खिलाफ मिली थी।

इस मैदान पर भारत के पास ऑस्ट्रेलिया पर लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका है। टीम ने यहां पिछले दोनों मैच जीते हैं। उससे पहले के 4 मैच कंगारुओं ने जीते हैं। इस मैदान पर दोनों ने कुल 6 मैच खेले हैं।

ओवरऑल बात करें तो भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कुल 153 वनडे मैच खेले हैं। इनमें से भारत ने 58 जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 85 मैच रहे। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर भारत ने कंगारुओं के खिलाफ 55 मैच खेले हैं। इनमें से 14 जीते और 39 हारे हैं।

कोहली ने ज्यादा रन बनाए, जडेजा टॉप विकेट टेकर

मौजूदा टीम की बात करें तो विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 51 मैचों में 53.28 के एवरेज से 2451 रन बनाए हैं। इस मैदान पर कोहली ने 4 मैच खेले हैं और 61.00 के एवरेज से 244 रन बनाए हैं। वे 2 शतक भी लगा चुके हैं यानी कोहली एडिलेड की हर दूसरी पारी में शतक लगाते हैं। रवींद्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। वे 45 मैच में 39 विकेट ले चुके हैं।

मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए, स्टार्क को 31 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टीम में कप्तान मिचेल मार्श ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वे 24 मैच में 39.29 के एवरेज से 943 रन बना चुके हैं। मार्श ने 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं। गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क ने 20 मैचों में भारत के 31 विकेट झटके हैं।

एडिलेड में गुरुवार को 25% बारिश के आसार

गुरुवार को एडिलेड के आसमान पर बादल छाए रहेंगे। यहां पर 25% बारिश के आसार हैं। दिन का अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहेगा। पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में बारिश के कारण ओवर घटाने पड़े थे। तब 26-26 ओवर का खेल हुआ। दूसरे मुकाबले में भी बारिश खलल डाल सकती है।

बैटर्स-बॉलर्स दोनों के लिए मददगार पिच

एडिलेड ओवल की पिच बैटर्स और बॉलर्स दोनों को मदद करेगी। यह पिच शुरुआत में बैटर्स को मदद करेगी। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा वैसे-वैसे स्पिनर्स को मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस मैदान पर कुल 94 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से 49 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते हैं, जबकि 43 मैच पहले गेंदबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं।

पाकिस्तान ने कराया भारत का बड़ा फायदा

अब वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम मुंबई में होगा

खेल डेस्क, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत जब हुई तो फाइनल की जगह पक्की नहीं थी, लेकिन 21 अक्टूबर को जैसे ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया, वैसे ही इस असमंजस से भी पर्दा उठ गया. पाकिस्तान की महिला टीम इस टूर्नामेंट से बाहर होने के साथ ही भारत को बड़ा फायदा करा गई. इस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है और वो पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर है.

क्या है पूरा मामला?

महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन भारत और श्रीलंका में हो रहा है. हालांकि इस टूर्नामेंट का मेजबान भारत है, लेकिन पाकिस्तान की वजह से श्रीलंका को सह मेजबान बनाया गया था. इसकी वजह से केवल एक सेमीफाइनल का ही वेन्यू फिक्स था. दूसरा सेमीफाइनल और फाइनल कहां होगा? इसका फैसला पाकिस्तान की जीत पर निर्भर था, लेकिन अब ये टीम वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है. इसकी वजह से अब दोनों सेमीफाइनल और फाइनल भारत में ही होंगे. अगर पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंची तो ये मुकाबले श्रीलंका में होते, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा.

वर्ल्ड कप से पाकिस्तान के बाहर होते ही नवी मुंबई स्थित डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी को बड़ा फायदा हो गया. अब 30 अक्तूबर को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला इसी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि पहले सेमीफाइनल के लिए वेन्यू अभी निश्चित नहीं है. हालांकि ये मुकाबला गुवाहटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 29 अक्टूबर को खेला जा सकता है.

साउथ अफ्रीका, इंग्लैड और ऑस्ट्रेलिया पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं. अब अगर टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे न्यूजीलैंड को हर हाल में हराना होगा. इस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वही रुख अपनाया था जो भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान अपनाया था. यही वजह थी कि पाकिस्तान महिला टीम ने अपने सारे लीग मैच कोलंबो में खेलने का फैसला किया था.

हरियाणा स्टेट गेम्स के सर्टिफिकेट पर नहीं मिलेगा खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र

गौरव गौतम
खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
हरियाणा

मीनू बेनीवाल
अध्यक्ष, हरियाणा
ओलंपिक संघ

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी हरियाणा स्टेट गेम्स 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाले सर्टिफिकेट के आधार पर अब स्पोर्ट्स ग्रेडेशन सर्टिफिकेट (खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र) जारी नहीं किया जाएगा। खेल विभाग के प्रधान सचिव की ओर से हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है।

पत्र में लिखा गया है कि विभाग के संज्ञान में आया है कि हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा 2 से 8 नवंबर तक पंचकूला में आयोजित किए जा रहे हरियाणा स्टेट गेम्स के प्रचार में यह कहा जा रहा है कि इस प्रतियोगिता के सर्टिफिकेट से खिलाड़ियों को ग्रेडेशन का लाभ मिलेगा। इस पर विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्टेट गेम्स के सर्टिफिकेट हरियाणा सरकार की 15 नवंबर 2018 की अधिसूचना के अनुसार ग्रेडेशन के लिए मान्य नहीं हैं।

खेल विभाग के अनुसार केवल वही टूर्नामेंट और प्रतियोगिताएं ग्रेडेशन के लिए मान्य हैं जो विभाग द्वारा स्वीकृत और अधिसूचना के तहत सूचीबद्ध हैं। विभाग ने कहा कि हरियाणा स्टेट गेम्स भले ही बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे हों लेकिन इस आयोजन को वर्तमान में मान्य प्रतियोगिताओं की सूची में शामिल नहीं किया गया है। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाले प्रमाण पत्रों के आधार पर किसी भी स्तर का खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

खेल विभाग ने खिलाड़ियों से अपील की है कि वे किसी भी आयोजन में भाग लेने से पहले उसकी मान्यता अवश्य जांच लें ताकि बाद में ग्रेडेशन या नौकरी संबंधी लाभों के लिए किसी प्रकार की गलतफहमी न हो। विभाग ने इस पत्र की प्रति खेल मंत्री, महानिदेशक खेल विभाग व अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) को भी भेजी है।

नीरज चोपड़ा बने लेफ्टिनेंट कर्नल : राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख ने प्रदान की मानद उपाधि

पानीपत, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अक्टूबर 2025 को साउथ ब्लॉक में आयोजित पिपिंग समारोह के दौरान स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का चमचमाता प्रतीक चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया। लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा और उनके परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने उन्हें दृढ़ता, देशभक्ति और उत्कृष्टता के लिए

प्रयास करने की भारतीय भावना का प्रतीक बताया।

नीरज के नाम एक और बड़ी उपलब्धि

भारत के राजपत्र के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के पद पर जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए। दो साल बाद, एथलेटिक्स में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में खेल के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नीरज को 2021 में सूबेदार के पद पर भी पदोन्नत किया गया। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद 27 साल के भारतीय एथलीट को 2022 में भारतीय सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें 2022 में सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया और उसी साल भारतीय भाला फेंक के इस दिग्गज को भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में नीरज ने किया निराश

चोपड़ा हाल ही में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाला फेंक में अपना खिताब बचाने में नाकाम रहे और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे। उनके हमवतन सचिन यादव 86.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे और मेडस से चूक गए। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आठवां स्थान हासिल करने के बाद नीरज चोपड़ा ने अपने निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि उन्हें पीठ में कुछ समस्या है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार यही जीवन और खेल है। नीरज की नजरें अब अगले साल आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लगी हैं, जहां उन्हें पाकिस्तान के अरशद नदीम से कड़ी चुनौती मिल सकती है।

भारतीय कबड्डी टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया

एशियन यूथ गेम्स में 81-26 से हराया; क्रिकेट टीम ने हाथ नहीं मिलाया था

बहरीन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय कबड्डी टीम ने एशियन यूथ गेम्स के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान इशांत राठी पहले तो पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से बचते नजर आए। फिर बाद में मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स के साथ हाथ मिलाया।

बहरीन में चल रही प्रतियोगिता में भारत ने इस मुकाबले को 81-26 के बड़े अंतर से जीता और फाइनल में जगह बना ली। मैच के बाद भारतीय कप्तान इशांत राठी ने हाथ मिलाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

यह पहला मौका नहीं है, जब भारतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तानी

प्लेयर्स हाथ मिलाया है। इससे पहले 14 अक्टूबर को मलेशिया में हुए सुल्तान ऑफ जोहर कप हॉकी टूर्नामेंट में भारत अंडर-21 और पाकिस्तान अंडर-21 टीमों ने आपसी खेल भावना दिखाते हुए हाथ मिलाए थे। यह मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा।

भारतीय टीम पॉइंट टेबल में टॉप पर

भारत की टीम का प्रदर्शन एशियन यूथ गेम्स में शानदार रहा है। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हराया था। तीनों मैच जीतकर भारत अंक तालिका में पहले स्थान पर है, जबकि ईरान दूसरे नंबर पर है।

क्रिकेट में भारत ने हाथ नहीं मिलाया था

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मैच हुए, लेकिन किसी भी मैच के बाद खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाया।

14 सितंबर 2025: भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया, कोई हैंडशेक नहीं हुआ।

21 सितंबर 2025: भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की, फिर भी टीमों ने हाथ नहीं मिलाया।

28 सितंबर 2025 (फाइनल): भारत ने 5 विकेट से जीत दर्ज की, यहां भी खिलाड़ियों ने हैंडशेक से दूरी बनाए रखी।

यहां तक कि चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी इनकार किया।

5 अक्टूबर 2025 को कोलंबो में हुए विमेंस वर्ल्ड कप मैच में भी भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था।

पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद खेलों में दिखा तनाव का असर

इसी साल हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसका असर खेलों पर भी नजर आ रहा है। कई मौकों पर भारतीय कप्तान और खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं।

डेब्यू मैच के बाद ही जोश फिलिप का कटा पत्ता

शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी टीम से निकाला

एडिलेड, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा. दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया की टीम बदली-बदली दिखाई देने वाली है. टीम में कई मैच विनर खिलाड़ियों की वापसी हो रही है, जिसके चलते पर्थ में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी का पत्ता कट सकता है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा. ऑस्ट्रेलिया की टीम पहला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है. वहीं दूसरे मैच में कंगारू टीम बदली-बदली दिखने वाली है. दूसरे मैच में कई मैच विनर खिलाड़ियों की कंगारू टीम में एंट्री होने वाली है, जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी और जोश इंगलिस का नाम भी

शामिल है, जो इंजरी के चलते पहले मैच से बाहर थे. जिसके चलते अब पर्थ में डेब्यू करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलिप का एडिलेड वनडे से पत्ता कट सकता है.

दरअसल इंजरी के चलते ऑस्ट्रेलिया के नियमित विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी पर्थ में खेले गए पहले वनडे से बाहर थे, लेकिन अब पूरी तरह से फिट होकर टीम में लौट आए हैं, जिसका मतलब है कि दूसरे मैच में जोश फिलिप को बाहर रहना पड़ेगा. पर्थ में जोश फिलिप ने अपना वनडे डेब्यू किया था.

इस मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी के साथ-साथ शानदार विकेटकीपिंग भी की थी. पर्थ में बल्लेबाजी करते हुए जोश फिलिप ने 29 गेंदों पर 37 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी और ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी. इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से जीत लिया था. इसको लेकर जोश फिलिप ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं मध्यक्रम में होंगे. मैं परिस्थितियों को बहुत जल्दी भाप लेता हूं और उसके साथ तालमेल भी बैठा लेता हूं. इस पर मुझे गर्व भी है. यानी इस खिलाड़ी को उम्मीद है कि उनको दूसरे वनडे में भी मौका मिल सकता है.

केशव महाराज ने 3 साल में तीसरी बार किया ऐसा

रावलपिंडी टेस्ट में पाकिस्तान के 7 विकेट अकेले झटके

रावलपिंडी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की पहली पारी का अंत हो गया है. पाकिस्तान की पहली पारी को समेटने में साउथ अफ्रीका से खेल रहे हनुमान जी के भक्त की बड़ी भूमिका रही. हम बात कर रहे हैं भारतीय मूल के केशव महाराज की, जो साउथ अफ्रीका से क्रिकेट खेलते हैं. केशव महाराज हनुमान जी के बड़े भक्त हैं और और हिंदू धर्म में उनकी गहरी आस्था है. लेकिन, फिलहाल वो चर्चा में है रावलपिंडी टेस्ट में गेंद से बरपाए अपने कहर को लेकर. इसमें खास बात ये है कि केशव महाराज ने ऐसा इंजरी से वापसी करते हुए किया है.

इंजरी से वापसी कर छाए महाराज

साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे थे. इसी इंजरी के चलते वो लाहौर में खेला पहला टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेले थे, जिसमें साउथ अफ्रीका को 93 रन से हार का मुंह देखना पड़ा था. लेकिन, रावलपिंडी में सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट में उन्होंने वापसी करते हुए कमाल की गेंदबाजी की.

3 साल में तीसरी बार किया ऐसा

केशव महाराज ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट की पहली पारी में 42.4 ओवर में 102 रन देकर 7 विकेट लिए. 9 साल के उनके टेस्ट करियर में ये 12वीं बार है, जब उन्होंने 5 या उससे ज्यादा विकेट एक इनिंग में लिए हैं. वही पिछले 3 साल ही नहीं बल्कि पूरे टेस्ट करियर में भी ये तीसरी बार है, जब उन्होंने एक इनिंग में 7 विकेट लिए हैं. इससे पहले दो बार एक इनिंग में 7-7 विकेट लेने का कारनामा केशव महाराज ने साल 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेले सीरीज के लगातार 2 घरेलू टेस्ट में किए थे. कुल मिलाकर कहें तो ये पाकिस्तान में उनका बेस्ट प्रदर्शन है.

पाकिस्तान की पहली पारी 333 रन पर खत्म

अब केशव महाराज के इस प्रदर्शन का असर क्या हुआ? पाकिस्तान की पहली पारी 333 रन पर सिमट गई. पाकिस्तान ने अपने पहले दिन के स्कोर 5 विकेट पर 259 रन से आगे दूसरे दिन खेलना शुरू किया था. लेकिन, दूसरे दिन उसके बाकी बचे 5 विकेट 74 रन पर ही गिर गए.

शाहीन अफरीदी पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान बने

रिजवान से 10 महीने के भीतर छीनी गई कप्तानी, पिछले साल नवंबर में मिली थी कमान

इस्लामाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मोहम्मद रिजवान को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान नियुक्त किया गया है।

विकेटकीपर बैटर रिजवान को 10 महीने पहले ही वनडे टीम की कमान सौंपी गई थी। पीसीबी ने उन्हें कप्तानी से हटाने की जानकारी रावलपिंडी टेस्ट के पहले दिन के खेल के बाद दी गई। पाकिस्तान-दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे इस मैच में रिजवान और शाहीन दोनों खेल रहे हैं।

पीसीबी ने रिजवान को हटाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई। बोर्ड ने बस इतना कहा कि यह निर्णय इस्लामाबाद में हुई बैठक में

लिया गया, जिसमें सेलेक्टर्स के साथ और व्हाइट-बॉल टीम के कोच माइक हेसन मौजूद थे। माना जा रहा है कि रिजवान को हटाने का फैसला सिर्फ कोच की सिफारिश पर नहीं, बल्कि पीसीबी अधिकारियों की सहमति के बाद लिया गया है।

रिजवान को पिछले साल वनडे कप्तान बनाया गया था

रिजवान पिछले साल नवंबर में वनडे टीम के कप्तान बनाए गए थे। उन्होंने पाकिस्तान को 2024 में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जिताई थी। तब उन्होंने खुद भी 42 की औसत से रन बनाए थे। हालांकि, इस साल टीम का प्रदर्शन कमजोर रहा और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान पहले ही दौर में बाहर हो गया।

शाहीन अफरीदी को दूसरी बार मौका

शाहीन अफरीदी पहले भी व्हाइट-बॉल कप्तान रह चुके हैं। उन्हें जनवरी 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में कप्तान बनाया गया था, लेकिन पाकिस्तान को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उन्हें दोबारा कप्तान बनाए रखने से इनकार कर दिया और एक हफ्ते बाद बाबर आजम को फिर से कप्तान बना दिया गया।

अब शाहीन को कप्तानी का दूसरा मौका मिला है। वे इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं। पिछले साल वे पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। 2023 वर्ल्ड कप के बाद से अब तक उन्होंने 45 विकेट लिए हैं, जो किसी भी फुल मेंबर टीम के गेंदबाजों में सबसे ज्यादा हैं।

शाहीन की पहली चुनौती अगले महीने

वनडे कप्तान के रूप में शाहीन की पहली जिम्मेदारी अगले महीने फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। यह उनके नेतृत्व की पहली परीक्षा मानी जा रही है।

हैदराबाद साइंस और इनोवेशन का हब : भट्टी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि हैदराबाद साइंस और इनोवेशन का हब है। युवा इनोवेटर्स आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड-क्लास सिस्टम डिज़ाइन का सेंटर बन गया है। राज्य ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स और इन्वेस्टर्स का स्वागत करता है।

वे हैदराबाद के जेआरसी कन्वेंशन सेंटर में हुए स्पेस इकॉनमी, बायोमिमिक्री और एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल रिसोर्सेज़ पर बायोइंस्पायर्ड फ्रंटियर्स 2025 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। तेलंगाना सरकार वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए प्रतिबद्ध है।हमारा काम नेचर से आगे निकलना नहीं, बल्कि उससे सीखना है। उप मुख्य मंत्री ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से ही हैदराबाद साइंस और इनोवेशन का हब रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना अब वर्ल्ड-क्लास सिस्टम डिज़ाइन का सेंटर बन गया है। उन्होंने तेलंगाना सरकार की ओर से ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स, इन्वेस्टर्स और इनोवेटर्स को राज्य के साथ मिलकर काम करने का न्योता दिया। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना सरकार साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिवद्ध है। हैदराबाद में दुनिया भर के साइंटिस्ट, इंडस्ट्री लीडर और इनोवेटर का स्वागत करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने शहर को ऐसा बताया जहाँ साइंस की सटीकता कल्पना की कविता से मिलती है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि बायोइंस्पायर्ड फ्रंटियर्स 2025 बायोलॉजी, टेक्नोलॉजी और स्पेस एक्सप्लोरेशन को जोड़ने वाला एक ग्लोबल डायलॉग एक ऐसे शहर में हो रहा है जिसने आधी सदी से ज़्यादा समय से भारत की साइंटिफिक यात्रा को चुपचाप आकार दिया है। उन्होंने नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन आदि की चर्चा की। इसके अलावा, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), मिश्र धातु निगम (मिधानी), और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) जैसे पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज भी हैदराबाद में बढ़े, जिससे देश के एयरोस्पेस, मेटलर्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर्स की मज़बूत नींव पड़ी। उन्होंने कहा कि युवा इनोवेटर्स की एक नई पीढ़ी अब इस लेगेसी को नई एनर्जी के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने हैदराबाद की एक और पायनियर कंपनी ध्रुव स्पेस का भी ज़िक्र किया, जो डिज़ाइन और फैब्रिकेशन से लेकर लॉन्च और ग्राउंड ऑपरेशन तक, एंड-टू-एंड सैटेलाइट सॉल्यूशन देती है, जो दिखाती है कि तेलंगाना में वाकई वर्ल्ड-क्लास सिस्टम बनाए जा सकते हैं।

मेडचल में शराब के नशे में बेटे ने पिता की हत्या की

झगड़े के दौरान पत्थर से हमला कर वारदात को दिया अंजाम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना में बेटे ने शराब के नशे में अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, सिद्दीपेट जिले के अछाईपल्ली निवासी मोहम्मद निजामुद्दीन (56) अपने बेटे शेख साथक और उसके दोस्त राजू के साथ प्रजय वाटर फ्रंट के पास शराब पी रहे थे, तभी यह घटना हुई।

नशे में धुत होने के बाद, साथक और उसके पिता के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर साथक ने पास पड़ी एक पत्थर उठाकर अपने पिता पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर मेडचल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे शेख साथक और उसके दोस्त राजू को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महाजातरा के इंतज़ामों को 8 ज़ोन और 31 सेक्टर में बांटा गया : सब्यसाची घोष

मेडारम महाजातरा के इंतज़ामों पर हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण विभाग के विशेष सचिव सब्यसाची घोष ने आज सचिवालय में मेडारम महाजातरा के इंतज़ामों पर एक समीक्षा बैठक की। आदिवासी कल्याण विभाग ने मेडारम महाजातरा के लिए 150 करोड़ रुपये मंज़ूर किए हैं, जिसमें से 90 करोड़ रुपये सिविल कामों के लिए और 60.00 करोड़ रुपये नॉन-सिविल कामों के लिए हैं। बैठक में सिविल कामों के स्टेटस और नॉन-सिविल कामों के एक्शन प्लान का रिव्यू किया गया। इस मौके पर बोलते हुए सब्यसाची घोष ने मुलुगु जिला कलेक्टर दिवाकर के साथ कहा कि मेडारम महाजातरा के इंतज़ामों को कुल 8 ज़ोन और 31 सेक्टर में बांटा गया है। ज़ोन-3 को जम्पन्ना वागु एरिया तय किया गया है। मेले के दौरान 10 से 12 हज़ार पुलिस वाले ड्यूटी पर रहेंगे। हर ज़ोन के लिए एक ज़ोनल ऑफ़िसर की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि 24 परमानेंट टावर, 20 सेल-ऑन-व्हील्स और 350 वाईफाई पॉइंट लगाए जाएंगे। कोर रूट और पार्किंग एरिया की पहचान कर ली गई है। कुल 49 पार्किंग एरिया (1050 एकड़) की पहचान की गई है, जिसमें लगभग 4.5 से 6 लाख गाड़ियों की पार्किंग की जा सकेगी। कहा गया कि ये इंतज़ाम 30 नवंबर तक पूरे हो जाएंगे। वन विभाग की देखरेख में 24+9 फ़ॉरेस्ट रोड (कच्चा से डबल लेन) डेवलप किए जा रहे हैं। इसके तहत वाइल्डलाइफ़ सैंक्चुअरी की सड़कों को भी शामिल किया गया है। मंदिर के आस-पास की सड़कें आरएंडबी डिपार्टमेंट 42 करोड़ रुपये की लागत से और मेन सड़कें 92 करोड़ रुपये की लागत से बना रहा है। उन्होंने कहा कि मेले से पहले, मेले के दौरान और मेले के बाद के इंतज़ामों पर नज़र रखने के लिए मेले का खास दौरा किया जाएगा। जम्पन्ना वागु में टेम्परारी सड़क टूटने की वजह से मरम्मत का काम तेज़ी से किया जा रहा है। 517 बोर पॉइंट/पानी के सोर्स और 250 किमी सड़कों पर लाइटिंग का काम किया जा रहा है। स्थानीय लोगों की मदद से 6 स्लॉटर सेंटर बनाए गए हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जम्पन्ना वागु को ठीक करने का काम चल रहा है। बिजली विभाग ने 9,111 बिजली के खंभे और 259 ट्रांसफ़ॉर्मर लगाने का काम शुरू कर दिया है। पूरे मेला इलाके में एंडोमेंट्स विभाग की देखरेख में रोशनी का इंतज़ाम किया जाएगा। सब्यसाची घोष ने निर्देश दिया कि सभी विभाग तालमेल से काम करें और दुनिया भर में मशहूर मेदारम सम्मक्का-सरलम्मा मेले के सफल आयोजन के लिए इंतज़ाम पूरे करें। बैठक में लॉ एंड ऑर्डर एडिशनल डीजीपी महेश भगत, मुलुगु, वारंगल, हनुमाकोंडा जिलों के कलेक्टर, मुलुगु एसपी, बिजली सीएमडी वरुण रेड्डी और दूसरे संबंधित विभाग के सीनियर अधिकारियों ने हिस्सा लिया और अपनी राय दी।

फांसी पर लटका हुआ मिला व्यापारी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के अत्तापुर स्थित अपने आवास में मंगलवार रात एक व्यापारी फांसी पर लटका हुआ पाया गया। ड्राई-क्लीनिंग का व्यवसाय चलाने वाले अयेश नामक व्यक्ति की आत्महत्या का संदेह है, कथित तौर पर जब घर में कोई मौजूद नहीं था, तब उसने रस्सी का उपयोग कर छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जाँच से पता चलता है कि वह अपनी पत्नी से झगड़े के बाद अवसाद में था, जो उसे छोड़कर अपने मायके चली गई थी। अत्तापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया टूर के दौरान ओरिका के सीईओ संजीव गांधी से मिले मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के अपने मौजूदा टूर के हिस्से के तौर पर, आईटी व उद्योग मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने आज मेलबर्न में ओरिका के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव गांधी के साथ मुलाकात की।

ऑस्ट्रेलिया में हेडक्वार्टर वाली ओरिका, इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिव बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है और माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस में ग्लोबल लीडर है। मिनिस्टर और श्री गांधी ने तेलंगाना में कंपनी के चल रहे कार्यों और संभावित विस्तार पर चर्चा की। ओरिका अभी हैदराबाद में एक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) चलाती है, जिसमें डिजिटल इंजीनियरिंग, ऑटोमेशन और एडवांस्ड एनालिटिक्स जैसे एरिया में लगभग 600 स्किल्ड प्रोफेशनल्स काम करते हैं। बातचीत के दौरान, मंत्री श्रीधर बाबू ने तेलंगाना के बढ़ते जीसीसी इकोसिस्टम, वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रोग्रेसिव इंडस्ट्रियल पॉलिसीज़ पर रोशनी डाली, जो ग्लोबल कंपनियों को राज्य में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी हब बनाने के लिए अट्रैक्ट कर रही हैं।

उन्होंने ओरिका को तेलंगाना के मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग सेक्टर में इंडस्ट्रियल इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में सहयोग के मौके तलाशने के लिए भी बुलाया। संजीव गांधी ने इंडस्ट्री से जुड़ने के लिए राज्य सरकार के प्रोएक्टिव तरीके की तारीफ़ की और भारत में ओरिका की मौजूदगी बढ़ाने के लिए तेलंगाना के साथ पार्टनरशिप जारी रखने का भरोसा दिया।

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, मेडचल में बुधवार को "साइबर मेधा एआई" नामक एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर अपराधों में वृद्धि के मद्देनजर एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण के निर्माण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करना था। लगभग 200 सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम में ज़िम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, साइबर खतरों की रोकथाम और जनता में जागरूकता फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञों ने साइबर अपराधों के रुझानों, निवारक उपायों और नैतिक डिजिटल उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में , पुलिस स्मृति सप्ताह (21-30 अक्टूबर) के तहत गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सेंट पीटर्स इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के साथ एक ओपन हाउस सत्र का आयोजन किया गया। छात्रों को बुनियादी पुलिसिंग, साइबर अपराध रोकथाम तकनीकों और नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया।इस अवसर पर बोलते हुए, प्राचार्य पी. मधुकर स्वामी ने कहा कि ये दोनों कार्यक्रम युवाओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ा रहे हैं और पुलिस-जनता साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने साइबर सुरक्षा को समाज के प्रत्येक व्यक्ति की ज़िम्मेदारी मानने का आह्वान किया। साइबर सुरक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ प्रमीलारुण, उप-अधीक्षक एवं उप-प्राचार्य श्री के.वी. विजय कुमार, साथ ही निरीक्षक श्रीमती मंजुला, वाई. वेंकटेश्वरलू, चंद्रशेखर, के. किरण, ए. नागराजू आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जुबली हिल्स उपचुनाव में 117 उम्मीदवारों ने दाखिल किए 194 नामांकन

नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन देर रात तक चला काम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। अंतिम दिन सोमवार को कुल 117 उम्मीदवारों ने 194 नामांकन पत्र जमा किए। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के चुनाव ड्यूटी अधिकारियों ने शेखपेट स्थित रिटर्निंग ऑफिस में उम्मीदवारों की भीड़ को देखते हुए टोकन प्रणाली लागू की। नामांकन स्वीकार करने की प्रक्रिया दोपहर 3 बजे की समय सीमा के बाद भी देर रात तक जारी रही। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू हुई थी और 21 अक्टूबर को समाप्त हुई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अब तक कुल 211 उम्मीदवारों ने उपचुनाव के लिए 321 नामांकन दाखिल किए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की ओर से अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला है। चुनाव अधिकारी बुधवार को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में नामांकन पत्रों की जांच करेंगे। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर तय की गई है।

"जल, जंगल, ज़मीन' के नारे के साथ याद किया आदिवासी नायक का संघर्ष

केटीआर और हरीश राव ने कुमरम भीम की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने बुधवार को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी कुमराम भीम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नेताओं ने उनके "जल, जंगल, ज़मीन' के नारे को याद करते हुए कहा कि भीम का संघर्ष आज भी जन आंदोलनों की प्रेरणा है।

केटीआर ने कहा कि कुमराम भीम एक आदिवासी योद्धा और विद्रोही नायक थे, जिन्होंने शोषण के खिलाफ जन आंदोलन का प्रतीक बनकर इतिहास रचा। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस सरकार ने उनके आदर्शों से प्रेरित होकर अनुसूचित जनजातियों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं। इनमें आदिवासी आवासीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाना, विदेश अध्ययन के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रवासी छात्रवृत्ति और सीएमएसटीईआई योजना के तहत युवाओं के लिए रोजगार अवसर शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आसिफाबाद जिले का नाम कुमराम भीम के नाम पर रखना, जोडेघाट में स्मारक का विकास करना और हैदराबाद में उनके नाम पर आदिवासी सामुदायिक भवन का निर्माण करना, बीआरएस सरकार द्वारा उन्हें दी गई सम्मानजनक श्रद्धांजलियाँ हैं।

हरीश राव ने भी भीम की क्रांतिकारी भावना को सलाम किया और कहा कि उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने उनके पैतृक स्थान जोडेघाट को एक ऐतिहासिक स्मारक स्थल में बदलकर और हैदराबाद में कुमराम भीम स्मारक भवन का निर्माण कर, आदिवासी स्वाभिमान और सशक्तिकरण को नई पहचान दी है।

उपचुनाव प्रचार पर खर्च किए गए एक-एक पैसे का हिसाब हो: व्यय पर्यवेक्षक

निगरानी प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में उम्मीदवारों द्वारा प्रचार पर खर्च किए गए एक-एक पैसे का हिसाब लगाया जाए और उसे उम्मीदवारों के खातों में जमा किया जाए। उपचुनाव व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में स्थापित एमसीएमसी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निगरानी कक्ष, एमसीसी नियंत्रण कक्ष, 1950 शिकायत केंद्र और सोशल मीडिया निगरानी प्रकोष्ठ का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्रों के प्रदर्शन की जाँच के बाद संतोष व्यक्त किया।

उम्मीदवारों की प्रचार रैलियों, जनसभाओं, रोड शो के साथ-साथ मीडिया और पेड न्यूज़ में विज्ञापनों पर भी नज़र रखी जाए। रैलियों, सभाओं और रोड शो का रिकॉर्ड रखा जाए। व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने अधिकारियों को दैनिक आधार पर खर्चों का विवरण दर्ज करने के निर्देश दिए। एमसीसी के नोडल अधिकारी नरसिम्हा रेड्डी, एमसीएमसी सदस्य सचिव ममिंडला दशरथम, 24÷% नियंत्रण कक्ष की ओएसडी अनुराधा ने व्यय पर्यवेक्षकों को केंद्रों की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। मुख्य लेखा परीक्षक पी. वेंकटेश्वर रेड्डी औचक निरीक्षण के दौरान व्यय पर्यवेक्षकों के साथ मौजूद थे

दिवाली के बाद जगमगाई हैदराबाद की सड़कें

यादव समुदाय मना रहा है सदर उत्सव, भैंसों की सजावट, ढोल-नृत्य और पारंपरिक भव्यता ने खींचा लोगों का ध्यान

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली की रोशनी के फीकी पड़ते ही हैदराबाद की सड़कें एक बार फिर जगमगा उठीं, इस बार यादव समुदाय के पारंपरिक 'सदर' उत्सव की गूंज के साथ। ढोल की थाप, नृत्य और सजे-धजे भैंसों की गड़गड़ाहट ने शहर के माहौल को जीवंत कर दिया। स्थानीय रूप से 'दुन्नापोथुला पंडुगा' यानी भैंसों का त्योहार कहलाने वाला सदर, भक्ति, रंग और देहाती भव्यता का प्रतीक है। दिवाली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला यह उत्सव तब चरम पर पहुंचता है, जब चमकीले रंगों और मालाओं से सजे भैंसों के साथ भव्य जुलूस निकलते हैं। पुरुष तीन मार बैंड की धुन पर नाचते हैं और भीड़ के उत्साह से भैंसे अपने पिछले पैरों पर खड़ी होकर करतब दिखाती हैं।

1946 में नारायणगुडा वाईएमसीए से शुरू हुई यह परंपरा अब शहरव्यापी आयोजन बन चुकी है। इसकी शुरुआत स्वर्गीय सलंद्री न्यायम चौधरी मल्लैया यादव ने की थी, जिन्होंने इस आयोजन को सामुदायिक एकता और भैंसों के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में स्थापित किया। उत्सव की शुरुआत "गो पूजा' से होती है, जिसमें गोवर्धन पर्वत का प्रतीक गाय के गोबर से बनाया जाता है और उसे रंगोली, मिठाइयों व दीपों से सजाया जाता है। जब पहली भैंसा प्रसाद पर रखे दीये पर पैर रखती है, तो उत्सव की औपचारिक शुरुआत मानी जाती है।

नारायणगुडा का "पेढ़ा सदर' आज भी सबसे बड़ा आकर्षण बना हुआ है, लेकिन शेखपेट, सैदाबाद, खैरताबाद, अमीरपेट, माधापुर और कारवां जैसे कई इलाकों में भी यह उत्सव उतनी ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। मुशीराबाद के आयोजक एडला हरि बाबू यादव ने बताया, हमारी भैंसें हमारे जीवन और आजीविका का हिस्सा हैं। सदर उन्हें सम्मान देने और हमारी विरासत को जीवित रखने का तरीका है। जनश्रुति के अनुसार, निजाम काल में भैंसों में फैली एक रहस्यमय बीमारी से प्रेरित होकर मल्लैया यादव ने देवी महाकाली से आशीर्वाद लेने उज्जैन की यात्रा की थी। वहाँ किए गए अनुष्ठानों से भैंसों का रोग ठीक हुआ, जिसके बाद उन्होंने कृतज्ञता स्वरूप सदर उत्सव की शुरुआत की। आज सदर न केवल यादव समुदाय की पहचान बन चुका है, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं का भी जीवंत प्रतीक है।

सांड के हमले से 4 घायल

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात मधुरा नगर में सदर उत्सव समारोह के दौरान एक सांड के नियंत्रण से बाहर हो जाने से चार लोगों को मामूली चोटें आईं। यह घटना उस समय हुई जब सांड को परेड के लिए सजाया जा रहा था। मालिक ने तुरंत जानवर को काबू में कर लिया और बिना किसी बड़ी परेशानी के स्थिति पर जल्द ही काबू पा लिया गया। मधुरा नगर पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.